श्रर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 137 | गुवाहाटी | गुरुवार, 8 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बस दुर्घटनाग्रस्त : एक की मौत, चार घायल — पेज 3
थलसेना के उप प्रमुख मलेशियाई सैन्य अधिकारियों से मिलकर उत्कृष्ट... — पेज 4
भारत नही नहीं दुनिया के लिए मॉडल है उत्तर प्रदेश : मिलिंडा गेट्स — पेज 5
चार साल बाद सिर्फ खास मेहमानों का विकास हुआ — पेज 8

एमसीडी चुनाव : झाड़ू का मैजिक मुरझाया कमल, पंजा पस्त

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निकाय (एमसीडी) चुनाव में आम आदमी पार्टी ने भाजपा के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया है। आम आदमी पार्टी निकाय चुनाव में नंबर वन पार्टी बनकर उभरी है और भाजपा दूसरे नंबर पर है तो वहीं, कांग्रेस तीसरे पायदान पर है। एमसीडी के 250 वार्डों पर हुए चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 134 सीटों के साथ बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं, भाजपा 104 सीटें, कांग्रेस 9 सीटें और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की है। नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस जीत के लिए दिल्ली की जनता को बहुत-बहुत धन्यवाद। केजरीवाल ने भारत माता की जय से अपनी बात शुरू करते हुए कहा कि दिल्ली को इतनी शानदार जीत के लिए बधाई देता हूं, उन्होंने अपने बेटे को नगर निगम की जिम्मेदारी दी है। नगर निगम को ठीक करेंगे, कूड़े की समस्या दूर करेंगे, भ्रष्टाचार दूर करेंगे। हम भाजपा और कांग्रेस के साथ मिलकर नगर निगम ठीक करेंगे। उनका भी हम सहयोग मांगते हैं। केंद्र और प्रधानमंत्री का भी सहयोग मांगते हैं। हम सब मिलकर दिल्ली को ठीक करेंगे। इस बीच आम आदमी पार्टी के मुख्यालय में नेताओं के पहुंचने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। पार्टी मुख्यालय पहुंचे *आप* नेता दिलीप पांडेय ने कहा कि दिल्ली की जनता ने बता दिया है कि लोग केजरीवाल के साथ हैं। आप को मिली बढ़ता पर संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के लोगों को मुंह छिपाकर बैठ जाना चाहिए। एमसीडी चुनाव में मिले जीत पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली एमसीडी में आम आदमी पार्टी पर भरोसा करने के लिए दिल्ली की जनता का दिल से आभार। दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे नेगेटिव पार्टी को हराकर दिल्ली की जनता ने कट्टर ईमानदार और काम करने वाले अरविंद केजरीवाल जी को जिताया है। हमारे लिए ये सिर्फ जीत नहीं, बड़ी जिम्मेदारी है। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि केजरीवाल ने पहले दिल्ली से कांग्रेस की सत्ता उखाड़ी, अब भाजपा की सत्ता उखाड़ी है। भाजपा ने 7 मुख्यमंत्री एमसीडी चुनाव में उतारे थे, लेकिन लोग नफरत की राजनीति नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोग स्कूल, अस्पताल, बिजली और सफाई की राजनीति चाहते हैं। अब दिल्ली के कूड़े के पहाड़ साफ होंगे। दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने कहा कि अगर भाजपा काम नहीं करेगी, तो जनता केजरीवाल को चुनेगी। ये फैसला दिल्ली के लोगों ने लिया है इसके लिए दिल्ली के लोगों को बधाई। आप का मेयर बनेगा और मुख्यमंत्री केजरीवाल के निर्देश पर तय समय पर काम पूरे होंगे। भले ही आप ने एमसीडी चुनाव में परचम लहराया हो, लेकिन दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के विधानसभा क्षेत्र के 4 वार्डों में से 3 सीटें भाजपा के खाते में आई हैं। इतना ही नहीं, मंत्री गोपाल राय के विधानसभा -शेष पृष्ठ दो पर

केजरीवाल ने मांगा पीएम से आशीर्वाद

नई दिल्ली। दिल्ली एमसीडी चुनाव में अपनी पार्टी की जीत के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवासियों को बधाई दी, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की कमान संभालने के लिए *अपने बेटे, भाई* को चुनने के लिए उनका धन्यवाद किया। लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे, अन्य दलों से दिल्ली को बेहतर बनाने के लिए साथ आने का आग्रह करेंगे। एमसीडी चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) की जीत के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों का शुक्रिया अदा किया और नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए भारतीय जनता -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व रक्षा-कर्मियों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देगी सरकार : सीएम

गुवाहाटी (विभास)। असम सरकार ने बुधवार को पूर्व रक्षा कर्मियों के लिए ग्रेड 1 और ग्रेड 2 श्रेणियों में दो फीसदी सरकारी नौकरियों को आरक्षित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा ने गुवाहाटी में आयोजित कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि हम चाहते हैं कि मेजर, कर्नल और अन्य रैंक के रूप में सेवानिवृत्त होने वाले रक्षा कर्मियों को असम सरकार की सेवा में शामिल किया जाए, ताकि कर्मचारियों के बीच एक नई कार्य संस्कृति विकसित हो। सरानिया पहाड़ी पर महात्मा गांधी की स्मृति में बने ऐतिहासिक गांधी मंडप में आयोजित बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण फैसले भी लिए गए। कैबिनेट ने राज्य भर में 40 लाख से अधिक लाभार्थियों को नए राशन कार्ड देने का भी फैसला किया, जिससे वे हर महीने मुफ्त चावल सहित कई सरकारी योजनाओं के -शेष पृष्ठ दो पर

23 साहित्यकारों को शिक्षा मंत्री ने दिया साहित्यिक पेंशन

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के प्रख्यात साहित्यकार स्वर्गीय होमेन बरगोहाईं की 91वीं जयंती के अवसर पर राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रोनोज पेगू ने बुधवार को श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित एक समारोह में असम सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से राज्य के साहित्य जगत में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 23 साहित्यकारों को साहित्यिक पेंशन मंजूरी के पत्र प्रदान किए। समारोह में मंत्री पेगू ने प्रसिद्ध साहित्यकार के योगदान को याद किया और उनका उल्लेख किया कि यदि आप किताबें नहीं पढ़ते हैं तो एक अच्छा लेखक बनना मुश्किल है। क्योंकि, जितना अधिक हम किताबें पढ़ेंगे, उतना -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

संसद को संविधान का अधिकार प्राप्त : रास सभापति

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि लोकतंत्र में संसद की संप्रभुता को पवित्र है। संसद को विधिवत प्रक्रिया अपनाकर संविधान के किसी भी प्रावधान में नई बातें जोड़ने, उनमें बदलाव करने या संविधान के किसी भी प्रावधान को रद्द करके संशोधन करने का बिना शर्त अधिकार प्राप्त है। उप राष्ट्रपति और उच्च सदन के सभापति का दायित्व संभालने के बाद आज संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन धनखड़ ने पहली बार राज्यसभा के सत्र की अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित विभिन्न दलों के नेताओं द्वारा उनके स्वागत में दिए गए भाषणों के बाद धनखड़ ने उच्च सदन में अपने पहले ही संबोधन में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन संबंधी 99 वें संविधान संशोधन को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ सात वर्ष तक संसद में चर्चा न होना खेदजनक है। राज्यसभा सभापति ने उम्मीद जताई कि जनादेश का प्रतिनिधित्व करने वाले संसद के दोनों सदन मिलकर इसका रास्ता निकालेंगे।

महाराष्ट्र रोडवेज ने कर्नाटक जाने वाली बसें बंद कीं

मुंबई। कर्नाटक व महाराष्ट्र के बीच सीमा विवाद गहरा रहा है। इसे लेकर पुलिस ने अलर्ट जारी किया है। इसे देखते हुए महाराष्ट्र सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) ने कर्नाटक के लिए बसों का संचालन रोक दिया है। कर्नाटक में बसों पर हमले के खतरे की आशंका के कारण बुधवार को पुलिस ने अलर्ट जारी किया। इसके बाद एमएसआरटीसी ने कर्नाटक जाने वाली अपनी बसों का संचालन स्थगित करने का फैसला किया। सीमा विवाद को लेकर बुधवार को कर्नाटक के बेलगावी में उग्र प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान महाराष्ट्र की बसों व ट्रकों पर पथराव की घटना सामने आई थी। महाराष्ट्र पुलिस द्वारा जारी अलर्ट में कहा गया है कि दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद को लेकर जारी आंदोलन के दौरान बसों पर हमले किए जा सकते हैं। एमएसआरटीसी ने कहा कि इस अलर्ट के आधार पर आगामी आदेश पर कर्नाटक जाने वाली रोडवेज बसों का संचालन रोका गया ह। पुलिस द्वारा बसों और यात्रियों की सुरक्षा की मंजूरी मिलने के बाद सेवाएं बहाल की जाएंगी। इससे पहले बेलगावी में ट्रकों व बसों पर पथराव के बाद महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि वे सीमा विवाद मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात करेंगे। फडणवीस ने यह भी कहा था कि उनकी कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई से बात हुई है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि शरद पवार साहेब को कर्नाटक जाने की जरूरत न पड़े। उन्होंने दोनों राज्यों की जनता से भी अपील की कि वह शांति कायम रखे और कानून व्यवस्था अपने हाथ में न ले। फडणवीस ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

121 करोड़ से ज्यादा का मेफेड्रोन जब्त

अहमदाबाद। गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने वडोदरा शहर में एक केमिस्ट के घर से 121.40 करोड़ रुपए का 24.28 किलोग्राम मेफेड्रोन ड्रग बरामद किया है। बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इससे पहले वड़ोदरा शहर के बाहरी इलाके में एक निर्माण इकाई से 478 करोड़ रुपए मूल्य के मेफेड्रोन और इसके कच्चे माल की जब्ती हुई थी। इसके कुछ दिनों बाद मंगलवार को यह बड़ी बरामदगी हुई। ड्रग को एटीएस ने शैलेश कटारिया के आवास से जब्त किया -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

लोस में हंगामे के बीच बहुराज्यीय सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक पेश

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन बुधवार को लोकसभा में विपक्षी सदस्यों के विरोध और हंगामें के बीच सहकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने बहुराज्यीय सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक, 2022 सदन में पेश किया। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने विधेयक का पुरजोर विरोध करते हुए कहा कि यह राज्यों का विषय है और केंद्र सरकार इस विधेयक के जरिए राज्यों के मामलों में हस्तक्षेप करना चाहती है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को तैयार करते वक्त राज्यों से विमर्श नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विधेयक को लाने से पहले राज्यों को विश्वास में लिया जाना चाहिए था। चौधरी ने यह आरोप लगाया कि इस विधेयक को लाकर केंद्र राज्यों के सहकारिता से जुड़े अधिकारों में हस्तक्षेप करना चाहता है। आरएसपी केके प्रेमचंद्रन ने भी इस विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक पूरी तरह -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात, हिमाचल के नतीजे आज

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा, पांच राज्यों की 6 विधानसभा सीटों और उत्तर प्रदेश की एक लोकसभा सीट पर कल होने वाली मतगणना से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे और अरुण गोयल ने बुधवार को 116 मतगणना केंद्रों से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की। आयोग की ओर से समय-समय पर जारी मानक प्रक्रिया के तहत कल इन स्थानों पर मतगणना होगी। -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्ष, राज्यों और मीडिया को कुचला नहीं जा सकता : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संसद में अपने बहुमत का उपयोग *जबरन* विधेयक पारित कराने में कर रही है। साथ ही तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने संसदीय लोकतंत्र के भविष्य को लेकर भी चिंता जताई। अपनी पार्टी के सांसदों के साथ रणनीतिक बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि कम से कम 16 विधेयक ऐसे हैं जो राज्यों के मामलों में हस्तक्षेप करने वाले हैं और संसद के शीतकालीन -शेष पृष्ठ दो पर

एससी का मोबाइल ऐप 2.0 लॉन्च

नई दिल्ली (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट के मोबाइल ऐप्लिकेशन का नया एंड्रायड वर्जन 2.0 बुधवार को लॉन्च किया गया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने बताया कि इस ऐप को गूगल प्ले से डाउनलोड किया जा सकता है। चीफ जस्टिस के मुताबिक इस ऐप्लिकेशन का आईओएस वर्जन अगले हफ्ते आएगा। इस ऐप्लिकेशन के जरिये सरकारी विभागों के विधि अधिकारी और वकील अपने लंबित मामलों को ट्रैक कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें लॉगिन करना होगा।

सुप्रभात
अपने स्थान पर बने रहने से ही मनुष्य पूजा जाता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

संसद की स्थायी समितियों से विपक्ष बेदखल : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने संसद की स्थायी समितियों के अध्यक्ष बदले जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि विपक्ष को बेदखल कर गलत परंपरा शुरू की जा रही है। लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को शीतकालीन सत्र के पहले दिन कहा कि पुरानी परंपरा को खत्म करते हुए विपक्ष से संसद की विभिन्न स्थायी समितियों के अध्यक्ष पद छीने जा रहे हैं। चौधरी ने इस मुद्दे पर लोकसभा अध्यक्ष से जानना चाहा कि विपक्ष के साथ ऐसा क्यों किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

आतंक के खिलाफ भारत में जीरो टॉलरेंस की नीति

नई दिल्ली। आज से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। इस सत्र में कुल 17 कार्य दिवस होंगे। सत्र के दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में जम्मू कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में बताया। इस दैरान उन्होंने जम्मू में सरकार द्वारा लोगों की रक्षा के लिए उठाए गए कदमों के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही आतंकी घटनाओं में स्थानीय निवासियों की मौत के बारे में भी नित्यानंद राय ने राज्यसभा में जानकारी दी। एक लिखित प्रश्न का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि कश्मीर में काम करने वाले आठ पत्रकारों को आतंकवादियों से ऑनलाइन धमकी मिली। जिसके कारण उनमें से चार ने कथित तौर पर अपनी नौकरी से इस्तीफा भी दे दिया। इसे लेकर श्रीनगर के शेरगारी थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि जैसा कि जानकारी मिली है कि श्रीनगर स्थित स्थानीय समाचार पत्रों के लिए काम करने वाले आठ पत्रकारों को आतंकी ब्लॉग *कश्मीर फाइट* के माध्यम से धमकी मिली थी। जिसके बाद चार मीडियाकर्मियों ने कथित तौर पर इस्तीफा भी दे दिया है। जिन मीडियाकर्मियों ने इस्तीफा दिया है, वे *राइजिंग कश्मीर* मीडिया हाउस के हैं। लिखित प्रश्न का जवाब देते हुए नित्यानंद राय ने कहा कि सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है और जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने लोगों के जीवन की रक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। पुलिस, सेना, अर्धसैनिक बल और खुफिया एजेंसियां जम्मू और कश्मीर में किसी भी हमले को विफल करने के लिए तैनात रहती हैं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आगे कहा कि नवंबर 2022 तक जम्मू-कश्मीर में 123 -शेष पृष्ठ दो पर

वैश्विक मुद्दों पर जी-20 देशों के बीच सहमति बनाने का प्रयास करेंगे : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत अपनी अध्यक्षता के दौरान वैश्विक दक्षिण क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के साथ ही कई वैश्विक मुद्दों पर जी-20 देशों के बीच आम सहमति बनाने का प्रयास करेगा क्योंकि यह बैठक *भू-राजनीतिक संकट, खाद्य और ऊर्जा असुरक्षा और टिकाऊ विकास लक्ष्य की गति* के व्यापक संदर्भ में आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत इस अवसर का उपयोग देश के थ्री डी यानी डेमोक्रेसी, डेवलपमेंट और डायवर्सिटी (लोकतंत्र, विकास और विविधता) को रेखांकित करने के लिए करेगा। जयशंकर ने राज्यसभा में *भारत की विदेश* -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAIL

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सामाजिक परिवर्तन के एजेंट हैं लोक सेवक : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोक सेवकों को गरीब से गरीब व्यक्ति के हितों को ध्यान में रखने की सलाह दी और कहा कि लोक सेवक सामाजिक परिवर्तन के एजेंट हैं। भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय डाक सेवा, भारतीय रेलवे लेखा सेवा और भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी प्रशिक्षुओं और भारतीय रेडियो नियामक सेवा के अधिकारियों ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें सर्वोच्च जिम्मेदारी वाले पदों के लिए चुना गया है। शासन प्रणाली को राष्ट्रीय महत्व की नीतियों को लागू करने और लोगों के भविष्य को आकार देने की उनकी क्षमताओं पर बहुत भरोसा है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी संबंधित सेवाओं में निर्णय लेते समय नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण का पालन करें। उन्होंने उन्हें अपने लक्ष्यों और कार्यों के बारे में जागरूक रहने की सलाह दी। उन्हें अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को राष्ट्र के व्यापक लक्ष्यों के साथ संरेखित करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि यह तकनीक का युग है। प्रशासन और शासन के क्षेत्र में नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। शासन को अधिक से अधिक प्रभावी, त्वरित, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें याद रखना चाहिए कि उनकी दोहरी भूमिका करदाताओं द्वारा कर कानूनों के अनुपालन को सुगम बनाना और कर चोरी के खिलाफ समग्र विश्वसनीय निवारण में योगदान देना है। करदाताओं के साथ संचार को अधिक सम्मानजनक बनाया जाना चाहिए और व्यवस्था को स्वैच्छिक अनुपालन की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की फेसलेस असेसमेंट स्कीम का उद्देश्य शासन में अधिक पारदर्शिता लाना है। उन्होंने उन्हें नए फेसलेस माहौल से खुद को परिचित कराने की सलाह दी। भारतीय रेडियो नियामक सेवा के कार्यों के बारे में बोलते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि यह सेवा बहुत महत्वपूर्ण है और हाल के वर्षों में इसे और अधिक महत्व मिला है। स्पेक्ट्रम लाइसेंस का आवंटन, स्पेक्ट्रम नीलामी का आयोजन और आवश्यक मंजूरी प्रदान करना इस सेवा की कुछ प्रमुख जिम्मेदारियां हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल वातावरण में, दूरसंचार नेटवर्क के विस्तार और डेटा सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए स्पेक्ट्रम तक पर्याप्त पहुंच आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय रेडियो नियामक सेवा के अधिकारी प्रासंगिक नीतियां बनाने और लागू करने के लिए नए विचार और तकनीक लाएंगे। राष्ट्रपति ने अधिकारियों को गरीब से गरीब व्यक्ति के हितों को ध्यान में रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि चूंकि लोक नीति सामाजिक न्याय का एक उपकरण है, लोक सेवक सामाजिक परिवर्तन के एजेंट हैं। उन्होंने सार्वजनिक सेवा को अपने करियर के रूप में चुना है; इसलिए हमेशा याद रखें कि वे यहां देश की सेवा करने के लिए हैं।

कोकराझाड़ में सीआरपीएफ के 129वें बटा. ने मनाया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के भोटगांव में स्थित सीआरपीएफ की 129वीं बटालियन द्वारा बुधवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बटालियन के कमांडेंट गुलाब सिंह के द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करते हुए सशस्त्र सेना झंडा दिवस के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि देश के लिए अपनी जान न्योछावर करने वाले वीर शहीदों के सम्मान में 07 दिसंबर, 1949 से प्रतिवर्ष सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष लगभग 60 हजार रक्षा कर्मी अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, इसलिए इन पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की देखभाल करना एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि संपूर्ण भारतवर्ष में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस दिन सेना, नौसेना और वायु सेना के जवानों द्वारा दी गई सेवाओं को याद किया जाता है। इसी क्रम में भारतीय सेना के त्याग, बलिदान तथा शौर्य एवं कर्तव्य परायणता का वर्णन कर विषम परिस्थितियों में राष्ट्र की एकता एवं अखण्डता की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन धारण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के अतिरिक्त उप कमांडेंट रवि मिश्रा, अधिनस्थ अधिकारी एवं बहादुर जवान उपस्थित थे।

गांजा समेत महिला तस्कर गिरफ्तार

उदालगुड़ी (हि.स.)। उदालगुड़ी जिला के माजबाट पुलिस ने एक महिला को भारी मात्रा में गांजा समेत गिरफ्तार किया है। माजबाट थाना प्रभारी राजीव गोहाई के नेतृत्व में बुधवार को चलाए गए अभियान के दौरान माजबाट से कोकराझाड़ जा रही बस में सवार एक महिला के बैग से 10 किग्रा से अधिक गांजा बरामद किया गया। गांजा बरामद किए जाने के बाद महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार महिला की पहचान माजबाट थाना क्षेत्र के आदर्श बहादुर गांव की सोनाक्षी बसुमतारी के रूप में की गई है।

पुलिस के हत्थे चढ़े दो चोर

बरपेटा (हि.स.)। बरपेटा जिला की पाठशाला पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि सोने-चांदी के आभूषण, टीवी और दोपहिया वाहन सहित कई बर्तन चोरों के पास से बरामद किए गए हैं। दोनों चोरों की पहचान दिलीप बिश्वास और शंकर दास के रूप में की गयी है।

गुवाहाटी हवाई अड्डे पर अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस मना

गुवाहाटी (विभास)। अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस 1994 से हर साल 7 दिसंबर को दुनिया भर में विकास में विमानन क्षेत्र के महत्व को पहचानने के लिए संयुक्त राष्ट्र के आयोजन के रूप में मनाया जाता है। गुवाहाटी इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर में आज अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। उत्सव का उद्देश्य आधुनिक जीवन के लगभग सभी पहलुओं में विमानन क्षेत्र के प्रभाव को स्वीकार करना था। एविएशन सेक्टर की वजह से आज दुनिया के किसी भी कोने में चंद घंटों में जाने की ताकत मिल गई है। इसने दुनिया को बहुत छोटा स्थान बना दिया है और इस प्रकार लगभग सभी अन्य क्षेत्रों में वृद्धि और विकास को प्रोत्साहित किया है। इस अवसर पर हवाईअड्डा प्राधिकरण ने राज्य के कामरूप जिले के अज़रा में स्थित चंद्र प्रवा गर्ल्स हाई स्कूल के छात्रों के एक समूह को उनके शिक्षकों धर्मकांत दास और घनकहाटा तालुकदार के साथ आमंत्रित किया। मेहमानों को हवाई अड्डे के परिसर में एक वाकथ्रू मिला क्योंकि उन्हें दिखाया गया था कि कैसे एयरलाइंस और विभिन्न हितधारक सभी सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए सहयोग करते हैं। दौरे के बाद, हवाई अड्डे के परिसर में एक ज्ञान-साझाकरण सत्र आयोजित किया गया। मुख्य हवाईअड्डा अधिकारी उत्पल बरुआ ने उड्डयन, विमानों, नौकरियों और हवाईअड्डा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने इस क्षेत्र में अपने वर्षों के अनुभव के आधार पर अपने अनुभव और उपाख्यानों को भी साझा किया। गुवाहाटी हवाईअड्डे पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के प्रमुख लालमोहन ठाकुर भी गुवाहाटी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड के कई अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम के लिए उपस्थित थे। संगठन की प्रवक्ता रूमा देवी ने गुवाहाटी हवाई अड्डे पर अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस समारोह का समन्वय किया।

कावेरी अस्पताल ने दुर्लभ डबल एंटी-बॉडी पॉजिटिव किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया

गुवाहाटी (विभास)। कावेरी अस्पताल चेन्नई, तमिलनाडु में एक प्रमुख मल्टीस्पेशलिटी हेल्थकेयर चेन, ने डबल एंटीबॉडी पॉजिटिव किडनी प्रत्यारोपण की सफलता की घोषणा की। इस मध्यम आयु वर्ग के रोगी ने एंटीबॉडी को नष्ट करने वाले दो ऊतक होने के बावजूद सफल गुर्दा प्रत्यारोपण प्राप्त किया- पहला दाता रक्त समूह एंटीजन के खिलाफ और दूसरा दाता के ऊतक एंटीजन के खिलाफ। 51 साल की उम्र के मरीज ने 16 साल पहले चेन्नई के एक निजी अस्पताल में दो साल पहले हुए साइटोमेगालोवायरस संक्रमण (एक वायरल संक्रमण) के साथ प्रत्यारोपित किडनी के खराब कामकाज के साथ कावेरी अस्पताल में संपर्क किया था। कावेरी अस्पताल के प्रमुख नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. आर बालासुब्रमण्यम के नेतृत्व में चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम ने गहन मूल्यांकन के बाद निष्कर्ष निकाला कि दूसरा गुर्दा प्रत्यारोपण करना ही उनके जीवन को बचाने का एकमात्र तरीका था। आगे के मूल्यांकनों पर और अधिक जटिलताएँ सामने आईं, जहाँ उनके पिछले गुर्दा प्रत्यारोपण के कारण एंटीबॉडी की उच्च संख्या पाई गई। चूंकि उसकी पत्नी एकमात्र उपलब्ध दाता निकली, इस प्रकार एक और जटिलता उत्पन्न हुई क्योंकि दाता और प्राप्तकर्ता दोनों के रक्त समूह अलग- अलग थे। विपरीत रक्त समूह के एंटीजन के खिलाफ एंटीबॉडी होना किसी के लिए भी सामान्य है। इसलिए उसके पास पत्नी के एचएलए प्रतिजनों के साथ-साथ उसके रक्त समूह के प्रति भी प्रतिरक्षी थे। आदर्श रूप से, एक किडनी प्रत्यारोपण के लिए रक्त समूहों का मिलान करना आवश्यक होता है, क्योंकि एक व्यक्ति के पास दूसरे रक्त समूह के प्रति एंटीबॉडी होते हैं। यदि अलग-अलग रक्त समूहों के साथ एक प्रत्यारोपण किया जाता है, तो रोगी के रक्त में मौजूद एंटीबॉडी दाता रक्त समूह, कोशिकाओं और गुर्दे सहित कोशिकाओं में एंटीजन के खिलाफ प्रतिक्रिया करेंगे। उत्तेजित होने वाले एंटीबॉडी प्रत्यारोपण के समय अंग को अस्वीकार कर देते हैं जिससे तत्काल विफलता हो जाती है। उसी तरह एचएलए एंटीजन के प्रति एंटीबॉडी समान प्रकार की अस्वीकृति का कारण बन सकते हैं। सीएमवी संक्रमण के अलावा, व्यक्ति का पिछले एक साल से टीबी का भी इलाज चल रहा था। इन दोनों संक्रमणों ने उस दवा की दक्षता को कम करने का खतरा पैदा किया जो मरीज के सिस्टम में एंटीबॉडी को कम करने के लिए दी गई थी। एक सामान्य प्रत्यारोपण के मामले में, प्रतिरक्षा प्रणाली को दबाने के लिए दवाएं प्रक्रिया से 24 घंटे पहले दी जाती हैं, हालांकि इस मामले में दवाएं 2 सप्ताह पहले दी गई थीं। उपचार में एंटीबॉडी को कम करने वाली दवाएं देना और प्लास्मफेरेसिस करना शामिल है, एक प्रक्रिया जिसमें रक्त या प्लाज्मा के तरल हिस्से को एंटीबॉडी को हटाने के लिए रक्त कोशिकाओं से अलग किया जाता है और इसे एक ऐसे प्लाज्मा से बदल दिया जाता है जिसमें एंटीबॉडी नहीं होते हैं। ये दवाएं असंगत रक्त समूह और एचएलए एंटीजन के खिलाफ एंटीबॉडी को नीचे लाने में सहायक थीं। सामान्य रूप से प्रक्रिया के बाद अंग के कार्य के साथ गुर्दा प्रत्यारोपण सफल रहा। कावेरी अस्पताल चेन्नई के सह-संस्थापक और कार्यकारी निदेशक, डॉ. अरविंदन सेल्वराज ने प्रत्यारोपण की सफलता पर बोलते हुए कहा कि किसी व्यक्ति के लिए दो अलग-अलग घटकों के खिलाफ एंटीबॉडी होना बहुत दुर्लभ है, एक एचएलए के लिए, दूसरा रक्त समूह के लिए और दूसरा रक्त समूह के लिए प्रत्यारोपण करना, ऐसे उदाहरण बहुत चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

पृष्ठ एक का शेष

एमसीडी चुनाव : झाड़ू ...

क्षेत्र के 4 वार्डों में से 2 भाजपा और एक पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। बता दें कि दिल्ली नगर निगम पर पिछले 15 साल से भाजपा का कब्जा रहा है। नए परिसीमन के बाद दिल्ली नगर निगम का ये पहला चुनाव है। इससे पहले राजधानी का नगर निगम 3 इससे पहले राजधानी का नगर निगम 3 हिस्सों में बंटा हुआ था।

केजरीवाल ने मांगा...

पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के साथ-साथ केंद्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद मांगा। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने बुधवार को यहां भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाने के लिए देश में सकारात्मक राजनीति की वकालत की। यहां दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित आप के मुख्यालय में पार्टी की जीत के बाद अपने संबोधन में केजरीवाल ने कहा कि हम सभी को दिल्ली की हालत सुधारनी है और मुझे भाजपा और कांग्रेस सहित सभी के सहयोग की आवश्यकता है।

पूर्व रक्षा-कर्मियों को...

पात्र बन गए। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस कदम से राज्य की 126 विधानसभा सीटों में से प्रत्येक में लगभग 30,000 और व्यक्तियों (या प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 6,000 परिवारों) को राशन कार्ड मिलेंगे। राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में उम्मीदवारों को देने वाले दो वैकल्पिक पेपरों को समाप्त करने और इसे सभी आवेदकों के लिए समान अवसर बनाने का भी फैसला लिया गया। असम सरकार ने बुधवार को पूर्व रक्षा कर्मियों के लिए ग्रेड 1 और ग्रेड 2 श्रेणियों में दो फीसदी सरकारी नौकरियों को आरक्षित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा ने गुवाहाटी में आयोजित कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि हम चाहते हैं कि मेजर, कर्नल और अन्य रैंक के रूप में सेवानिवृत्त होने वाले रक्षा कर्मियों को असम सरकार की सेवा में शामिल किया जाए, ताकि कर्मचारियों के बीच एक नई कार्य संस्कृति विकसित हो। सरानिया पहाड़ी पर महात्मा गांधी की स्मृति में बने एक लोकप्रिय लैंडमार्क ऐतिहासिक गांधी मंडप में आयोजित बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण फैसले भी लिए गए। कैबिनेट ने राज्य भर में 40 लाख से अधिक लाभार्थियों को नए राशन कार्ड देने का भी फैसला किया, जिससे वे हर महीने मुफ्त चावल सहित कई सरकारी योजनाओं के पात्र बन गए। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस कदम से राज्य की 126 विधानसभा सीटों में से प्रत्येक में लगभग 30,000 और व्यक्तियों (या प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 6,000 परिवारों) को राशन कार्ड मिलेंगे। राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में उम्मीदवारों को देने वाले दो वैकल्पिक पेपरों को समाप्त करने और इसे सभी आवेदकों के लिए समान अवसर बनाने का भी फैसला लिया गया।

23 साहित्यकारों को...

ही हमारा ज्ञान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि हमें वर्तमान समय में साहित्य को बढ़ावा देने के लिए किताबें पढ़ने का एक अभियान चलाना होगा। इसके लिए विशेष रूप से, हमें युवा पीढ़ी को किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने उल्लेख किया कि यात्रा करने से विभिन्न स्थानों के साथ-साथ अलग-अलग लोगों के साथ मुलाकात होती है। यह विशेष रूप से लेखकों को अपने साहित्यिक लेखन के लिए जानकारी इकट्ठा करने की अनुमति देता है। उन्होंने हमारी विभिन्न बोली जाने वाली भाषाओं में साहित्यिक चर्चा शुरू करने के लिए सभी आदिवासी साहित्यिक बैठकों का उल्लेख किया। मंत्री ने कहा कि अगर हमें विश्व साहित्य का निर्माण करना है, तो हमें विश्व साहित्य के बारे में अध्ययन करना होगा। वर्ष 2022 के साहित्यिक पेंशनर पाने वालों में प्रमुख रूप से तरुण बर्मन (कामरूप मेट्रो), आनंदराम उवारी (बाक्सा), अशोक कुमार वर्मा (कछार), रतीश दास (होजाई), शैलेंद्र कुमार भट्टाचार्य (कामरूप मेट्रो), रत्नेश्वर नार्जारी (कार्बी आंग्लांग), मनोमती कुर्मी (शोणितपुर), परन कुमार बरुवा (नगांव), डॉ. परन कुमार बरुवा (नगांव), श्रुति कुमार सिंह (होजाई), डॉ. बसंत कुमार शर्मा (बजाली), बिदेश्वर दलै (धेमाजी), डॉ. भारती दत्त (डिब्रूगढ़), प्रकाश चंद्र राभा (ग्वालपाड़ा), निजरा बोरठाकुर (गोलाघाट), देवप्रसाद तालुकदार (कामरूप मेट्रो), डॉ जयंत कुमार गोस्वामी (कामरूप मेट्रो), डॉ. मलया खाउंड (कामरूप मेट्रो), धीरेंद्र तालुकदार (बजाली), बिपुल चंद्र भट्टाचार्य (नगांव), शिशिर सेनगुप्ता (कामरूप मेट्रो), पारी रंगपी (कार्बी आंग्लांग), रफीकुल हुसैन (गोलाघाट) और अच्युतानंद देव गोस्वामी (गोलाघाट) शामिल हैं। इस अवसर पर प्रख्यात लेखक फणींद्र कुमार देब चौधरी ने कहा कि इस साहित्यिक पेंशन ने साहित्यकारों को उनकी साहित्यिक रचनाओं के लिए सम्मान और पहचान प्रदान किया है। आज के कार्यक्रम में असम सरकार के शिक्षा विभाग के सलाहकार डॉ. नानी गोपाल महंत, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव नारायण कोंवर, स्वर्गीय होमेन बरगोहाई के पुत्र धर्मकांत मिली, प्रदीप्ता बरगोहाई, वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र नाथ चक्रवर्ती और विभिन्न साहित्य सभाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

महाराष्ट्र रोडवेज ने ...

महाराष्ट्र कानून व्यवस्था के लिए पहचाना जाता है। मैं राज्य के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे सीमावर्ती इलाकों में शांति कायम रखें। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की। उन्हें पिछले एक सप्ताह में कर्नाटक के साथ हुए सीमा विवाद से जुड़े घटनाक्रम की जानकारी दी। शाह ने दशकों पुराने सीमा विवाद पर महाराष्ट्र के रुख पर उपमुख्यमंत्री की राय धैर्यपूर्वक सुनी। पिछले कुछ दिनों में सीमा विवाद बढ़ने के कारण दोनों राज्यों के सीमावर्ती इलाकों में तनाव पैदा हो गया है। इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने भी मंगलवार को फोन पर इस मुद्दे पर चर्चा की। दोनों सीएम ने इस बात पर सहमति जताई कि शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए। बता दें, महाराष्ट्र कर्नाटक सीमा विवाद सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ताजा विवाद कर्नाटक के 850 गांवों में रहने वाले मराठी भाषियों के लिए महाराष्ट्र सरकार के प्रस्तावित पैकेज से पैदा हुआ है। इस पैकेज व सीमा विवाद पर बात करने के लिए महाराष्ट्र के दो मंत्री चंद्रकांत पाटिल व शंभुराज देसाई मंगलवार को बेलगावी जाने वाले थे। इससे कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते कर्नाटक सरकार के आग्रह पर उन्होंने यह यात्रा स्थगित कर दी है। कर्नाटक के सीएम ने शांति बनाए रखने की अपील के साथ कहा है कि राज्य के लोगों के हितों की रक्षा की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट व केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से पक्ष रखा जाएगा। दो राज्यों के बीच सीमा मुद्दे पर जारी विरोध के बीच सोलापुर में स्थानीय संगठनों के लोगों ने कर्नाटक की एक बस पर काला पेंट छिड़का। इस दौरान मुख्यमंत्री बोम्मई का भी विरोध किया गया।

121 करोड़ से ज्यादा ...

गया, जो वडोदरा जिले के सिंधरोत गांव में एक कारखाने में 29 नवंबर की रात छापे के दौरान पांच व्यक्तियों में शामिल था। अधिकारियों ने कहा कि पेशे से केमिस्ट कटारिया ने पुलिस को बताया कि उसके पास वडोदरा शहर में अपने आवास पर एमडी ड्रग्स का एक बड़ा जखीरा है, जिसे उसने सिंधरोत स्थित कारखाने में तैयार किया था और वह बड़े ड्रग कारोबारियों का है जो उसके पास रखा है।

लोस में हंगामे के बीच ...

से नियमों के विरूद्ध है। इसे पहले स्थायी समिति को भेजा जाना चाहिए। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने विधेयक का विरोध करते हुए इसे असंवैधानिक और सहकारी समितियों के विरुद्ध बताया। केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने विधेयक को समय की जरूरत बताते हुए विपक्ष के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक किसी भी तरह से राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप नही करता है। बावजूद, विपक्षी सदस्यों का विरोध जारी रहा। बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने बहुमत के आधार पर सदन में विधेयक को पुरस्थापित कर दिया।

गुजरात, हिमाचल ...

गुजरात और हिमाचल प्रदेश की कुल 250 विधानसभा सीटों, उड़ीसा, राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश की कुल 6 विधानसभा सीटों और लोकसभा की एक सीट पर मतगणना सुबह 8:00 बजे से शुरू होगी। सबसे पहले मतपत्रों की गिनती होगी और उसके बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के नतीजों को जोड़ा जाएगा।

विपक्ष, राज्यों और ...

सत्र में विचार तथा पारित कराने के लक्ष्य से उन्हें सूचीबद्ध किया गया है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आपने देखा है कि अगर विपक्ष आवाज उठाता है तो, बहुमत के कारण सत्तापक्ष बिना किसी मतदान के विधेयक पारित करवा लेता है। वे स्थाई समितियों या प्रवर समितियों की रिपोर्ट को भी स्वीकार नहीं करते हैं। हमें डर है कि क्या हमारा संसदीय लोकतंत्र अपनी प्रतिष्ठाता और सम्मान को बनाए रख सकेगा, जोकि आजतक सुरक्षित रही है। बनर्जी ने कहा कि लोकतंत्र में विभिन्न राजनीतिक पार्टियां, कई विचारधाराएं होती हैं लेकिन संसदीय बहुमत हमेशा विजयी रहता है। उन्होंने कहा कि लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप विपक्ष की आवाज, राज्यों और मीडिया को दबा देंगे। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी पूरे दमखम से उनका सामना करेगी और अत्याचारों के खिलाफ लड़ने के लिए अन्य विपक्षी दलों के साथ सहयोग करेगी। बनर्जी ने सोमवार को जी20 की तैयारियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में हिस्सा लिया और मंगलवार को वह अपने भतीजे व पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के साथ अजमेर शरीफ दरगाह गयीं। संसद का शीतकालीन सत्र बुधवार से शुरू हुआ है और 29 दिसंबर तक चलेगा। सत्र में 23 दिनों में 17 बैठकें होने की संभावना है।

वैश्विक मुद्दों पर जी-20...

नीति में नवीनतम घटनाक्रमों विषय पर एक बयान देते हुए कहा कि हम जी-20 की अध्यक्षता को दुनिया के सामने भारत को प्रदर्शित करने के अवसर के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत न केवल इसमें भाग लेगा, बल्कि इस अवसर का *जश्न* भी मनाएगा। भारत ने एक दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता औपचारिक रूप से संभाली। उन्होंने कहा कि सरकार जी-20 के सभी सदस्यों से भारत की अध्यक्षता में होने वाले इस आयोजन की सफलता के लिए समर्थन और सहयोग भी मांग रही है। उन्होंने कहा कि जी-20 बैठकों का आयोजन भारत की मेजबानी में होने वाले शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में से एक होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि जी-20 से जुड़ी बैठकें भारत में पहले ही शुरू हो चुकी हैं और देश भर में विभिन्न स्थानों पर 32 विभिन्न क्षेत्रों की ऐसी 200 बैठकों का आयोजन किया जाएगा। जयशंकर ने कहा कि जी-20 की बैठक भू-राजनीतिक संकट, खाद्य और ऊर्जा असुरक्षा और टिकाऊ विकास लक्ष्य की गति और कर्ज के बढते बोझ के व्यापक संदर्भ में आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास जी-20 के भीतर आम सहमति बनाना और विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के मुद्दों को आकार देना और साथ ही इस एजेंडे को आगे बढ़ाना है। ज्ञात हो कि वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) का आशय अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, कैरिबियाई क्षेत्र, प्रशांत द्वीप एवं एशिया के विकासशील देशों से हैं जो दक्षिणी गोलार्द्ध पर स्थित हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि भारत को *आजादी के अमृत महोत्सव* में जी-20 की अध्यक्षता मिलना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। हाल ही में इंडोनेशिया के बाली में संपन्न जी-20 की बैठक में भारत ने पूरा समर्थन व सहयोग सुनिश्चित किया था। जयशंकर ने कहा कि ध्रुवीकरण वाले माहौल में सदस्यों के बीच एक साझा आधार खोजने में भारत के योगदान की व्यापक रूप से सराहना की गई। उन्होंने कहा कि चूंकि हम जिम्मेदारी (जी-20 की अध्यक्षता) संभाल रहे हैं, इसलिए यह भारत की अध्यक्षता की सफलता के लिए सभी जी 20 सदस्यों का समर्थन और सहयोग मांगने का भी समय है। जी-20 के सदस्यों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, कोरिया गणराज्य, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं। जी-20 समूह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 85 प्रतिशत, विश्वव्यापी व्यापार के 75 प्रतिशत और वैश्विक आबादी के दो तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। इसके अलावा, उन्होंने उच्च सदन में यह भी बताया कि भारत ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी को अगले साल गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि जहां तक गणतंत्र दिवस समारोह का सवाल है, हमने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है और उन्होंने विनम्रतापूर्वक निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि काशी को 2022-23 के लिए पहली एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) सांस्कृतिक और पर्यटन राजधानी के रूप में नामित किया गया है।

आतंक के खिलाफ ...

आतंकवादी घटनाएं हुईं। इनमें सुरक्षा बलों के 31जवानों ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाई, जबकि 31 नागरिकों ने भी अपनी जान गंवाई। वहीं इस साल (नवंबर 2022 तक) सुरक्षाकर्मियों के साथ हुई मुठभेड़ में जम्मू-कश्मीर में 180 आतंकवादी मारे गए हैं। वहीं, जनवरी, 2022 से 30 नवंबर, 2022 तक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में तीन कश्मीरी पंडितों सहित अल्पसंख्यकों के 14 लोग मारे गए हैं। इस दौरान नित्यानंद राय ने कश्मीरी प्रवासियों के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विकास पैकेज, 2015 के तहत कश्मीरी प्रवासियों के लिए 3,000 सरकारी नौकरियां सृजित की गई हैं, जिनमें से 2,639 को पिछले पांच वर्षों में नियुक्त किया गया है। इस दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बीते पांच सालों में देश में सांप्रदायिक हिंसा के मामलों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में 2017 से 2021 के बीच सांप्रदायिक या धार्मिक दंगों के 2,900 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 2021 में सांप्रदायिक या धार्मिक दंगों के कुल 378 मामले दर्ज किए गए। इसी तरह 2020 में 857, 2019 में 438, 2018 में 512 और 2017 में 723 मामले दर्ज किए गए थे।

संसद की स्थायी ...

विपक्ष को जो अधिकार और सुविधाएं मिलनी चाहिए वह नहीं मिल रही हैं। चौधरी ने मामले पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से गौर करने का अनुरोध किया। उन्होंने बिरला से अपील करते हुए कहा कि इस मामले में आप बहुत कुछ कर सकते हैं, लेकिन परंपराओं को खत्म किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस मुद्दे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन से सवाल पूछा कि क्या अध्यक्ष पर आक्षेप किया जाता है? उन्होंने चौधरी से सवाल पूछा कि ऐसा करके क्या आपने परंपरा का उल्लंघन नहीं किया है? बिरला ने कहा कि सदन की समितियों के बारे में अध्यक्ष को अधिकार मिले हैं। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने अध्यक्ष के अधिकारों को चुनौती दी है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

सुख का सागर पास है, हे मतिमन्द गँवार।
खोजो सद्गुरु शरण में, मीले खुलत दुवार॥ 29॥

शब्दार्थ : (मतिमन्द) मन्द बुद्धि (गँवार) अज्ञानी, जड़-बुद्धि (दुवार) द्वार, जाने का रास्ता।

भाष्य : हे मन्द बुद्धि वाले अज्ञानी जीवो! सुख का सागर तुम्हारे पास ही है। तुम सद्गुरु-शरण में जाकर उनकी दया-दृष्टि एवं योग-युक्ति से उस अमृतसागर को खोजो। सद्गुरु-प्रकाश मिल जाने पर उसका द्वार खुल जाता है और वह अमृत सागर प्राप्त हो जाता है।

मंगलमय सत्य सुखद है, आनन्द परमानन्द।
दुखद कभी आवे नहीं, सब दिन पूरणानन्द॥ 30॥

शब्दार्थ : (सुखद) सुखदायी (दुखद) दुःखदायी।

भाष्य : वह पूर्ण परमानंद मंगलमय, सुखदायी है, वह कभी दुःखदायी नहीं होता, सब दिन एक समान पूर्णानंद रहता है।

बस दुर्घटनाग्रस्त : एक की मौत, चार घायल

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत बोको के लामपाड़ा इलाके में बुधवार को तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा को ठोकर मारते हुए सड़क के किनारे स्थित दो दुकानों से जा टकराई। जिसकी वजह से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गया, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार बस (एएस-01एलसी-4046) अनियंत्रित होकर बुधवार को पहले ई-रिक्शा को ठोकर मारने के बाद सड़क के किनारे दो दुकान में जा घुसी। हादसे की वजह से बस में सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृत व्यक्ति की पहचान डॉ. अंजन ज्योति बोरा के रूप में की गई है। मृतक नगरबेरा के बीपी चालिहा महाविद्यालय के प्रवक्ता बताए गए हैं। राजनीतिक विभाग के शिक्षक डॉ. अंजन ज्योति बोरा की मौत के अलावा बस में सवार चार अन्य यात्री भी गंभीर रूप से घायल हो गए। तीन घायलों को इलाज के लिए बामुनीगांव आदर्श चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। वहीं एक व्यक्ति को बोको प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। चश्मदीदों ने बताया कि बस द्वारा एक कंटेनर को ओवरटेक करने की वजह से यह घटना घटी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

राजभवन में मनाया गया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

राज्यपाल ने सशस्त्र बलों के सर्वोच्च बलिदान को किया याद

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में राजभवन में बुधवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी शामिल रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस समारोह हमारी मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त करने का एक अवसर है। मैं अपने सशस्त्र बलों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम अपने युद्ध नायकों, युद्ध में विकलांग, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण और भलाई के लिए हर संभव प्रयास करुंगा। राज्यपाल ने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमें हमारी एकजुटता व्यक्त करने और सैनिकों, नाविकों और वायुसैनिकों के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करने और उनके कल्याण के लिए धन जुटाने का अवसर देता है। पूर्व सैनिकों का स्वागत करते हुए युद्ध विधवाओं का राज्यपाल प्रो. मुखी ने आभार व्यक्त किया और देश की रक्षा को मजबूत करने में उनके योगदान के बारे में बताया। राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न युद्धों के दौरान, उग्रवाद को नियंत्रित करने और सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने के दौरान हमारे सशस्त्र बलों की वीरतापूर्ण उपलब्धियां सराहनीय हैं। युद्धों के दौरान या उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई के दौरान हमारे कई सशस्त्र बल या तो अपनी जान गंवा देते हैं या घायल हो जाते हैं। परिवार को जिस तरह से जूझना पड़ता है वह वाकई दिल को दहला देने वाला है। विकलांग सैनिक भी मायूस हैं। हमारे सशस्त्र बलों के जवानों की अदम्य वीरता को स्वीकार करते हुए, हम एक कृतज्ञ समाज के रूप में शहीदों, विकलांगों और उनके आश्रितों के पुनर्वास के लिए कदम उठाना अपना कर्तव्य समझते हैं। राज्यपाल ने इस बात पर भी संतोष व्यक्त किया कि कल्याणकारी उपाय के रूप में पूर्व सैनिकों के 2942 से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई और पूर्व सैनिकों की 123 से अधिक लड़कियों को विवाह अनुदान प्रदान किया गया। लगभग 2281 पूर्व सैनिकों और विधवाओं को दिन-प्रतिदिन के घरेलू कार्यों के लिए कल्याणकारी वस्तुएं दी गईं। इसके अलावा, सरकार ने संपत्ति कर में 100 प्रतिशत छूट के लिए गजट अधिसूचना जारी की है, मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या तीन से बढ़ाकर नौ और डेंटल कॉलेजों में तीन कर दी है। राज्यपाल ने असम के पूर्व सैनिकों, युद्ध विधवाओं, विकलांग सैनिकों और शहीदों के आश्रितों के कल्याण, भलाई और पुनर्वास की देखभाल के लिए सैनिक कल्याण निदेशालय, असम की सराहना की। निदेशालय 19 जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों के साथ सभी पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए लगातार संपर्क में है। इसके अलावा, राज्यपाल ने राज्य के प्रत्येक नागरिक से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारता से योगदान देने और सशस्त्र बलों के सम्मान के प्रतीक के रूप में बैज पहनने का भी आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि 1949 से हर साल 7 दिसंबर को पूरे देश में सशस्त्र सेना झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य शहीदों और वर्दीधारी का सम्मान करना है, जिन्होंने न केवल देश के सम्मान और सुरक्षा के लिए बहादुरी से लड़ाई लड़ी, बल्कि देश की रक्षा के लिए अपना जीवन मातृभूमि के लिए न्योछावर कर दिया। समारोह अवसर पर कार्यवाहक निदेशक, सैनिक कल्याण निदेशालय, ग्रूप कैप्टन केसी कलिता (सेवानिवृत्त), वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और वरिष्ठ सशस्त्र बल कर्मी, युद्ध विकलांग, युद्ध विधवाएं, पूर्व रक्षा सेवा अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

असम सहकारी एपेक्स बैंक के 75वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा ने असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड के अधिकारियों से संस्था के बारे में बेहतर धारणा बनाने के लिए काम करने और इसकी विकास क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्पित प्रयास करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने बुधवार को गुवाहाटी स्थित पीडब्ल्यूडी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में बैंक के 75वें स्थापना दिवस पर यह आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै की दूरदर्शिता से प्रेरित होकर असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक 20 अक्टूबर, 1948 को अस्तित्व में आया। 2008 से बैंक के साथ अपने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष जुड़ाव को रेखांकित करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि एक समय था जब कई यूनियनों की उपस्थिति से बैंक का कामकाज और विकास पंगु हो गया था। उन्होंने कहा कि व्यवसाय और विकास में धारणा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संघ की बहुत अधिक सक्रियता एक बैंकिंग संस्थान की संभावनाओं को बाधित करती है, क्योंकि इससे ग्राहक अपनी बचत की सुरक्षा के बारे में आशंकित हो जाते हैं। उन्होंने नई पहल बीकासर बाबे एटा पोखेक (विकास के लिए एक पखवाड़ा) का उल्लेख किया, जिसके तहत विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं को शुरू किया जा रहा है या लोगों की सेवा के लिए पहले चरण में 15 हजार करोड़ रूपये समर्पित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल आज संभव हो पाई है, क्योंकि पूरे देश में धीरे-धीरे असम के बारे में सकारात्मक धारणा बन रही है और निवेशक राज्य को निवेश के लिए सुरक्षित और उपयुक्त मानते हैं। उन्होंने बैंक अधिकारियों से अगले 25 वर्षों के दौरान प्राप्त करने के लिए नए लक्ष्य निर्धारित करने का आग्रह किया। उन्होंने बैंक में संघवाद को समाप्त करने का आह्वान किया और कहा कि एक संघ हो सकता है लेकिन उसे बैंक के हित के लिए हानिकारक किसी भी कदाचार की जांच के लिए एक प्रहरी के रूप में कार्य करना चाहिए। उन्होंने बैंक अधिकारियों से आने वाले वर्षों में राष्ट्रीयकृत बैंक का दर्जा हासिल करने के लिए फोकस्ड तरीके से काम करने का भी आग्रह किया। बैंक की सात दशक लंबी यात्रा में ग्राहकों की समृद्ध विरासत पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने वफादार ग्राहकों का एक डेटाबेस विकसित करने और धोखाधड़ी करने वाले तत्वों से निपटने के लिए एक कानूनी टीम बनाए रखने का सुझाव दिया।

तालाब में डूबने से एक की मौत

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के बोको थाना क्षेत्र के जालुकबाड़ी इलाके में स्थित एक तालाब से एक व्यक्ति का शव बरामद किए जाने के चलते इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि बुधवार को तालाब में एक व्यक्ति का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम मृत व्यक्ति के शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भेज दिया है। मृत व्यक्ति की पहचान जयंत बोड़ो के रूप में की गई है। मृत व्यक्ति के पास में ही स्थित एक तालाब का पानी निकल रहा था। पानी निकालने के दौरान वह पास के अन्य एक तालाब में नहाने गया था। इसी दौरान वह तालाब में डूब गया, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कैंसर जागरूकता शिविर का किया आयोजन

गुवाहाटी (हि.स.)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी ने सशस्त्र सीमा बल संदीक्षा के तत्वावधान में बुधवार को गुवाहाटी के खेल गांव में डॉ. भुवनेश्वर बरूवा कैंसर संस्थान (बीबीसीआई) के सहयोग से स्तन, ग्रीवा और तंबाकू कैंसर के लिए एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस जागरूकता शिविर में लगभग 120 महिलायें सम्मिलित हुईं। सीमांत मुख्यालय एसएसबी की उप महानिरीक्षक (चिकित्सा) डॉ. सलिंदर कौर ने इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया। उन्होंने बताया कि कैंसर भारत में सबसे खतरनाक बीमारी है और मूल स्तर पर इस बीमारी से निपटने की आवश्यकता है। उन्होंने महिलाओं में होने वाले सामान्य कैंसर को रोकने के तरीकों के बारे में भी बताया। संदीक्षा अध्यक्ष हरप्रीत शर्मा ने सभी महिलाओं की जागरूकता के लिये इस शिविर का आयोजन करने हेतु डीआईजी (मेडिकल) और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की। बीबीसीआई गुवाहाटी के चिकित्सा अधिकारियों की टीम ने सभी महिलाओं की जांच की और तदनुसार उन्हें आवश्यक परामर्श और मार्गदर्शन दिया। उल्लेखनीय है कि यह कैंसर जागरूकता शिविर भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में आयोजित किया गया। यह परियोजना उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में महिलाओं के बीच सामान्य कैंसर को नियंत्रित करने के लिए कार्यक्रम भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वाधान में टाटा मेमोरियल सेंटर, सेंटर फॉर कैंसर एपिडेमियोलॉजी के द्वारा आयोजित किया गया था।

एसएसबी का एसी-रेफ्रीजिरेटर रिपेयरिंग प्रशिक्षण शिविर

रंगिया (निस)। के मोरानजना स्थित शसस्त्र सीमा बल की 24 वीं वाहिनी के सौजन्य से सीमावर्ती इलाके में रहने वाले युवाओं को एसी एवं रेफ्रीजिरेटर के 30 दिवसीय मरम्मत प्रशिक्षण देने हेतु आज दिनांक 07/10/22 को तामुलपुर स्थित कावली, दुर्गा मंदिर प्रांगण में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिसका उद्घाटन वाहिनी के उप-कमांडेंट विश्व नाथ मिश्र ने किया। वाहिनी के कमांडेंट दीपक सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में कुल 10 युवाओं को प्रशिक्षण दीये जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। इसके उद्घाटन के मौके पर वाहिनी के अन्य अधीनस्थ अधिकारी, गांव प्रधान, करियर इंफो, तामुलपुर के एमडी अमर सिंह ब्रह्मा एवं प्रशिक्षक विद्युत बोडो सहित सभी 10 प्रशिक्षु उपस्थित थे। बताया गया है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 08/12/22 से 30 दिनों के लिए चलाया जाएगा।

गेट अस्पताल में पत्रकारों को हेल्थ कार्ड वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के प्रमुख निजी क्षेत्र के अस्पताल गुवाहाटी गेट अस्पताल में आयोजित एक विशेष बैठक में पत्रकारों के लिए हेल्थ कार्ड प्रदान किया गया। इसके लिए गेट अस्पताल की ओर से गेट हॉस्पिटल जन कल्याण समिति का गठन किया गया। इस समिति का मुख्य उद्देश्य गीतनानगर के मठघरिया क्षेत्र के साथ-साथ इसके आसपास के क्षेत्र में गेट अस्पतालों के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और विकास कार्य प्रदान करना होगा। गेट अस्पताल के मुख्य प्रबंध निदेशक डॉ. बेदब्रत पाठक की पहल पर समिति का गठन किया गया है। गेट अस्पताल के आस-पास के क्षेत्रों में लोगों को मुफ्त एंबुलेंस सेवा, मुफ्त ओपीडी सेवा प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर असम के पत्रकारों के लिए एक विशेष पत्रकार स्वास्थ्य कार्ड वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। पूरे असम में पत्रकार स्वास्थ्य कार्ड चरणबद्ध तरीके से जारी किए जाएंगे। बैठक में गेट अस्पताल के मुख्य प्रबंध निदेशक डॉ. बेदब्रत पाठक, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मृदुल महंत, गेट अस्पताल के निदेशक डॉ. बनानी चौधरी, डॉ. उत्तम चौधरी, अधीक्षक डॉ. रंजन दास, जनकलयन समिति के अध्यक्ष प्रफुल्ल रॉय सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नगांव में भी बदरूद्दीन अजमल के बयान की आलोचना

नगांव (निसं)। एआईयूडीएफ सुप्रीमो बदरुद्दीन अजमल की विवादास्पद बयान का असर नगांव में भी देखने को मिल रहा है। मौलाना अजमल की बयान को लेकर राजनीतिक सरगर्मिया जहां तेज है, वहीं शिक्षित समाज में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। शिक्षित समाज ने मौलाना अजमल को मानसिकता बिगड़ने की बात कहते हुए कहा है कि मौलाना बदरुद्दीन अजमल अल्पसंख्यक समुदाय का मन जीतने के लिए विवादास्पद बयान देकर चर्चा में रहे और अब उनके विरोध आवाए लगने के बाद क्षमा मांगकर हिंदू समुदाय के मन को जितने का काम करने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर भोला इंसान दिखाने का नाटक कर रहे हैं,जिसे शिक्षित समाज मौलाना अजमल की बयान को गंभीरता से लेते हुए इस प्रकार के बयान बाजी को देश के अखंडता पर सवाल उठाया है। वहीं जागरूक मुस्लिम समाज भी मौलाना अजमल के बयान पर कठोर शब्दों में आलोचना करते हुए कहा है कि मौलाना की दिमागी हालत लड़खड़ाने के कारण अब गलत बयानबाजी पर उतर आए हैं। जागरूक लोगों ने भी मौलाना अजमल को हिंदू विरोधी नेता करार देते हुए कहा है कि मौलाना अजमल की कुटनीतिज्ञ चाल असम के हित में नहीं है। क्योंकि वे संप्रदायिक बयानबाजी के जरिए राज्य में संप्रदायिक माहौल को बिगाड़ने की फिराक में हैं। जागरूक लोगों का कहना है कि राज्य सरकार को मौलाना बदरुद्दीन अजमल के खिलाफ कठोर कारवाई करनी चाहिए, जिससे भाजपा का चेहरा साफ तौर पर सामने आए। जागरूक लोगों ने इस संवाद के माध्यम से मौलाना बदरुद्दीन अजमल को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है। बुद्धिजीवी लोगों ने कहा है कि एआईयूडीएफ के सरताज मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने हिंदू की मान-सम्मान और अस्तीत्व पर ठेस पहुंचाने का काम किया है।

रेलवे ने ट्रेनों की देरी से चलने की समस्या से निपटने के लिए उठाए कई कदम

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय रेलवे ने सर्दी के मौसम में ट्रेनों के परिचालन के लिए सुरक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए देश के उत्तरी और पूर्वी भागों के हिस्से में कोहरे के दौरान ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने को लेकर कई कदम उठाए हैं। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बुधवार को एक बयान में बताया कि यह निर्णय लिया गया है कि रेल इंजनों में कोहरे के उपकरणों के उपयोग के साथ कोहरे, खराब मौसम की स्थिति के दौरान अधिकतम अनुमेय गति को 60 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 75 किमी प्रति घंटे किया जा सकता है। कोहरे के दौरान कोहरे से प्रभावित क्षेत्रों में चलने वाले सभी रेल इंजनों के लोको पायलटों को सुरक्षा के विश्वसनीय उपकरण प्रदान किए जाएंगे। लोको पायलटों को सतर्क करने के लिए डेटोनेटर लगाना सुनिश्चित किया जाएगा। डेटोनेटिंग सिग्नल, जिन्हें डेटोनेटर या फॉग सिग्नल के रूप में जाना जाता है, ऐसे उपकरण हैं जो रेल पटरियों पर लगाए जाते हैं और जब कोई इंजन उनके ऊपर से गुजरता है, तो वे एक तेज आवाज के साथ विस्फोट करते हैं, ताकि चालक का ध्यान आकर्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि साइटिंग बोर्ड पर ट्रैक के आर-पार लाइम मार्किंग की जा रही है। सभी सिग्नल साइटिंग बोर्ड्स, व्हीसिल बोर्ड्स, फॉग सिग्नल पोस्ट्स और व्यस्त संवेदनशील समपार फाटक, जो दुर्घटना संभावित हैं, को पेंट किया जा रहा है और पीले/काले रंग की चमकदार पट्टियां प्रदान की जा रही हैं। कोहरे के मौसम की शुरूआत से पहले उनकी उचित दृश्यता के लिए फिर से रंगाई का काम पूरा किया जाएगा। व्यस्त लेवल क्रॉसिंग पर लिफ्टिंग बैरियर, जहां आवश्यक हो, पीले/काले चमकदार संकेत पट्टियों के साथ प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नए मौजूदा सीटिंग कम लगेज रेक (एसएलआर) में पहले से ही एलईडी आधारित फ्लैशर टेल लाइट लगाई जा रही है, इसलिए फिक्स्ड रेड लाइट वाले मौजूदा एसएलआर को संशोधित किया जा रहा है और एलईडी लाइटों के साथ फिक्स किया जा रहा है। कोहरे के मौसम में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रयास होगा। स्टॉप सिग्नल की पहचान के लिए सिग्मा आकार में रेट्रो रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप लगायी जा रही है। सड़क पर बढ़े हुए घंटों को देखते हुए, रेलवे नए/अतिरिक्त चालक दल बदलने वाले स्थानों पर बुनियादी ढांचे का निर्माण कर सकता है। कोहरे की अवधि के दौरान लोको/क्रू/रेक लिंक की समीक्षा की जाती है। स्टेशनरी ड्यूटी पर तैनात सभी चालक दल (लोको पायलट/सहायक लोको पायलट और गार्ड) को विशेष रूप से कोहरे के दौरान ट्रेन चलाने के लिए किया जाएगा। कोहरा मौसम के दौरान लोको पायलटों को सभी प्रकार की सावधानियों का पालन करने का निर्देश दिया जाता है। कोहरे के दौरान, जब लोको पायलट अपने फैसले में महसूस करता है कि कोहरे के कारण दृश्यता प्रतिबंधित है, तो वह उस गति से ट्रेन चलायेगा, जिस पर वह ट्रेन को नियंत्रित कर सकता है, ताकि किसी भी बाधा से निपटने के लिए तैयार रहे; ऐसी किसी भी स्थिति में यह गति 75 किमी प्रति घंटे से अधिक नहीं होनी चाहिए। लेवल क्रॉसिंग पर गेटमैन और सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी देने के लिए लोको पायलटों को बार-बार सीटी बजानी चाहिए।

लायंस गुवाहाटी ग्रेटर ने करवाया जरूरतमंदों की आंखों का ऑपरेशन

गुवाहाटी (निसं)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर ने दृष्टि कार्यक्रम के अंतर्गत गत अक्टूबर एवं नवंबर माह में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किए थे, उनमें कई जरूरतमंदों की आंखों में कैटरेक्ट की समस्या पाई गई थी। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर की अध्यक्ष बेला नाऊका द्वारा दृष्टिदान कार्यक्रम के अंतर्गत एक अभियान चलाकर इन मरीजों की सुविधा को घ्यान में रखते हुए मुफ्त नि:शुल्क ऑपरेशन करवाएं। कल 6 दिसंबर को रूपा गग्गड के संयोजन में शंकरदेव नेत्रालय में 20 मरीजों का ऑपरेशन करवाया गया। इससे पूर्व क्लब के वरिष्ठ सदस्य कमल जैन के अथक प्रयासों से विजन हॉस्पिटल आठगांव में गत दिनों मे अब तक 60 अन्य मरीजों का भी सफलतापूर्वक ऑपरेशन करवाया जा चुका है इस शिविर में क्लब के अन्य सदस्यों के अलावा क्लब की कोषाध्यक्ष अपर्णा अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल और महेश हेड़ा का विशेष योगदान रहा। इस सेवा कार्य के लिए क्लब के सदस्यों द्वारा मुक्तहस्त से आर्थिक सहयोग की सराहना करते हुए क्लब की अध्यक्ष बेला नाउका ने सभी दानदाता सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी रतन खाखोलिया ने बताया कि अब तक क्लब की अध्यक्ष बेला नाउका की अध्यक्षता मे कुल 150 लोगों का ऑपरेशन करवाया जा चुका है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा।

थलसेना के उप प्रमुख मलेशियाई सैन्य अधिकारियों से मिलकर उत्कृष्ट रक्षा सहयोग आगे बढ़ाएंगे

- संयुक्त 'अभ्यास हरिमऊ शक्ति' की विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों का गवाह बनेंगे
- थलसेना उप प्रमुख की यात्रा दोनों सेनाओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करेगी

नई दिल्ली, (हि.स.)। थलसेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू तीन दिवसीय मलेशिया यात्रा पर रवाना हुए हैं। इस यात्रा के दौरान वह मलेशिया के वरिष्ठ सैन्य एवं नागरिक नेतृत्व के साथ कई बैठकें करके भारत और मलेशिया के बीच उत्कृष्ट रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाएंगे। वह मलेशिया में भारतीय सेना के साथ चल रहे संयुक्त 'अभ्यास हरिमऊ शक्ति' की विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों का गवाह बनेंगे और सैनिकों के साथ बातचीत करेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू 8-10 दिसंबर की यात्रा के दौरान थलसेना उप प्रमुख मलेशियाई सेना के उप प्रमुख और मलेशियाई सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ से मुलाकात करेंगे। वह इन सैन्य अधिकारियों से आपसी हित के मुद्दों पर परस्पर विचार साझा करेंगे। वह मलेशियाई इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज के सीईओ के साथ व्यापक चर्चा में भी शामिल होंगे। थलसेना उप प्रमुख 9 नवंबर को संयुक्त 'अभ्यास हरिमऊ शक्ति' की विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों का गवाह बनेंगे और सैनिकों के साथ बातचीत करेंगे। थलसेना उप प्रमुख की यह यात्रा दोनों सेनाओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करेगी और रणनीतिक मुद्दों पर दोनों देशों के बीच घनिष्ठ समन्वय एवं सहयोग के एक प्रेरक के रूप में कार्य करेगी। भारत और मलेशिया की सेनाओं के बीच 28 नवम्बर को संयुक्त सैन्य अभ्यास ह्यहरिमऊ शक्तिह्व मलेशिया के क्लांग स्थित पुलाई में शुरू हुआ था, जो 12 दिसम्बर तक चलेगा। हरिमऊ शक्ति अभ्यास भारत और मलेशियाई सेना के बीच 2012 से किया जाने वाला वार्षिक प्रशिक्षण अभ्यास है। 'हरिमऊ शक्ति अभ्यास' भारतीय सेना और मलेशियाई सेना के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाएगा और इस तरह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा मिलेगा। इस अभ्यास में भारतीय सेना की गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट और मलेशियाई सेना की रॉयल मलय रेजिमेंट भाग ले रही हैं। इस दौरान दोनों सेनाएं विभिन्न अभियानों से मिले अपने-अपने अनुभवों को एक-दूसरे के साथ साझा कर रही हैं।

आईएनएस चिल्का पर प्रशिक्षण ले रहे अग्निवीरों के पहले बैच से मिले वाइस एडमिरल

- नौसेना के पहले बैच में 3000 अग्निवीर शामिल हुए, जिसमें 341 महिलाएं
- महिला अग्निवीरों को दिए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना के कार्मिक प्रमुख (सीओपी) वाइस एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने आईएनएस चिल्का का दौरा किया। उन्होंने अग्निवीरों के पहले बैच के साथ बातचीत की। उन्होंने महिला अग्निवीरों को शामिल करने के लिए की गई पहल और उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। वाइस एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी को भारतीय नौसेना के नाविकों को प्रारंभिक प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख प्रशिक्षण प्रतिष्ठान आईएनएस चिल्का के दौरे पर अग्निवीरों के पहले बैच के प्रशिक्षण की तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। अग्निवीरों का पहला बैच नवंबर के अंत में प्रशिक्षण के लिए शामिल हुआ था। अग्निपथ स्कीम के तहत पहले बैच में 3000 अग्निवीर नौसेना में शामिल हुए हैं, जिसमें 341 महिलाएं हैं। अभी तक केवल सात से आठ ब्रांचों तक ही महिलाएं सीमित हैं लेकिन अब महिला अधिकारियों को नौसेना की सभी ब्रांचों में शामिल करने का ऐलान नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार ने नौसेना दिवस पर किया है। वाइस एडमिरल त्रिपाठी ने अग्निवीरों के साथ बातचीत भी की। इस दौरान उन्होंने अग्निवीरों को सेवा के अपने पसंदीदा विकल्प के रूप में भारतीय नौसेना को चुनने के लिए बधाई दी। उन्हें भारतीय नौसेना के मूल मूल्यों, राष्ट्र और खुद के लिए उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कर्तव्य, सम्मान, साहस के साथ अपने करियर पथ को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

सत्येन्द्र जैन की विधानसभा के तीन वार्डों में भाजपा को मिली जीत

अजय त्यागी

नई दिल्ली। आप पार्टी निगम चुनाव के दौरान दिल्ली सरकार में मंत्री सत्येंद्र जैन को लेकर लगातार निशाने पर रही है। आज दिल्ली नगर निगम के नतीजों में भी इसकी झलक दिखाई दे रही है। सत्येंद्र जैन की विधानसभा शकूर बस्ती से आम आदमी पार्टी तीन वार्डों में भाजपा से हार गई है। दिल्ली नगर निगम के नतीजों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी शकूर बस्ती में आने वाले सरस्वती विहार, पश्चिम विहार और रानी बाग वार्डों में जीती है। सरस्वती विहार से शिखा भारद्वाज, पश्चिम विहार से विनीत वोहरा और रानी बाग से ज्योति अग्रवाल ने जीत दर्ज की है। इन तीनों सीटों पर क्रमशः आम आदमी पार्टी की उर्मिला गुप्ता 3150, शालू दुग्गल 2044 और मिथिलेश पाठक 1387 मतों से हारे हैं। उल्लेखनीय है कि हवाला मामले में दिल्ली सरकार में मंत्री सत्येंद्र जैन को 30 मई को गिरफ्तार किया गया था। सत्येंद्र जैन के हाल ही में तिहाड़ जेल से जुड़े कुछ वीडियो सामने आए थे। इन्हें देखते हुए विपक्ष लगातार आम आदमी पार्टी को निशाने पर ले रहा था। इन वीडियो में जैन जेल में रहकर सुविधाओं का लाभ उठाते देखे जा सकते थे।

उद्योगपति रिजू झुनझुनवाला ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा

भीलवाड़ा, (हिस)। भीलवाड़ा के प्रमुख उद्योगपति एवं 2019 में अजमेर से लोकसभा का चुनाव लड़ चुके रिजू झुनझुनवाला ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। उद्योगपति रिजू झुनझुनवाला ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजे इस्तीफे के पत्र को अपने सोशल मीडिया पर जारी किया है। उद्योगपति रिजू झुनझुनवाला ने अपने पत्र में कहा है कि मुझे पार्टी द्वारा 2019 में अजमेर से लोकसभा चुनाव में प्रतिनिधित्व करने का एक शानदार अवसर दिया गया था। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कांग्रेस पार्टी की सेवा करने की पूरी कोशिश की लेकिन व्यर्थ। आने वाले समय में पूरे जोश के साथ राजस्थान के लोगों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, उन्होंने कहा कि वे पार्टी के माध्यम से इस मिशन के प्रति कोई मूल्य जोड़ने में असमर्थ हैं। उद्योगपति रिजू झुनझुनवाला ने अपने पत्र में कहा है कि वो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का धन्यवाद देते हैं, जो मेरे लिए एक पिता समान रहे हैं, और सचिन पायलट का, जिन्होंने मुझे समर्थन दिया और उन पर विश्वास करके यह अवसर प्रदान किया। उद्योगपति झुनझुनवाला ने कहा है कि राजस्थान का सौभाग्य है कि उसके जैसा नेता मिला। झुनझुनवाला ने बताया कि वे अपने फाउंडेशन के माध्यम से भीलवाड़ा और अजमेर के लोगों के लिए जो कुछ भी अच्छा कर सकता हैं, उसके लिए वे उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया पार्टी या विचारधारा की परवाह किए बिना किसी भी अच्छे काम के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगें।

लोकसभा ने जी-20 की अध्यक्षता मिलने पर भारत सरकार को दी बधाई

- भारत संपूर्ण विश्व में नेतृत्वकर्ता की निभाएगा भूमिका : लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जी-20 की अध्यक्षता मिलने पर भारत सरकार को बधाई देते हुए कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव काल में यह महत्वपूर्ण वैश्विक दायित्व मिलना गर्व का विषय है। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सत्र की कार्यवाही की शुरूआत में बिरला ने सदन की ओर से भारत सरकार जी-20 की अध्यक्षता मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत के जी-20 देशों के अध्यक्ष बनने पर केंद्र सरकार और देशवासियों को बधाई। उन्होंने कहा कि यह गर्व की विषय है कि वर्ष 2023 में जी-20 के राष्ट्राध्यक्षों का शिखर सम्मेलन यहां होगा। जी-20 देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारियों का भी यहां सम्मेलन आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन भारत के राजयनयिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय होगा। लोकसभा अध्यक्ष ने आगे कहा कि सम्मेलन का विषय एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य हमारी आस्था वसुधैव कुटुम्बकम के अनुरूप होगा। हम अपनी समृद्ध बहुरंगी सांस्कृतिक विरासत और जीवंत लोकतंत्र की शक्ति को विश्व के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से जी-20 तथा पी-20 शिखर सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन होगा। भारत संपूर्ण विश्व में नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभाएगा।

लोकसभा में विपक्षी हंगामें के बीच बहुराज्यीय सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक, 2022 पेश

नई दिल्ली, (हि.स.)। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन बुधवार को लोकसभा में विपक्षी सदस्यों के विरोध और हंगामें के बीच सहकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने बहुराज्यीय सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक, 2022 सदन में पेश किया। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने विधेयक का पुरजोर विरोध करते हुए कहा कि यह राज्यों का विषय है और केंद्र सरकार इस विधेयक के जरिए राज्यों के मामलों में हस्तक्षेप करना चाहती है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को तैयार करते वक्त राज्यों से विमर्श नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विधेयक को लाने से पहले राज्यों को विश्वास में लिया जाना चाहिए था। चौधरी ने यह आरोप लगाया कि इस विधेयक को लाकर केंद्र राज्यों के सहकारिता से जुड़े अधिकारों में हस्तक्षेप करना चाहता है। आरएसपी के के. प्रेमचंद्रन ने भी इस विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक पूरी तरह से नियमों के विरूद्ध है। इसे पहले स्थायी समिति को भेजा जाना चाहिए। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने विधेयक का विरोध करते हुए इसे असंवैधानिक और सहकारी समितियों के विरुद्ध बताया। केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने विधेयक को समय की जरूरत बताते हुए विपक्ष के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक किसी भी तरह से राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप नही करता है। बावजूद, विपक्षी सदस्यों का विरोध जारी रहा। बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने बहुमत के आधार पर सदन में विधेयक को पुरस्थापित कर दिया।

ममता के अजमेर और पुष्कर दौरे पर लेफ्ट का तंज : पाप धो कर आना चाहिए था

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी फिलहाल चार दिवसीय दिल्ली दौरे पर हैं। मंगलवार को समय निकालकर उन्होंने राजस्थान का एकदिवसीय दौरा किया जहां अजमेर शरीफ में उन्होंने चादर चढ़ाई और पुष्कर में जगतपिता ब्रह्मा के मंदिर में दर्शन और पूजन किया है। उनके इस आध्यात्मिक दौरे पर वाममोर्चा ने तंज कसा है। वाममोर्चा अध्यक्ष विमान बोस ने बुधवार सुबह कहा है कि ममता बनर्जी अजमेर शरीफ गईं, अच्छी बात है। उन्होंने पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर में भी पूजा पाठ की इसमें भी कोई समस्या नहीं। लेकिन नियम है कि जो लोग वहां जाते हैं वहां अपना पाप धोने के लिए सरोवर में स्नान भी करते हैं। ममता बनर्जी को भी वहां सरोवर में स्नान कर अपना पाप धो लेना चाहिए था। उल्लेखनीय है कि 24 सालों बाद ममता मंगलवार को राजस्थान पहुंची थीं। यहां अजमेर शरीफ दरगाह में जियारत करने के बाद उन्होंने मखमली चादर चढ़ाई और अकीदत के फूलों का नजराना भी पेश किया। इसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर गई थीं जहां ब्रह्मा मंदिर में पूजा पाठ कर आशीर्वाद लिया था।

राज्यसभा ने भारतीय लोकतंत्र में संवाद को किया मजबूत : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उच्च सदन ने भारतीय लोकतंत्र में संवाद को मजबूत किया है। खड़गे ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन बुधवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को बधाई देते हुए कहा कि सभापति के रूप में आप की भूमिका काफी बड़ी है। ऐसे में विपक्ष को अपने मुद्दों को उठाने के लिए उचित समय मिलना चाहिए। खड़गे ने कहा कि विपक्ष की संख्या भले ही कम है लेकिन इनके अनुभवों और विचारों में ताकत है। विपक्ष को सुना जाना चाहिए। खड़गे ने राज्यसभा अध्यक्ष से शिकायती अंदाज में कहा कि बीते कुछ वर्षों में संसद सिर्फ 60 से 70 दिन ही चल पा रही है। जबकि इससे पहले 100 दिनों तक चला करती थी। उन्होंने कहा कि संसद में चर्चा के दिनों को बढ़ाने की जरूरत है। जिससे विधेयकों पर विस्तार से चर्चा हो सके और देश को अच्छे कानून मिल सकें। खड़गे ने समूचे विपक्ष की ओर से अनुरोध करते हुए कहा कि उनकी बातों को सुना जाएगा और विधेयकों पर विस्तार से संवाद होगा। नेता प्रतिपक्ष ने सदन में धनखड़ को बधाई देते हुए एक शेर भी पढ़ा, मेरे बारे में कोई राय मत बनाना गालिब, मेरा वक़्त भी बदलेगा मेरी राय भी बदलेगी।

'आप' की नेता नहीं बल्कि जनता की जीत

नई दिल्ली, (हि.स.)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि बुधवार को कहा कि नेता नहीं बल्कि जनता जीत हुई। वह दिल्ली की जनता को बधाई देते है। आज दिल्ली में करिश्मा हुआ है, कल गुजरात में चमत्कार होगा। कल गुजरात में नई सरकार बनेगी। गुजरात के एग्जिट पोल गलत साबित हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज आप ने दिल्ली भी जीती और दिल भी जीत लिया। वहीं दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस शानदार जीत के लिए दिल्ली की जनता को बधाई। सिसोदिया ने कहा कि अब एमसीडी में भी केजरीवाल की कट्टर ईमानदार सरकार आ गई है, जो भाजपा अपने आप को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताती है, वह अब एमसीडी से भी चली गई है। अब हम सब मिलकर नई दिल्ली बनाएंगे और जनता को कूड़े से निजात दिलाएंगे। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि भाजपा वाले हमेशा कहते हैं कि केजरीवाल सिर्फ कांग्रेस को हराती है। आज केजरीवाल ने भाजपा को हरा दिया। गोपाल राय ने कहा कि भ्रष्टाचार का एक ही काल है केजरीवाल। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने आज इतिहास रच दिया है। भाजपा की सभी साजिशों को दिल्लीवालों ने नाकाम करने का काम किया है। वहीं राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के कूड़े पर आज दिल्ली की जनता ने झाड़ू चलाने का काम किया है। उन्होंन कहा है वह आप सभी को दिल की गहराईयों से धन्यवाद देता हूं। भाजपा देश की सबसे बड़ी बेशर्म पार्टी है। भाजपा कह रही है कि मेयर हमारा होगा। अब भाजपा किसी घमंड में न रहे। सिंह ने कहा कि इस जीत के लिए दिल्ली की जनता को बधाई। दिल्ली की जनता ने पूरे देश को संदेश दिया है कि उनके बेटे अरविंद केजरीवाल का उत्पीड़न करोगे और उनके खिलाफ फर्जी मुकदमे लिखोंगे, तो हम आपको वोट से जवाब देंगे। संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली की जनता ने बता दिया कि आप कट्टर ईमानदार पार्टी है। एमसीडी चुनाव नतीजों के बाद आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा है, "भाजपा को दिल्ली की जनता से करारा जवाब मिला है। जनता ने उसी को वोट दिया है जो विकास के लिए काम करेगा। आज दिल्ली ने उस कीचड़ का सफाया कर दिया है, जिसे भाजपा ने अरविंद केजरीवाल पर फेंकने की कोशिश की थी। हम दिल्ली को दुनिया के सबसे खूबसूरत शहर में बदल देंगे।"

अब सारे देश की नजर गुजरात और हिमाचल प्रदेश पर, मतगणना आज

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली नगर निगम चुनाव के नतीजे आने के बाद अब सारे देश की निगाह गुजरात और हिमाचल प्रदेश पर टिक गई है। ईवीएम में बंद यहां की जनता का फैसला गुरुवार को चुनाव आयोग सुनाएगा। गुजरात, हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव और देश की एक लोकसभा सीट के अलावा पांच राज्यों की छह विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के मतों की गिनती सुबह 8:00 बजे शुरू होगी। मतगणना केंद्रों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये गए हैं। चुनाव आयोग ने कहा है कि कुछ जगह पहले डाक मतपत्रों की गिनती होगी। इसके बाद ईवीएम खुलेंगी। सुबह 09:00 बजे तक पहला रुझान आने की संभावना है और दोपहर तक गुजरात और हिमाचल प्रदेश की राजनीतिक तस्वीर स्पष्ट हो जाएगी। गुजरात में विधानसभा की कुल 182 सीटें हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा छूने के लिए 92 सीटों की जरूरत होती है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में गुजरात में भाजपा की प्रचंड जीत का अनुमान लगाया गया है। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा की 68 सीटें हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 35 है। अभी यहां भाजपा की सरकार है। एग्जिट पोल में यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर बताई गई है। गुजरात और हिमाचल प्रदेश के साथ ही एक लोकसभा उपचुनाव और पांच राज्यों की छह विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे भी गुरुवार को आएंगे।

इनमें से उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट और आजमगढ़ विधानसभा सीट पर सारे देश की नजर रहेगी। इसके अलावा उत्तर प्रदेश की खतौली विधानसभा सीट, ओडिशा की पदमपुर, राजस्थान की सरदारशहर, बिहार की कुरहानी और छत्तीसगढ़ की भानुप्रतापपुर विधानसभा सीट का परिणाम भी घोषित होगा। आयोग ने सुचारू और शांतिपूर्ण मतगणना के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। गुजरात में 182 विधानसभा सीटों के लिए 37 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। अहमदाबाद जिले में सर्वाधिक तीन, जबकि सूरत और आणंद जिले में सबसे कम दो-दो मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। गुजरात के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी. भारती के मुताबिक इस बार ईवीएम और डाक मतपत्रों की एक साथ गिनती की जाएगी। हिमाचल प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार पहले डाक मतपत्रों की गिनती होगी। इसके बाद ईवीएम वोटों की गिनती की जाएगी। राज्य की कुल 68 विधानसभा सीटों के लिए 12 नवंबर को मतदान हुआ था। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट अक्टूबर में मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई थी। यहां समाजवादी पार्टी संरक्षक मुलायम सिंह यादव की विरासत के साथ ही साथ पार्टी का सब कुछ दांव पर लगा है। मुलायम यहां से पांच बार जीते हैं। अगर यह सीट भाजपा जीतती है, तो यह विपक्षी दल के लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि सपा अपना मजबूत गढ़ आजमगढ़ पहले ही खो चुकी है। फिलहाल यहां सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव और भाजपा के रघुराज सिंह शाक्य के बीच सीधा मुकाबला है।

दिल्ली नगर निगम में आप से चार महिला पार्षद हैं महापौर की दावेदार

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव में आप ने 134 सीटों के साथ जीत हासिल कर ली है। इसी के साथ अब नगर निगम में महापौर के लिए दौड़ शुरू हो गई है। आप पार्टी के बहुमत होने के कारण आप की महिला पार्षद मेयर बनेंगी। इस दौड़ में सारिका चौधरी, प्रोमिला गुप्ता, निर्मला देवी और रेखा त्यागी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि चूंकि इस बार महापौर का पद महिला पार्षद के लिए आरक्षित है, इसलिए महिला पार्षद ही महापौर बनेंगी। आम आदमी पार्टी में महापौर पद के लिए सबसे आगे सारिका चौधरी का नाम है। सारिका दिल्ली महिला आयोग की सदस्य थीं, उन्होंने इस पद से इस्तीफा देकर नगर निगम की दरियागंज सीट से चुनाव जीता है। वहीं, प्रोमिला गुप्ता भी महापौर के रेस में आगे हैं। गुप्ता तिमारपुर से चुनाव जीती हैं। वे दिल्ली महिला आयोग की सदस्य भी रह चुकी हैं। महापौर की रेस में निर्मला कुमारी भी हैं, वे सैनिक एंक्लेव से चुनाव जीती हैं। निर्मला देवी आप की महिला विंग की दिल्ली की संयोजक हैं। वहीं, यमुनापार के सुभाष मोहल्ला सीट से पार्षद रेखा त्यागी का नाम भी महापौर पद के लिए सामने आ रहा है। वे पिछली बार भी निगम में पार्षद थी इसलिए उनके पास अनुभव भी है।

संसद की स्थायी समितियों से विपक्ष को किया गया बेदखल : कांग्रेस

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने संसद की स्थायी समितियों के अध्यक्ष बदले जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि विपक्ष को बेदखल कर गलत परंपरा शुरू की जा रही है। लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन कहा कि पुरानी परंपरा को खत्म करते हुए विपक्ष से संसद की विभिन्न स्थायी समितियों के अध्यक्ष पद छीने जा रहे हैं। चौधरी ने इस मुद्दे पर लोकसभा अध्यक्ष से जानना चाहा कि विपक्ष के साथ ऐसा क्यों किया जा रहा है? विपक्ष को जो अधिकार और सुविधाएं मिलनी चाहिए वह नहीं मिल रही हैं। चौधरी ने मामले पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से गौर करने का अनुरोध किया। उन्होंने बिरला से अपील करते हुए कहा, इस मामले में आप बहुत कुछ कर सकते हैं, लेकिन परंपराओं को खत्म किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस मुद्दे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन से सवाल पूछा कि क्या अध्यक्ष पर आक्षेप किया जाता है? उन्होंने चौधरी से सवाल पूछा कि ऐसा करके क्या आपने परंपरा का उल्लंघन नहीं किया है? बिरला ने कहा कि सदन की समितियों के बारे में अध्यक्ष को अधिकार मिले हैं। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने अध्यक्ष के अधिकारों को चुनौती दी है।

भारत ही नहीं दुनिया के लिए मॉडल है उत्तर प्रदेश : मिलिंडा गेट्स

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर अभिभूत हुई मिलिंडा गेट्स, यूपी के ग्रोथ मॉडल को सराहा
- यूपी को स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि जैसे क्षेत्रों में लॉजिस्टिक व टेक्निकल सपोर्ट बढ़ाएगा गेट्स फाउंडेशन

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को उनके सरकारी आवास पर बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-संस्थापक मिलिंडा गेट्स ने शिष्टाचार भेंट की। उत्तर प्रदेश आगमन पर मुख्यमंत्री योगी ने मिलिंडा गेट्स एवं उनके सहयोगियों का अभिनन्दन किया। विशेष मुलाकात में मिलिंडा गेट्स ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं कृषि के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग को और बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान मिलिंडा गेट्स ने उप्र की सराहना की। मिलिंडा गेट्स ने कहा कि हाल के वर्षों में कोविड प्रबंधन और इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी पर नियंत्रण के लिए उत्तर प्रदेश ने जैसा काम किया है, वह एक अनुकरणीय मॉडल है। कोविड की चुनौतियों के बीच उत्तर प्रदेश के सघन जनसंख्या घनत्व और विविध सामाजिक चुनौतियों का सामना करना, अत्यन्त सराहनीय है। इतनी बड़ी आबादी को वैक्सीनेशन का जैसा काम हुआ, उससे दुनिया को सीखना चाहिए। अंतिम व्यक्ति को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा, वित्तीय समावेशन, पोषण, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण आदि क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश की कोशिशें प्रेरणा देने वाली हैं। उत्तर प्रदेश न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए मॉडल है। गेट्स ने कहा कि आने वाले समय में हम उत्तर प्रदेश के साथ अपने संबंधों को और बेहतर करने की मंशा रखते हैं। मिलिंडा गेट्स ने उत्तर प्रदेश में प्रभावी ढंग से लागू डिजिटल बैंकिंग सिस्टम की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास की अपार संभावनाएं हैं। विगत वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर की बेहतरी के लिए जैसा कार्य किया है, वह अभूतपूर्व है। उप्र का विकास शानदार है, उसकी दिशा सही है। इसकी जितनी सराहना की जाए, कम है। उत्तर प्रदेश में पोषण मिशन की सफलता की चर्चा करते हुए मिलिंडा गेट्स ने महिला स्वयंसेवी समूहों की भूमिका को सराहा, एफपीओ के गठन को बढ़ावा देकर किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए हो रही कोशिशों की भी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि भारत की आजादी के अमृत वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को दिसंबर 2022 से दिसंबर 2023 तक विश्व के बड़े राष्ट्रों के समूह जी-20 की अध्यक्षता करने का सुअवसर मिला है। यह कालखंड पूरी दुनिया की सुख, समृद्धि और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। गेट्स फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने हाल के वर्षों में स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में संतोषप्रद सफलता प्राप्त की है। 40 साल से मासूम बच्चों के असमय कालकवलित होने का कारण बनी रही इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी से मृत्यु को 95 प्रतिशत तक नियंत्रित कर लिया गया है। इसके साथ-साथ चिकनगुनिया, कालाजार जैसे संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए हमें फाउंडेशन ने सहयोग किया है। इंसेफेलाइटिस सहित विभिन्न जलजनित बीमारियों, कोविड प्रबंधन सहित लोक स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमें यूनिसेफ, डब्ल्यूएचओ, बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन और पाथ जैसी वैश्विक संस्थाओं से अच्छा सहयोग प्राप्त हुआ है। परस्पर सहयोग से आगे भी ऐसे प्रयास किये जाते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। कई मानकों पर तो हमारा प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। इस कार्य में भी हमें बीएमजीएफ का सहयोग मिला है। उत्तर प्रदेश में मातृ और शिशु मृत्यु दर में बड़ी गिरावट आई है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश में बच्चों के टीकाकरण के लिए मिशन इंद्रधनुष जैसे अभियान के माध्यम से टीकाकरण के लिए मिशन मोड में प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों का ही परिणाम है कि प्रदेश में हर नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कोविड काल में सरकार के प्रयासों का भी जिक्र किया और अपने अनुभव साझा किये। महिला सशक्तीकरण के लिए उप्र में जारी मिशन शक्ति के प्रयासों और परिणामों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन के तीन आयामों पर केंद्रित है। पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है। आज प्रदेश के हर ग्राम पंचायत में महिला बीट सिपाही की तैनाती की गई है। यह सुरक्षा के साथ-साथ जनजागरुकता के प्रयासों को भी बल दे रही हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट में महिला सुरक्षा को मजबूत करते हुए पैनिक बटन की व्यवस्था की गई है। प्रदेश सरकार के इस अभियान को केंद्र सरकार की सराहना भी मिली है। बैंकिंग सखी जैसी योजनाओं ने न केवल गांवों में वित्तीय समावेशन को मजबूत किया है, बल्कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी यह महत्वपूर्ण है। कुपोषण की समस्या के समाधान के लिए महिला स्वयंसेवी समूहों द्वारा कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने 10-12 फरवरी तक प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन में सहभाग करने के लिए मिलिंडा गेट्स और उनके सहयोगियों को आमंत्रण भी दिया।

तमिलनाडु के आठवें दल ने हनुमान घाट पर किया गंगा स्नान, नव उद्यमियों ने टीएफसी में किया मंथन

—तमिलनाडु से काशी पहुंचे हॉकी और फुटबॉल के खिलाड़ी, भव्य स्वागत

वाराणसी, (हि.स.)। काशी तमिल संगमम में भाग लेने आये तमिलनाडु के आठवें दल ने बुधवार सुबह हनुमान घाट पर गंगा स्नान किया। उसके उपरांत हनुमान घाट स्थित प्राचीन मंदिरों में दर्शन पूजन किया। इसके बाद हनुमान घाट स्थित तमिल महाकवि सुब्रह्मण्य भारती के आवास पर भी गये और उनके परिजनों से मिले। दोपहर में दल में शामिल उद्यमियों ने बड़ालालपुर स्थित पं. दीन दयाल उपाध्याय हस्तकला संकुल (टीएफसी)में आयोजित बैठक में शामिल हुए। बैठक में काशी और तमिलनाडु में औद्योगिक रफ्तार बढ़ाने पर मंथन हुआ। जिला प्रशासन और जिला उद्योग केंद्र की काशी तमिल व्यापार पाठशाला में काशी के उद्यमियों ने मेहमान व्यापारियों से संवाद किया। शाम को तमिलनाडु से आए उद्यमियों को सारनाथ पर्यटक क्षेत्र में भ्रमण कराया जायेगा। जहां पर वह भगवान बुद्ध से जुड़े विभिन्न मंदिरों एवं धरोहरों का दर्शन करेंगे। वहां से दल और नव उद्यमियों का समूह काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित कार्यक्रम स्थल पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होगा। काशी तमिल संगमम में चलने वाले खेल महोत्सव में भाग लेने के लिए तमिलनाडु से हॉकी और फुटबॉल की टीम वाराणसी पहुंच गई है। तमिलनाडु से खिलाड़ियों का पहला जत्था वाराणसी स्टेशन पहुंचा। जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। गुरूवार आठ दिसम्बर से बीएचयू परिसर के मैदान में 8 दिवसीय खेल महोत्सव शुरू होगा।

काशी और तमिल का संबंध हजारों वर्ष पुराना : नटराजन चंद्रशेखरन

—काशी तमिल संगमम में शामिल हुए टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन

वाराणसी, (हि.स.)। 'काशी तमिल संगमम' में भाग लेने के लिए बुधवार को देश के जाने माने उद्योगपति टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन वाराणसी पहुंचे। बीएचयू स्थित एम्फीथियेटर मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम स्थल पर बीएचयू के कुलपति पद्मश्री प्रोफेसर सुधीर कुमार जैन और अन्य विशिष्ट जनों ने उनका स्वागत किया। टाटा संस के चेयरमैन ने बीएचयू कुलपति के साथ संगमम के 75 स्टॉल और मुख्य मंच और प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि काशी और तमिल का संबंध हजारों वर्ष पुराना है। यह संगमम काशी और तमिलनाडु के लोगों को आपस में जोड़ेगा। यहां हो रहा आयोजन इस संबंध की मजबूती को दर्शा रहा है। उन्होंने कहा कि कई माध्यमों से संस्कृति, साहित्य और फूड के माध्यम से दो छोर के लोगों को मिलाने का काम संगमम में हो रहा है, यह काफी आश्चर्य वाली बात है। तमिलनाडु और वाराणसी के लोगों का एकीकरण हो रहा है। बताते चलें टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन मूल रूप से तमिलनाडु के ही निवासी है। चंद्रशेखरन टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड बोर्ड के अध्यक्ष हैं। अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में 30 साल के व्यावसायिक करियर के बाद हुई, जिसमें उन्होंने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक बनने के लिए रैंक के माध्यम से बढ़ते हुए विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। उन्हें 2016 में भारतीय रिजर्व बैंक के बोर्ड में और 2018 में सिंगापुर के आर्थिक विकास बोर्ड की अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार परिषद में निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। वह भारत यूएस-सीईओ फोरम के सह-अध्यक्ष भी हैं।

काशी के गोदौलिया चौराहे पर अभिनेता अजय देवगन ने फिल्म की शूटिंग की, प्रशंसकों की जुटी भीड़

वाराणसी, (हि.स.)। फिल्म अभिनेता अजय देवगन ने बुधवार सुबह गोदौलिया चौराहे पर अपनी अगली फिल्म 'भोला' की शूटिंग की। गोदौलिया चौराहे पर अभिनेता ने खुली जीप में बैठ कर चक्कर लगाये। लाइट, एक्शन, कैमरा, कट, ओके...की आवाज चौराहे पर गूंजती रही। इस दौरान अभिनेता को देखने के लिए चौराहे पर भारी भीड़ जुटी रही। अभिनेता ने जीप में बैठ कर ही गोदौलिया चौराहे के दो चक्कर लगाए। इसके बाद वहां एक लड़की का चालान काट रहे ट्रैफिक पुलिसकर्मी को देखा और फिर जीप में आगे बढ़ गए। इसी के साथ फिल्म का एक सीन पूरा हो गया। फिल्म की शूटिंग के दौरान जंगमबाड़ी से बांसफाटक के बीच का ट्रैफिक रोका गया था और जगह-जगह पुलिस तैनात की गई थी। सीन पूरा हो जाने के बाद अभिनेता ने चौराहे पर और आसपास कड़ी सुरक्षा के बीच देर तक चहलकदमी भी की। इस दौरान कई युवाओं ने उनके साथ सेल्फी भी ली। अजय देवगन को लेकर उनके युवा प्रशंसकों में खासा उत्साह दिखा। शूटिंग में अजय देवगन अपने दोस्तों के साथ खुली जीप में रंगबाजों वाले स्टाइल में बैठ दिखे। प्रशासनिक अफसरों के अनुसार अजय देवगन की शूटिंग टीम ने फिल्म भोला की शूटिंग के लिए बाकायदे अनुमति ली है। फिल्म की शूटिंग वाराणसी के अलग-अलग गंगा घाटों, रामनगर किला में भी होनी है। अभिनेता ने अपने टीम के साथ शूटिंग के लिए लोकेशन तय कर लिया है। अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म 'भोला' तमिल की सुपरहिट फिल्म 'कैथी' का रीमेक है। एक्शन-थ्रिलर फिल्म में अजय देवगन मुख्य अभिनेता हैं और उनके साथ अभिनेत्री तब्बू भी दिखेंगी। अजय देवगन, दृश्यम-2 की सफलता के बाद 15 दिन में तीसरी बार काशी में स्पॉट किए गए। बीते 4 नवंबर को श्री काशी विश्वनाथ धाम में अजय देवगन ने अपने बेटे युग के साथ पूजा-अर्चना की थी। इससे पहले 25 नवंबर को भी उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई थी।

एक अभियान खत्म होते ही शुरू हो जाता है दूसरा, नगरों की स्वच्छता पर जोर

लखनऊ, (हि.स.)। एक अभियान खत्म नहीं हुआ कि दूसरा शुरू हो जाता है। लक्ष्य एक है नगरों को स्वच्छ बनाना। अभी पहले स्वच्छता पखवाड़ा चला, इसके बाद कूड़ों के ढेर को हटाने का अभियान चला। इसके तुरंत बाद अब नगर सुशोभन अभियान शुरू हो गया। इसके परिणाम भी सामने आने लगे। अभी बुधवार को कई नगरों से आये फोटो बता रहे हैं कि जहां पर पहले कूड़ों का ढेर हुआ करता था, आज वहां स्वच्छता के साथ ही फूल लगा दिये गये हैं। शाहजहांपुर का रामनगर कालोनी में पहले कूड़े का ढेर हुआ करता था। अब वहां पर उसे हटाकर पार्क का रूप दे दिया गया है। कानपुर के स्वराजनगर के शाहपुर में भी लगे कूड़े के ढेर को हटाकर उसे सजा दिया गया है। यह एकमात्र उदाहरण है। इस तरह से कई ऐसे जगह हैं, जहां पर कूड़े के ढेर की जगह पर आज पार्क या अथवा सेल्फी प्वाइंट बनाये जा रहे हैं। राज्य के नगर विकास मंत्री एके शर्मा की सफाई अभियान के बारे में अपनी सोच है। वे हर काम को अभियान से जोड़कर देखते हैं। इसके साथ ही हमेशा छोटे कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करने के लिए भी तैयार रहते हैं। आये दिन सुबह सड़कों पर निकलकर सफाई करते कर्मियों के साथ बातचीत करते। उनको सोशल मीडिया के माध्यम से धन्यवाद करते रहते हैं। नगर विकास मंत्री का कहना है कि जो भी अच्छा कर रहा हो, उसका धन्यवाद करना तो जरूरी है। इससे उत्सहवर्धन होता है। लोगों में उत्साह आता है। वे हर वक्त जनता से भी सफाई अभियान में जागरुकता लाने की अपील करते रहते हैं। वे मानते हैं कि जागरुकता के बिना सफाई अभियान अपने लक्ष्य की पूर्ति नहीं कर सकता।

छह आईपीएस अधिकारियों का स्थानांतरण, दो जिले के पुलिस कप्तान बदले

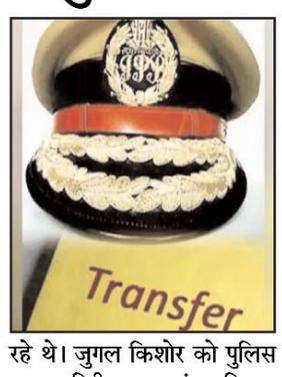

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में एक बार फिर से तबादला एक्सप्रेस चली है। शासन ने बुधवार की सुबह छह आईपीएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। इनमें दो जिलों के पुलिस कप्तान भी बदले गए हैं। पुलिस विभाग की ओर से जारी की गई सूची के मुताबिक आकाश कुलहरि को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रयागराज के पद पर नयी तैनाती मिली है। इससे पहले वे पुलिस उप महानिरीक्षक फायर सर्विस के पदभार संभाल रहे थे। जुगल किशोर को पुलिस उप महानिरीक्षक दूर संचार विभाग से हटाकर पुलिस उप महानिरीक्षक फायर सर्विस बनाया गया है। पीलीभीत में पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात दिनेश कुमार पी को पुलिस उपायुक्त/अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद, आईपीएस अतुल शर्मा एसपी चित्रकूट को पीलीभीत का नया एसपी बनाया गया है। जबकि आईपीएस वृंदा शुक्ला को चित्रकूट का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। अष्टभूजा प्रसाद सिंह को पुलिस अधीक्षक यातायात निदेशालय से हटाकर पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज के पद नवीन तैनाती मिली है।

हाई कोर्ट ने रांची नगर निगम के नक्शा पास करने पर लगी रोक को बरकरार रखा

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एस चंद्रशेखर एवं न्यायाधीश जस्टिस रत्नाकर भेंगरा की बेंच ने बुधवार को रांची नगर निगम के नक्शा पारित करने पर लगी रोक के आदेश को बरकरार रखा है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने शपथ पत्र दाखिल कर बताया कि नक्शा स्वीकृति में पैसों के खेल की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी एडीशनल सेक्रेटरी अर्बन डेवलपमेंट एंड हाउसिंग डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ झारखंड कांत किशोर मिश्रा की अध्यक्षता में बनाई गई है। कमेटी जल्द ही विभाग को रिपोर्ट देगी, जिससे कोर्ट को अवगत कराया जाएगा। राज्य सरकार ने इसके लिए कोर्ट से समय देने का आग्रह किया। इसके बाद कोर्ट ने स्वतः संज्ञान पर अगली सुनवाई के लिए 15 दिसंबर की तारीख मुकर्रर की है। उल्लेखनीय कि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा था कि क्यों नहीं आरआरडीए और रांची नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार की जांच किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी जैसे सीबीआई से कराई जाय। साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार से एक जनवरी से 30 नवंबर तक नए बिल्डिंग से संबंधित वैसे नक्शा आवेदनों के बारे में जानकारी मांगी थी, जिसे किसी आपत्ति के आधार पर आरआरडीए या नगर निगम ने वापस कर दिया गया है। इसके अलावा नक्शा से संबंधित किसी भी प्रकार के शिकायतों की सुनवाई के लिए भी एक समिति बनाने की भी बात कही थी। कोर्ट ने रांची नगर निगम से नक्शा स्वीकृति पर अगले आदेश तक के लिए रोक लगा दिया था।

गांधी विचार विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

भागलपुर, (हि.स.)। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के गांधी विचार विभाग में बुधवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसका उद्घाटन आज विश्वविद्यालय के अधिकारियों और गांधी विचार विभाग के विभागाध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित कर किया। समकालीन भारत और गांधी के मार्ग विषयक आयोजित संगोष्ठी में आज के भारत में किस प्रकार की चुनौतियां हैं और गांधी के मार्ग पर चलकर इसका किस प्रकार से निदान किया जा सकता है, विषय पर चर्चा की गई। संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से विद्वान इस विषय पर चर्चा करने के लिए पहुंचे हुए हैं। वहीं 70 से ज्यादा आलेख भी आए हैं। जिन्हें शोधार्थी छात्र पढ़ेंगे। कल पद्मश्री डॉ रामजी सिंह को सम्मानित भी किया जाएगा। संगोष्ठी के दौरान काफी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद हैं।

बढ़ती छिनतई की घटना से प्रशासन नींद से जागा, एसडीपीओ के नेतृत्व में चेकिंग अभियान शुरू

किशनगंज, (हि.स.)। जिले में बढ़ती छिनतई की घटना के बाद बुधवार की सुबह 10 बजे से ही पुलिस ने शहर में चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है।चेकिंग एसडीपीओ अनवर जावेद अंसारी के नेतृत्व में डेमार्केट से शुरू की गई। चौक चौराहों से गुजरने वाले बाइक चालकों के कागजातों की जांच की जा रही है। गांधी चौक में सदर थानाध्यक्ष अपने दल बल के साथ मौजूद थे। चेकिंग के दौरान बाइक की डिक्की की भी जांच की जा रही थी। किसी को भी नहीं बख्सा जा रहा था। सुबह सुबह बाइक चेकिंग से हड़कंप मचा रहा। शहर में लगातार बाइक सवार बदमाश छिनतई की घटना को अंजाम दे रहे है। जिस कारण आम लोगों में दहशत देखी जा रही है। पुलिस भी कार्रवाई में जुटी है, लेकिन सफलता नहीं मिल पा रही है। पिछले सोमवार को एक महिला के साथ छिनतई की घटना घटी लेकिन अपराधी असफल रहे।दूसरे ही दिन बाइक सवार अपराधी एक दम्पति से नगदी से भरा बैग लेकर भागने में सफल रहा। घटना मंगलवार दोपहर बाद करीब तीन बजे की है। जब महिला अपने पति के साथ बैंक से नगद लेकर अपने घर जा रही थी। 01 दिसंबर को हलीम चौक के समीप बंधन बैंक से निकासी कर लौट रही दिलावरगंज निवासी महिला तारा देवी से बाइक सवार बदमाशों ने 40 हजार छीन लिया।

साल का आखिरी विवाह मुहूर्त 15 को, 16 दिसंबर से शुरू होगा खरमास

रांची, (हि.स.)। साल का आखिरी विवाह मुहूर्त 15 दिसम्बर को रहेगा। फिर 16 दिसंबर को सूर्य देव धनु राशि में प्रवेश करेंगे और इसी के साथ धनुर्मास शुरू हो जाएगा। इसे खरमास भी कहा जाता है। ज्योतिष ग्रंथों के मुताबिक इस दौरान मांगलिक काम नहीं किए जा सकते। इसके बाद विवाह के लिए सीधे अगले साल जनवरी 2023 में मुहूर्त मिलेगा। साथ ही दिसम्बर में विशेष पर्व, व्रत के साथ ही कई शुभ योग और महापुरुषों की जयंती सहित कई आयोजन खास हैं। नौ दिसम्बर से पौष माह की शुरूआत होगी। इस महीने प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि, एकादशी, रुक्मिणी अष्टमी और क्रिसमस हैं। इस महीने दस सर्वार्थसिद्धि योग और 11 शुभ तिथियां हैं। इनमें वाहन, संपत्ति, आभूषण की खरीदारी की जा सकती है। 11 दिसंबर को शाम 6.43 से 12 दिसंबर को रात 9.21 बजे तक रवि-सोम पुष्य का संयोग रहेगा। 12 दिसम्बर को एक साथ यायीजय योग सर्वार्थ सिद्धयोग, 13 को सर्वार्थ सिद्ध योग और रवियोग बन रहा है। पाठक ने बताया कि 16 दिसम्बर को रुक्मिणी अष्टमी के दिनकृष्ण, रुक्मिणी और प्रद्युम्न का पूजन करें और भोग लगाएं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो जातक इस दिन व्रत रखता है, सौभाग्यवती महिलाओं को भोजन कराकर वस्त्र दान करता है, मान्यता है कि इससे रुक्मिणी प्रसन्न होती हैं और घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

दहेज प्रताड़ना और अपहरण कर यौन शोषण करने का आरोपी हाजत से फरार

मोतिहारी, (हि.स.)। जिले के कल्याणपुर थाना के हाजत से कई गंभीर मामलो में गिरफ्तार आरोपी हाजत का खिड़की तोड़कर फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की रात मे पुलिस उसे गिरफ्तार करके लाई थी, लेकिन मंगलवार की सुबह वह हाजत के खिड़की का ग्रिल तोड़कर फरार हो गया। इस वाकया के बाद थाना में हड़कंप मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि थाना पुलिस ने जब कैदी को गायब देखा तो हाजत का निरीक्षण किया तो पाया कि हाजत के खिड़की के उपरी भाग का ग्रिल टूटा हुआ है। हालांकि,इस मामले को स्थानीय पुलिस ने छुपाये रखा लेकिन मंगलवार देर शाम इसकी भनक मीडिया को लगने के बाद यह बात सार्वजनिक हो गयी। बताया जा रहा है कि हाजत से फरार उक्त कैदी को गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। फरार कैदी शशि यादव कल्याणपुर थाना क्षेत्र के गोविंदापुर का रहने वाला है। जिस पर स्थानीय थाना में दहेज प्रताड़ना और लड़की का अपहरण कर यौन शोषण करने के दो मामले कांड संख्या 84/16 एवं कांड संख्या 326/22 दर्ज है। जिसमे वह फरार चल रहा था लेकिन बीते सोमवार पुलिस को उसके घर आने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया और थाना के हाजत में उसे बंद कर दिया। लेकिन मंगलवार की सुबह जब शशि का भाई रामाकांत यादव उससे मिलने आया,तो वह हाजत से गायब था। इसकी जानकारी होते ही थाना मे तैनात सभी अधिकारियो का हाथ पांव फूलने लगे। स्थानीय ग्रामीणो के अनुसार थाना हाजत से फरार शशि यादव ने चार शादियां की है। उसकी पहली शादी बझिया ओपी के विशुनपुर गांव में हुई थी। शादी के दो माह बाद ही दोनों के बीच संबंध विच्छेद हो गया।जिसके बाद उसने एक दूसरी लड़की का अपहरण करके शादी किया। इस मामले में ही उस पर मुकदमा चल रहा है। लोगो ने बताया कि शशि ने तीसरी शादी बैरिया गांव के शीला देवी से किया था। जिससे उसको एक पुत्र भी है और वह घर पर रहता है। चौथी शादी उसने मुकद्दमे में फरारी के दौरान बंगाल में एक लड़की पूजा कुमारी को प्रेम जाल में फंसाकर कर लिया।इस मामले में भी थाना में कांड दर्ज है। उसके परिजन भी उसके आशिक मिजाजी और ऐय्याशी से तंग रहते है। इस कारण ही उसके परिजनों ने ही पुलिस को सूचना देकर उसे गिरफ्तार करवाया था। लेकिन अब वह हाजत से फरार है और पुलिस उसे ढुंढने में जुटी है।

संपादकीय

जबरन और लालच से कन्वर्जन पर हो नियंत्रण

जबरन लालच एवं अन्य प्रकार से बरगलाकर कन्वर्जन करने पर सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त रुख दिखाया है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियां बताती हैं कि भारत की आत्मा के विरुद्ध चल रहे कन्वर्जन के खेल को देखकर माननीय न्यायालय भी हैरान और चिंतित है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एमआर शाह की अध्यक्षता वाली दो न्यायमूर्तियों की पीठ की टिप्पणी से उनकी पीड़ा को समझा जा सकता है- "जो गरीब और ज़रूरतमंद की सहायता करना चाहते हैं, अवश्य करें लेकिन इसका उद्देश्य धर्म परिवर्तन करवाना नहीं हो सकत"। याद रखें कि ईसाई मिशनरीज के एजेंडे से समूचा समाज परिचित है कि ये सेवा की आड़ में कन्वर्जन का भारत विरोधी खेल खेल रही हैं। ईस्ट इंडिया कंपनी के समय से ही ईसाई मिशनरीज ने भारत के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए भाँति-भाँति के सेवा उपक्रम संचालित करती हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने जो बात आज कही है, ठीक उसी बात को महात्मा गाँधी ने भी कहा था। सेवा की आड़ में कन्वर्जन के खेल को उन्होंने भी भली प्रकार देख लिया था। ईसाई मिशनरीज की चालाकियों पर महात्मा गांधी ने बहुत खिन्नता व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि दबाव, धोखे या लालच से धर्म परिवर्तन के खिलाफ कड़ा कानून बनाने की मांग पर सुनवाई कर रही सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने पिछली सुनवाई में कोर्ट ने इस तरह से धर्म परिवर्तन को देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक बताया था। तब सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए थे। यह अच्छी बात है कि वर्तमान समय में केंद्र में ऐसी सरकार है, जिसके लिए तुष्टीकरण नहीं बल्कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे और भारत की संस्कृति प्राथमिक है। इसलिए केंद्र की भाजपा सरकार ने भी सर्वोच्च न्यायालय के साथ सहमति जताते हुए जानकारी दी कि 9 राज्यों में इस प्रकार के कन्वर्जन को रोकने के लिए कानून है। केंद्र भी इस दिशा में आवश्यक कदम उठाएगा। यानी जल्द ही केंद्र सरकार अवैध कन्वर्जन को रोकने के लिए राष्ट्रीय कानून बना सकती है, जिसकी आवश्यकता भी है। देखने में आ रहा है कि ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और हरियाणा में कन्वर्जन रोकने के कानून होने के बाद भी यहाँ ईसाई मिशनरीज वनांचल एवं शहरी क्षेत्रों में कमजोर बस्तियों में छलपूर्वक लोगों को कन्वर्ट करने में सक्रिय हैं। वैसे तो ईसाई मिशनरीज की सेवा का सच अब समूची दुनिया जान चुकी है, लेकिन तब भी अपनी गतिविधियों एक मानसिकता पर पर्दा डालने के प्रयास ये संस्थाएं करती रहती हैं। सर्वोच्च न्यायालय में ही जब इस याचिका पर सुनवाई को खारिज करने के लिए ईसाई संस्थाओं की ओर से तर्क रखे गए तो उनकी नीयत उजागर हो गई। ईसाई संस्था के वकील की दलील पर चुटकी लेते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उचित ही कहा, "एक पादरी को इस सुनवाई से क्या दिक्कत हो सकती है? अगर वह लालच या धोखे से धर्म परिवर्तन नहीं करवाते, तो उन्हें परेशान नहीं होना चाहिए?" यकीनन यदि ईसाई संस्थाएं लालच और धोखे से लोगों का कन्वर्जन नहीं कर रही हैं, तब उन्हें सुनवाई से क्या दिक्कत है? उन्हें तो इस प्रकार के कन्वर्जन पर नियंत्रण लगाने के लिए कठोर कानून का भी स्वागत करना चाहिए। इससे भारतीय संस्कृति को चोट पहुँचानेवाली ताकतों पर लगाम भी लगेगी और ईसाई संस्थाओं के प्रति बना संदेह का वातावरण भी कम होगा। बहरहाल, विश्वास है कि कन्वर्जन के इस खेल को रोकने के लिए जल्द ही राष्ट्रीय स्तर पर एक कड़ा कानून लागू होगा।

> सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एमआर शाह की अध्यक्षता वाली दो न्यायमूर्तियों की पीठ की टिप्पणी से उनकी पीड़ा को समझा जा सकता है- "जो गरीब और ज़रूरतमंद की सहायता करना चाहते हैं, अवश्य करें लेकिन इसका उद्देश्य धर्म परिवर्तन करवाना नहीं हो सकता।

कुछ अलग

स्मरण मात्र से रक्षक बनने वाले दत्तगुरू दत्तात्रेय

पौराणिक मान्यतानुसार महर्षि अत्रि और माता अनुसूईया के पुत्र भगवान दत्तात्रेय त्रिदेव अर्थात ब्रह्मा, विष्णु और महेश के स्वरूप में माननीय व पूजनीय हैं। दत्तात्रेय के जन्म के सम्बन्ध में प्रचलित कथा के अनुसार महर्षि अत्रि की पत्नी तथा प्रजापति कर्दम व देवहुति की पुत्री अनुसूईया पतिव्रता व महान तपस्विनी थीं। एक बार परमसती अनुसूईया के सतीत्व की परीक्षा के लिए त्रिदेव अर्थात ब्रह्मा, विष्णु तथा शिव सन्यासी वेश धारण कर उनके आश्रम स्थित कुटिया पर पधारे और विकार-वासना रहित भोजन की इच्छा प्रकट की उन्होंने स्पष्ट शब्दों में उनसे नग्न होकर भिक्षा देने अर्थात भोजन कराने को कहा। यह बात सुनकर हतप्रभ व अचंभित अनसूईया ने अपनी आंख मूंदकर ध्यान किया, और त्रिदेव को पहचान लिया उन्होंने मंत्र का जाप कर अभिमंत्रित जल उन तीनों संन्यासियों पर डाला। जल की छींटे पड़ते ही ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों ही शिशु रूप में परिणत हो गए। शिशु रूप लेने के बाद अनुसूईया ने उन्हें भिक्षा के रूप में अपना स्तनपान करवाया। उधर ब्रह्मा, विष्णु, महेश के स्वर्ग वापस नहीं लौट पाने के कारण उनकी पत्नियां सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती चिंतित हो गईं और स्वयं देवी अनुसूईया के पास आ पहुंची। सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती ने उनसे उनके पति सौंप देने का आग्रह किया। अनुसूईया और उनके पतियों ने तीनों देवियों की बात मान ली, किन्तु अनुसूईया ने कहा कि त्रिदेवों ने मेरा स्तनपान किया है इसलिए, किसी न किसी रूप में इन्हें मेरे पास रहना ही होगा। अनुसूईया की बात मानकर त्रिदेवों ने उनके गर्भ में दत्तात्रेय, दुर्वासा और चंद्रमा रूपी अपने अवतारों को स्थापित कर दिया, जिनमें दत्तात्रेय तीनों देवों के अवतार थे। दत्तात्रेय का शरीर तो एक था लेकिन उनके तीन सिर और छः भुजाएं थीं। विशेष रूप से दत्तात्रेय को विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि नृसिंहवाड़ी में भगवान दत्तात्रेय ने इस स्थान पर बारह साल तक तपस्या की थी, इसी कारण इस स्थान को भगवान दत्तात्रेय की तपोभूमि माना जाता है।वैसे तो शैव, वैष्णव और शाक्त तीनों ही संप्रदायों को एकजुट करने वाले दत्तात्रेय का प्रभाव देश ही नहीं विदेशों में भी है, लेकिन देश के अन्य राज्यों की अपेक्षा महाराष्ट्र में इसका प्रभाव ज्यादा नजर आता है।दत्त संप्रदाय में हिन्दुओं की भांति ही मुसलमान भक्त भी बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। तमिलनाडु, उत्तरांचल आदि राज्यों में भी दत्तजयंती की प्रथा है।कुछ ब्राह्मण परिवारों में इस उत्सव के निमित्त दत्त नवरात्र का पालन किया जाता है तथा उसका प्रारंभ मार्गशीर्ष शुक्ल अष्टमी से होता है। दत्तात्रेय उत्सव से सात दिन पहले गुरुचरित्र का पारायण करने का विधान है। इसे गुरुचरित्र सप्ताह कहते हैं।गुरुदेव दत्तात्रेय में नाथ संप्रदाय, महानुभाव संप्रदाय, वारकरी संप्रदाय और समर्थ संप्रदाय की अगाध श्रद्धा है। होलकर राजवंश की राजधानी रही इंदौर में प्राचीन कालीन भगवान दत्तात्रेय का मंदिर अवस्थित है। जहाँ भक्तों की अचानक मदद मांगने पर मनोकामना पूर्ण करने वाले देवता के रूप में दत्तात्रेय की पूजा की जाती है।और मार्गशीर्ष की पूर्णिमा पर दत्त जयंती का उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है।उत्तराखंड के चमोली जिले में ऊंचे पहाड़ों पर स्थित प्रसिद्ध अनुसूईया मंदिर में दत्तात्रेय जयंती समारोह के अवसर पर नौदी मेले का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें भारी संख्या में लोग अपने-अपने गांवों से देव डोलियों को लेकर पहुंचते हैं। देव डोलियां माता अनुसूईया और अत्रि मुनि के आश्रम का भ्रमण करती हैं और माता अनुसूईया के प्राचीन मंदिर में संतान प्राप्ति के लिए एक बड़ा यज्ञ कराया जाता है। मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर में जप और यज्ञ करने वालों को संतान की प्राप्ति होती है। भगवान दत्तात्रेय से जुडे.होने के कारण इस मेले में महाराष्ट्र और कर्नाटक से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।दत्तात्रेय की उपासना हेतु दत्तात्रेय की प्रतिमा को लाल कपड़े पर स्थापित करने के बाद चन्दन लगाकर, फूल चढाकर, धूप, नैवेद्य चढ़ाकर दीपक से आरती उतारकर पूजा की जाती है।

> जल की छींटे पड़ते ही ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों ही शिशु रूप में परिणत हो गए। शिशु रूप लेने के बाद अनुसूईया ने उन्हें भिक्षा के रूप में अपना स्तनपान करवाया। उधर ब्रह्मा, विष्णु, महेश के स्वर्ग वापस नहीं लौट पाने के कारण उनकी पत्नियां सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती चिंतित हो गईं और स्वयं देवी अनुसूईया के पास आ पहुंची।

इसरो के पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल) रॉकेट का यह 54वां तथा पीएसएलवी-एक्सएल प्रारूप का 24वां मिशन था

अंतरिक्ष में इसरो के बढ़ते कदम

योगेश कुमार गोयल

> इसरो ने 44 .4 मीटर लंबे अपने विश्वसनीय पीएसएलवी-54 रॉकेट से ईओएस-06 मिशन के तहत कुल 321 टन भार के साथ उड़ान भरी और ओशनसैट-3 सैटेलाइट के अलावा भूटान के एक उपग्रह सहित 8 नैनो उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण किया। इस वर्ष का इसरो का यह पांचवां और आखिरी मिशन था, जो वैज्ञानिकों द्वारा किए गए सबसे लंबे समय तक चलने वाले मिशनों में से एक था। इसरो के पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल) रॉकेट का यह 54वां तथा पीएसएलवी-एक्सएल प्रारूप का 24वां मिशन था, इसीलिए इसरो द्वारा अपने इस मिशन को पीएसलीवी सी-54 नाम दिया गया।

इसरो के वैज्ञानिकों ने बीते कुछ वर्षों में अंतरिक्ष की दुनिया में कई बड़े मुकाम हासिल किए हैं। पिछले दिनों भी इसरो ने अंतरिक्ष में सफलता का ऐसा ही परचम लहराया। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से इसरो ने महासागरों के वैज्ञानिक अध्ययन और चक्रवातों पर नजर रखने के लिए तीसरी पीढ़ी के ओशनसैट सैटेलाइट का प्रक्षेपण किया। इसरो ने 44.4 मीटर लंबे अपने विश्वसनीय पीएसएलवी-54 रॉकेट से ईओएस-06 मिशन के तहत कुल 321 टन भार के साथ उड़ान भरी और ओशनसैट-3 सैटेलाइट के अलावा भूटान के एक उपग्रह सहित 8 नैनो उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण किया। इस वर्ष का इसरो का यह पांचवां और आखिरी मिशन था, जो वैज्ञानिकों द्वारा किए गए सबसे लंबे समय तक चलने वाले मिशनों में से एक था। इसरो के पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल) रॉकेट का यह 54वां तथा पीएसएलवी-एक्सएल प्रारूप का 24वां मिशन था, इसीलिए इसरो द्वारा अपने इस मिशन को पीएसलीवी सी-54 नाम दिया गया। पीएसएलवी-54 के जरिये ओशनसैट-3 के अलावा प्रक्षेपित किए गए आठ लघु उपग्रहों में भूटान के खास रिमोट सेंसिंग भूटानसैट सहित बेंगलुरू आधारित निजी कम्पनी पिक्सेल द्वारा निर्मित उपग्रह 'आनंद', हैदराबाद की निजी स्पेस कम्पनी ध्रुव द्वारा निर्मित दो थायबोल्ट उपग्रह, स्पेसफ्लाइट और यूएसए के चार एस्ट्रोकास्ट उपग्रह शामिल थे। करीब एक हजार किलोग्राम वजनी ओशनसैट-3 सैटेलाइट को इसरो ने 'अर्थ ऑब्जरवेशन सैटेलाइट-6' (ईओएस-06) नाम दिया है और ईओएस-06 तथा 8 नैनो उपग्रहों का कुल वजन 1117 किलोग्राम था। पीएसएलवी-सी54 ने ईओएस-06 को पृथ्वी से 742 किलोमीटर की ऊंचाई पर अपनी कक्षा में प्रक्षेपण के बाद 17 मिनट में पहुंचाया और अन्य सभी 8 उपग्रह भी अपनी निर्धारित कक्षाओं में करीब 528 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थापित किए गए तथा कुल दो घंटे के उड़ान समय में मिशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ। इसरो के लिए यह मिशन बेहद खास इसलिए था क्योंकि इसरो के वैज्ञानिकों द्वारा पहली बार दो कक्षाओं में उपग्रह प्रक्षेपित किए गए, जिसमें ऑर्बिट चेंज थ्रस्टर्स (ओसीटी) उपयोग हुए। ओशनसैट को 742 किलोमीटर की ऊंचाई पर पहुंचाने के बाद पीएसएलवी-सी54 रॉकेट को नीचे की ओर लाया गया और बाकी 8 उपग्रह 513 से 528 किलोमीटर पर स्थापित किए गए। इसरो द्वारा अंतरिक्ष की अलग-अलग कक्षाओं में स्थापित किए उपग्रहों की विशेषताओं की बात करें तो आनंद और थायबोल्ट निजी स्पेस कम्पनियों के भारतीय उपग्रह हैं, जिनमें पिक्सल कम्पनी के आनंद उपग्रह का कुल वजन 16.51 किलोग्राम है, जो व्यावसायिक उपग्रह क्षमता और तकनीक के प्रदर्शन के लिए अंतरिक्ष में भेजा गया है। 'आनंद' एक हाइपरस्पैक्ट्रल नैनो सैटेलाइट है, जिसमें 150 से अधिक तरंगदैर्ध्य हैं, जो इसे आज के गैर-हाइपरस्पैक्ट्रल उपग्रहों (जिनकी तरंग दैर्ध्य 10 से अधिक नहीं है) की तुलना में अधिक विस्तार से पृथ्वी की तस्वीरें लेने में सक्षम बनाएंगी। पिक्सल के सीईओ के मुताबिक 'आनंद' उपग्रह विस्तृत रूप से पृथ्वी का अवलोकन कर सकता है और पिक्सेल के उपग्रहों से ली गई तस्वीरों का उपयोग कीटों की अधिक संख्या में मौजूदगी तथा तेल पाइपलाइन में रिसाव का पता लगाने में किया जा सकता है। पिक्सेल अपना तीसरा हाइपरस्पैक्ट्रल उपग्रह प्रक्षेपित करने को भी तैयार है। स्टार्टअप ध्रुव स्पेस कम्पनी के दो उपग्रहों थायबोल्ट-1 और थायबोल्ट-2 का कुल वजन 1.45 किलोग्राम है। एस्ट्रोकास्ट के रूप में तकनीकी प्रदर्शन के लिए अमेरिका की स्पेसफ्लाइट की ओर से भेजे गए 17.92 किलोग्राम वजनी चार उपग्रह इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) तकनीक में उपयोग होंगे। भूटानसैट भारत और भूटान का ज्वाइंट सैटेलाइट है, जो एक टैक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर है और स्पेस के क्षेत्र में भूटान को भारत द्वारा दिए जा रहे सहयोग का प्रदर्शन है। भूटान का 30 सेंटीमीटर क्यूबिक नैनो सैटेलाइट 'आईएनएस-2बी' 18.28 किलो वजनी है, जिसमें दो उपकरण नैनोएमएक्स और एपीआरएस-डिजिपीटर लगे हैं। नैनोएमएक्स अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र द्वारा विकसित एक मल्टीस्पैक्ट्रल ऑप्टिकल इमेजिंग पेलोड है जबकि एपीआरएस-डिजिपीटर पेलोड संयुक्त रूप से भूटान के सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार विभाग तथा बेंगलुरू के यूआर राव सैटेलाइट सेंटर द्वारा विकसित किया गया है। इस सैटेलाइट के माध्यम से भूटान ने अंतरिक्ष में पहला कदम रखा है, जिसमें उसे भारत ने मदद दी है। भूटानसैट में रिमोट सेंसिंग कैमरा लगे हैं और यह सैटेलाइट रेलवे ट्रैक बनाने, ब्रिज बनाने जैसे विकास संबंधी कार्यों में मदद करेगा तथा भारत और भूटान दोनों ही देशों को कवर करेगा। आईएनएस-2बी के उपकरणों के जरिये भूटान में प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन होगा तथा शौकिया तौर पर रेडियो उपयोग करने वालों को भी सेवाएं मिलेंगी। इसरो के इस मिशन में शामिल भूटान के उपग्रह आईएनएस-2बी को लेकर भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर का कहना है कि भूटान तथा भारत ने इस मिशन से एक ऐतिहासिक पड़ाव पार किया है और अंतरिक्ष तथा तकनीक में हासिल उपलब्धियों के जरिये दोनों देशों का सहयोग 21वीं सदी में प्रवेश कर चुका है।

जहां तक ओशनसैट-3 की बात है तो ओशनसैट श्रृंखला के सैटेलाइट 'अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट' हैं, जो समुद्र विज्ञान और वायुमंडलीय अध्ययन के काम आते हैं और समुद्री मौसम का पूर्वानुमान करने में भी सक्षम हैं। ओशनसैट सीरीज का पहला सैटेलाइट 'ओशनसैट-1' पहली बार 1999 में अंतरिक्ष में स्थापित हुआ था, जिसके बाद ओशनसैट-2 2009 में अंतरिक्ष में स्थापित किया गया था। 2016 में ओशनसैट-2 के स्कैनिंग स्केटरोमीटर खराब हो गए थे, जिसके बाद स्कैटसैट-1 लांच किया गया था। अब अंतरिक्ष में स्थापित किए गए ओशनसैट-3 सैटेलाइट को भारत के लिए बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि आधुनिक तकनीक और कैमरों से लैस ओशनसैट-3 की मदद से समुद्री घटनाओं का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है, जिससे किसी भी समुद्री तूफान या चक्रवात का पहले ही पता लगाया जा सकता है। इसकी मदद से न केवल समुद्री सतह के तापमान को नापा जा सकेगा बल्कि इससे समुद्री इलाकों में क्लोरोफिल, फाइटोप्लैंकटन, एयरोसोल तथा प्रदूषण की भी जांच करने में मदद मिलेगी। कलर मॉनीटर, स्कैटरोमीटर तथा सी-सरफेस टेम्परेचर मॉनीटर से लैस यह सैटेलाइट समुद्र और पृथ्वी की बारीकी से निगरानी और रिकॉर्ड करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ के मुताबिक पीएसएलवी-सी54 द्वारा ओशनसैट-3 सैटेलाइट को सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जा चुका है और अब यह सैटेलाइट करीब 5 वर्ष तक समुद्र और उससे जुड़ी जानकारी देगा। इसरो की स्पेसक्राफ्ट डायरेक्टर थेनमोझी सेल्वी का कहना है कि ओशनसैट-3 सैटेलाइट का उपयोग मछली पकड़ने के क्षेत्रों की पहचान, सामुद्रिक सुरक्षा, मौसम के पूर्वानुमान तथा कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में भी किया जा सकेगा।

ब्लू इकोनॉमी की दिशा में एक कदम

> एक दिसंबर 2022 को भारत के द्वारा जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के साथ भारत का सीएजी यानी एसएआई इंडिया एसएआई-20 की अध्यक्षता करेगा। एसएआई इंडिया इस संपर्क समूह के महत्वपूर्ण स्तंभों के रूप में स्वतंत्रता, पारदर्शिता, जवाबदेही, सहयोग और निरंतरता की मान्यता के प्रति समर्पित रहेगा। जी-20 में भारत की अध्यक्षता के मार्गदर्शक सिद्धांत यानि वसुधैव कुटुम्बकम, जिसमें पूरे विश्व को 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के रूप में देखा जाता है, के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक प्राथमिकता वाले दो क्षेत्रों ब्लू इकोनॉमी और जिम्मेदार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर जी-20 एसएआई के सहयोग का प्रस्ताव रख रहे हैं। लू इकोनॉमी एक ऐसी आर्थिक प्रणाली है जिसमें समुद्री और ताजे पानी के पर्यावरण के संरक्षण, उनके सतत उपयोग को बढ़ावा देने, खाद्य और ऊर्जा का उत्पादन करने, आजीविका में मदद करने और आर्थिक उन्नति और कल्याण में सहायक के रूप में कार्य करने के उद्देश्य से नीति और परिचालन-संबंधी आयामों की विस्तृत श्रेणी शामिल है।

जी-20 विश्व की प्रमुख विकसित और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को जोडने वाला एक बहुपक्षीय रणनीतिक मंच है। भविष्य में विश्व के आर्थिक विकास और समृद्धि को सुरक्षित रखने में जी-20 की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। एक साथ मिलकर जी-20 के सदस्य दुनिया की जीडीपी का 80 प्रतिशत से अधिक, अंतरराष्ट्रीय व्यापार का 75 प्रतिशत और दुनिया की आबादी के 67 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। जी-20 सदस्य देशों के सर्वोच्च लेखा परीक्षण संस्थानों का एक समूह एसएआई-20 कार्य समूह शासन से जुड़ी संस्थाओं को मौजूदा समय में सामने आ रही समस्याओं का बेहतर, तेज और विश्वसनीय तरीके से हल निकालने में समर्थ बनाने के साथ ही नागरिकों को उच्च कोटि का जीवन प्रदान करने के लिए सरकारों को सक्षम बनाने की दिशा में काम करता है। इस कार्य समूह की स्थापना से एक इकोसिस्टम का निर्माण हुआ है जहां एसएआई सकारात्मक और जन-केंद्रित दृढ़ नीतियों के माध्यम से शासन प्रणाली में साझेदार के रूप में बहु-हितधारक संबंधों के जरिए रणनीतियों को सुस्पष्ट और समन्वित करता है और साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही को भी आगे बढ़ाता है। एक दिसंबर 2022 को भारत के द्वारा जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के साथ भारत का सीएजी यानी एसएआई इंडिया एसएआई-20 की अध्यक्षता करेगा। एसएआई इंडिया इस संपर्क समूह के महत्वपूर्ण स्तंभों के रूप में स्वतंत्रता, पारदर्शिता, जवाबदेही, सहयोग और निरंतरता की मान्यता के प्रति समर्पित रहेगा। जी-20 में भारत की अध्यक्षता के मार्गदर्शक सिद्धांत यानि वसुधैव कुटुम्बकम, जिसमें पूरे विश्व को 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के रूप में देखा जाता है, के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक प्राथमिकता वाले दो क्षेत्रों ब्लू इकोनॉमी और जिम्मेदार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर जी-20 एसएआई के सहयोग का प्रस्ताव रख रहे हैं। ब्लू इकोनॉमी एक ऐसी आर्थिक प्रणाली है जिसमें समुद्री और ताजे पानी के पर्यावरण के संरक्षण, उनके सतत उपयोग को बढ़ावा देने, खाद्य और ऊर्जा का उत्पादन करने, आजीविका में मदद करने और आर्थिक उन्नति और कल्याण में सहायक के रूप में कार्य करने के उद्देश्य से नीति और परिचालन-संबंधी आयामों की विस्तृत श्रेणी शामिल है। कॉप 26 में भारत के द्वारा प्रस्तुत की गई लाइफ यानि लाइफ स्टाइल ऑफ इन्वायरनमेंट की अवधारणा को ब्लू इकोनॉमी आगे ले जाती है जो कि समुद्री और मीठे पानी को नया जीवन देने और उसे बनाए रखने के लिए विचारहीन और अनावश्यक खपत की जगह 'सचेत और सुविचारित उपयोग' की आवश्यकता पर जोर देती है। प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में, यह यूएन 2030 एजेंडा, विशेष रूप से (लेकिन अनन्य रूप में नहीं), लक्ष्य 14 अर्थात जलीय जीवन की उपलब्धियों पर एसएआई का ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है। इसका उद्देश्य लेखा परीक्षण नीतियों और कार्यक्रमों पर इस तरह से सहयोग करना है जो ब्लू इकोनॉमी पर प्रभावशाली तरीके और प्रगतिशाली रूप में असर डाले और साथ ही समुदायों, क्षेत्रों के साथ-साथ राष्ट्रों तक फैले मजबूत अंतर्संबंधों में और वृद्धि करे। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि मत्स्य पालन व्यवसाय से जुड़ा अधिकांश वर्ग आर्थिक रूप से कमजोर है, एसएआई को समाज में अधिक समावेशिता और लोगों के प्रति उनकी तत्काल प्रासंगिकता के हित में अधिक प्रभावी ढंग से अपने निरीक्षण का प्रयोग करने के लिए मजबूर करता है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सर्वसम्मत और व्यापक रूप से लागू मानकों या दिशानिर्देशों को तैयार करने का प्रयास करेंगे जो सभी एसएआई को उनके संबंधित अधिदेशों के भीतर नीतियों और कार्यक्रमों के विकास और प्रभावी कार्यान्वयन का मूल्यांकन और मार्गदर्शन करने में सक्षम बनाएंगे जो एक ओर निरंतरता और दूसरी ओर आर्थिक प्रगति और कल्याण के साथ संतुलन बनाता है। हम एसएआई के साथ-साथ अन्य हितधारक समुदायों के बीच घनिष्ठ सहयोग के लिए अनुसंधान, सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के संकलन, टूल किट या लेखा परीक्षा दिशानिर्देशों के साथ-साथ संभावित तौर-तरीकों को विकसित करना चाहते हैं। दूसरी प्राथमिकता वाला क्षेत्र यानी जिम्मेदार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर जोर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की नागरिकों के जीवन पर असर डालने वाली उस भूमिका के अनुसार है जिसमें छोटे कदम के बड़े असर देखने को मिल रहे हैं, वहीं साथ ही साथ इसकी बदलाव लाने वाली क्षमताओं की सराहना भी की जा रही है। ब्लू इकोनॉमी की तरह, उत्तरदायी एआई से संबंधित समस्याएं सामयिक, बहुआयामी और अन्योन्याश्रित हैं। चिंताएं वैधता, नैतिकता के साथ-साथ मानव बनाम गैर मानवीय एजेंसी को लेकर दार्शनिक विकल्पों के मुद्दों पर फैली हुई हैं। गोपनीयता की चिंताओं के अलावा सिस्टम के लगातार खुद विकसित होने के बीच, आम आदमी में एल्गोरिदम को समझने की योग्यता में कमी के कारण एआई पक्षपात और भेदभाव से जुड़े मुद्दों को भी सामने लाता है। सरकारों, व्यवसायों और नागरिक समाज संगठनों में जिम्मेदार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर जागरूकता पैदा करने को लेकर व्यापक मान्यता और मजबूत सिफारिश की गई है। जून 2019 में व्यापार और डिजिटल अर्थव्यवस्था पर जी-20 मंत्रिस्तरीय वक्तव्य के दौरान, और नवंबर 2021 में यूनेस्को द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की नैतिकता पर सिफारिशों के अनुसार, यह स्पष्ट करने की दिशा में एक शुरुआत की गई है कि सभी हितधारकों के बीच विश्वास पर ही एक डिजिटल समाज का निर्माण किया जाना चाहिए। जबकि एआई के एप्लीकेशन हमारे जीवन के अधिक से अधिक क्षेत्रों में शामिल हो रहे हैं, यह एआई के जिम्मेदारी भरे उपयोग को सुनिश्चित करने में सरकारों के साथ-साथ एसएआई दोनों की समझ, विनियमन और लेखापरीक्षा से जुड़ी जटिल चुनौतियों को सामने रख रहा है। एसएआई के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे एआई सिस्टम के इस्तेमाल से जुड़े मूल प्रश्नों को हल करने के लिए कारगर क्षमताओं को विकसित करें ताकि प्रभावी निरीक्षण के प्रतिनिधि के रूप में खुद को अनिवार्य रूप से स्थापित किया जा सके और व्यापक नीति निर्माण और कार्यान्वयन में साक्ष्य आधारित समर्थन प्रदान किया जा सके। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का प्रयास उठाए जाने वाले कदमों की प्रकृति और उनकी सीमा पर व्यापक सहमति बनाना होगा जो सभी एसएआएई अपने संबंधित शासनादेशों के भीतर रहते हुए उत्तरदायी एआई के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए उठा सकते हैं। हम संयुक्त रूप से लेखापरीक्षण में मदद के लिए रचनाएं विकसित करने का प्रयास करेंगे और साथ ही उन तरीकों का पता लगाएंगे जिसमें जी-20 एसएआई आपसी क्षमता निर्माण और अनुभवों को साझा कर एक दूसरे की मदद कर सकते हैं।

नागरिक बोध

विश्व गुरू बनने की राह पर सशक्त कदम

जी-20 का नेतृत्व मिलने के साथ ही भारत ने विश्व को नेतृत्व प्रदान करने की दिशा में एक और सशक्त कदम बढ़ा दिया है। समृद्ध ज्ञान परंपरा और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले भारत के पास विश्व गुरू के रूप में खुद को साबित और स्थापित करने का एक स्वर्णिम अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरीके से घोषणा की है कि 50 से अधिक शहरों में 200 से ज्यादा आयोजन किए जाएंगे, उससे यह आभास हो रहा है कि प्रधानमंत्री जी-20 में भारत की भूमिका को लेकर बेहद सजग और सतर्क हैं। भारत में अगले वर्ष 9 और 10 सितंबर को जी-20 सम्मेलन आयोजित होगा। पहली दिसंबर से इसकी अध्यक्षता की जिम्मेदारी भारत को मिल चुकी है। ध्यातत्व है कि विश्व की आबादी का छठा हिस्सा भारत में रहता है और यहां भाषाओं, धर्मों, रीति-रिवाज और विश्वास की विशाल विविधता है। जी-20 एक वैश्विक आर्थिक सहयोग का बड़ा एवं प्रभावशाली संगठन है। यह विश्व की जीडीपी का लगभग 85 प्रतिशत, व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व की लगभग दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। जिस तरीके से संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका नाममात्र की रह गई है, उसे देखते हुए आगामी समय में जी-20 की भूमिका अधिक सशक्त होने संभावना बढ़ी है। वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों ने न केवल भारत का लोहा स्वीकार किया है बल्कि उनको भारत से बहुत अपेक्षाएं हैं। जी-20 की अध्यक्षता के माध्यम से भारत को विश्व में अपनी छवि मजबूत बनाने का सुअवसर मिला है। हालांकि इसकी शुरुआत भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में इंडोनशिया में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन से कर दी है। उन्होंने इस दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों में बने स्वदेशी उत्पाद के तोहफ न केवल दिग्गज नेताओं को भेंट किए बल्कि जी-20 का 2023 का लोगो जारी किया, जिसमें भारत के राष्ट्रीय फूल कमल को शामिल कर विश्व को संदेश भी दे दिया कि जी-20 पर भारत की गहरी छाप पड़ने वाली है। प्रधानमंत्री ने कमल के फूल को निरंतर प्रगति का प्रतीक बताया है। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ एक बार फिर 'नख दंत' विहीन संस्था साबित हो गई है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन विश्व में शांति बनाए रखने के लिए किया गया था। लेकिन 1945 के बाद खाड़ी युद्ध, अफगानिस्तान पर आक्रमण, तिब्बत पर चीन का अतिक्रमण, भारत-चीन, भारत-पाकिस्तान, करगिल युद्ध जैसे अनेक युद्ध हो चुके हैं। लेकिन संयुक्त राष्ट्र इन युद्धों को रोकने में पूरी तरह से नाकारा साबित हुआ है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र संघ की उपयोगिता पर बार-बार सवाल उठता रहा है। आज भारत विश्व की तीव्र गति से बढ़ती हुई अर्थव्वस्था बन चुका है। वर्ष 2020 में कोविड महामारी का प्रकोप जिस तरीके से भारत में आया था, उससे ऐसा आभास हो रहा था कि 133 करोड़ की आबादी में बहुत ज्यादा लोग काल कवलित होंगे, लेकिन भारत ने जिस तरीके से खुद को संभाला, उसे संपूर्ण विश्व समुदाय देखा। उसके पश्चात भारत ने कोविड महामारी से निपटने के लिए कोविड वैक्सीन न केवल अपने नागरिकों को बचाने के लिए विकसित की बल्कि अपने पड़ोसी राज्यों सहित विश्व के अनेक देशों को खेपें भेजकर वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश दिया। यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर विश्व समुदाय को भारत से बहुत अपेक्षाएं रही हैं।

देश दुनीया से

शहरों में कम मतदान निराशाजनक

हिमाचल प्रदेश में आजकल कार्यालयों, ढाबों, रेस्तरां, कॉफी हाउस में बस एक ज्वलंत मुद्दे पर बहस होती सुनी जा सकती है। कौन सी पार्टी के सिर पर 8 दिसंबर को ताज सजेगा। कहीं आपसी बहस में कहीं हाथ लहराता है तो कहीं कमल खिलता है। झाड़ू, दराती, तारा व बागी भी गणित बिगाड़ते नजर आते हैं। ऐसे में बेचारा मतदाता क्या करे। सरकार बना व गिरा तो सकता है। 12 नवंबर को 14वीं विधानसभा की 68 सीटों के लिए मैदानों से सुदूर पहाड़ तक हुए चुनावों में मतदान प्रतिशत 75.6 प्रतिशत रहा। आजादी की 75वीं जयंती पर 75 फीसदी का आंकड़ा खुशी की बात है। स्वर्गीय श्याम शरण नेगी, जिन्हें देश का पहला मतदाता होने का गौरव मिला है, उनके जिला के क गांव में 112.5 प्रतिशत मतदान आंका गया। यहां स्थानीय लोगों के साथ-साथ चुनाव कर्मियों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अब 412 उम्मीदवारों का भाग्य कड़े पहरे के बीच ईवीएम में कैद है। चुनाव प्रक्रिया में 31 हजार के करीब अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपनी कत्तव्यनिष्ठा से चुनाव प्रक्रिया को संपन्न करवाया। मीलों पैदल चल कर नाव से नदी पार कर अपने-अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचे। यह सभी बधाई के पात्र हैं। यह सच है कि हिमाचल गांव में बसता है। गांव-गांव में सर्वाधिक मतदान हुआ और ग्रामीण जन ने उत्साह से लोकतंत्र को मजबूत करने का अपना फर्ज निभाया। शहरी क्षेत्र का परिदृश्य देखें तो हिमाचल की मूल राजधानी शिमला व दूसरी राजधानी धर्मशाला में मतदान प्रतिशतता 62.53 व 70.92 प्रतिशत आंकी गई। वहीं सोलन में 66.84, कुसुम्पट्टी में 68.29 व कुल्लू में 67.63 प्रतिशत आंकी गई। यह सभी क्षेत्र राज्य की पहचान व शान हैं। यहां सबसे पढ़े-लिखे व सुविधा संपन्न लोग रहते हैं। चुनाव आयोग ने विगत 6 माह से इन क्षेत्रों में मतदान प्रतिशतता बढ़ाने के लिए स्वीप कार्यक्रम चलाया था। लाखों रुपए प्रचार-प्रसार पर व्यय किए। इन क्षेत्रों में बड़े.-बड़े होर्डिंग लगे, स्कूली बच्चों को जागरूक किया कि वे अपने परिजनों को मतदान करने के लिए प्रेरित कर सकें। जागरूकता रैलियां निकाली गई। सब मानो व्यर्थ। प्रश्न उठता है कि फिर भी यहां के पढ़े-लिखे जागरूक मतदाता मतदान करने के लिए खिली धूप में घरों की दहलीज क्यों नहीं लांघ पाए। मुख्यतः यह क्षेत्र उच्च अधिकारियो कर्मचारियों, रईसदार बहुल क्षेत्र है। पांच साल वह घर से दफ्तर व अपने कारोबारी स्थल तक सरकारी व निजी वाहनों में आते जाते थे। जमीन पर पैर रखना और जमीनी हकीकत को समझना, उन्हें नागवार लगता है। उनकी अर्धांगनियां हक से सरकारी वाहनों का उपयोग करती ह। बच्चे भी सरकारी गाडियों से स्कूल आते-जाते हैं। इस व्यवस्था ने आमजन तथा उच्च वर्ग में अंतर पैदा किया है। ऐसी स्थिति में वह आमजन जो मतदान की लाइन में खड़ा होता उसके साथ अपना वोटर कार्ड, आधार कार्ड लेकर खड़ा कैसे हो सकता है। वह कहां पैदल चल मतदान केंद्र पहुंचता। उसका सारथी तो उस दिन लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपने गांव गया था। काश उसका सारथी (ड्राइवर) वहां होता और उन्हें परिवार सहित पोलिंग बूथ ले जाता। साहिब चलो आज मतदान करना है, गाड़ी बाहर खड़ी है। चुनाव आयोग को इस समस्या के समाधान के लिए प्रयत्न करने चाहिए। लोकतंत्र के इन प्रहरियों, जो नीति निर्धारक होते हैं और चार पहियों की सवारी करते हैं, के लिए भी 80 वर्ष से अधिक के मतदाताओं के लिए अपनाई गई पोस्टल बैलेट व्यवस्था लागू करनी चाहिए। ऐसी जमात के लिए अलग से मॉडल पोलिंग बूथ की व्यवस्था करनी चाहिए। इन्ही उपायों से मतदान प्रतिशतता शहरी क्षेत्रों में बढ़ाई जा सकती है। अब सबकी नजर 8 दिसंबर को चुनाव परिणामों पर है। रिवाज बदलेगा या राज। एक बात गौरतलब है कि बड़े से छोटा अधिकारी अपने कार्यालय से बाहर लाल बत्ती जलाकर नई सरकार बनाने का पहाड़ा पढ़ रहा है। राज्य के उन सभी मतदाताओं जिनकी अंगुली पर निशान लगा है कि नई सरकार से अपील है कि वह सत्ता संभालने के बाद अपने अधिकारियों, कर्मचारियों की अंगुलियों की जांच आवश्य करवाएं कि वे लोकतंत्र के हितैषी हैं या विरोधी। हाल ही में हुए मतदान की प्रतिशतता से साफ जाहिर है कि गांव व शहर में अंतर बढ़ा है। राज्य की स्मार्ट सिटी शिमला व धर्मशाला, सोलन व कुल्लू में चौड़ी सडकें आधुनिक बाजार, श्रेष्ठ शिक्षा, 24 घंटे जल व बिजली, स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं हैं, लेकिन लोकतंत्र की मजबूती के लिए उत्साह व उमंग नहीं है, वहीं गांव न आदर्श है, न स्मार्ट, जनसुविधाएं नाममात्र, स्कूल है तो अध्यापक नहीं, स्वास्थ्य संस्थान है तो चिकित्सक नहीं, सडक़ है तो पक्की नहीं, नल है तो जल नहीं, तारें है तो बिजली नहीं।

> आजादी की 75वीं जयंती पर 75 फीसदी का आंकड़ा खुशी की बात है। स्वर्गीय श्याम शरण नेगी, जिन्हें देश का पहला मतदाता होने का गौरव मिला है, उनके जिला के क गांव में 112 .5 प्रतिशत मतदान आंका गया। यहां स्थानीय लोगों के साथ-साथ चुनाव कर्मियों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अब 412 उम्मीदवारों का भाग्य कड़े पहरे के बीच ईवीएम में कैद है।

अब सीधे अमेरिकी संविधान को चुनौती दे रहे हैं ट्रंप, कर रहे राष्ट्रपति पद पर बहाली की मांग

वॉशिंगटन।
अमेरिकी राष्ट्रपति पद के पिछले चुनावी नतीजे को पलट कर उन्हें बहाल करने के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आह्वान को लेकर अब उनकी रिपब्लिकन पार्टी में भी हलचल शुरू हो गई है। रिपब्लिकन पार्टी का एक धड़ा उनके इस आरोप से सहमत है कि ऐसा आह्वान करके ट्रंप सीधे अमेरिकी संविधान को चुनौती दे रहे हैं।

ट्रंप ने बीते शनिवार को कहा था कि राष्ट्रपति पद पर उन्हें बहाल करने के लिए संविधान को स्थगित किया जा सकता है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर अपना बयान पोस्ट किया था।

पार्टी के कई सांसद मांग से असहमत - रिपब्लिकन पार्टी में दो दिन तक ट्रंप के इस बयान पर चुप्पी रही, लेकिन सोमवार को कई सांसदों ने इससे असहमति जताई। इसके बावजूद उनमें से किसी सांसद ने 2024 के चुनाव के लिए ट्रंप की उम्मीदवारी का विरोध नहीं किया है। ट्रंप 2024 के लिए अपनी उम्मीदवारी का एलान कर चुके हैं। रिपब्लिकन सीनेटर रॉय ब्लंट ने ट्रंप को संबोधित करते हुए एक बयान में कहा- मेरी राय में आपने ट्रंप संविधान की शपथ ली थी- ऐसा आपने अस्थायी रूप से नहीं किया था। मैं इस बात की कल्पना भी नहीं कर सकता कि कोई पूर्व राष्ट्रपति इस तरह का बयान देगा। एक अन्य रिपब्लिकन सीनेटर जॉन कॉर्निन ने कहा-मुझे नहीं मालूम कि कोई भी व्यक्ति ऐसी बात क्यों कहेगा पूर्व राष्ट्रपति को तो ऐसा नहीं कहना चाहिए। यह गैर-जिम्मेदाराना है।

2020 में फर्जी ढंग से हराने का आरोप दोहराया - ट्रूथ सोशल पर लिखे अपने पोस्ट में ट्रंप ने अपना यह आरोप दोहराया कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें फर्जी तरीके से हराया गया। उन्होंने कहा- इसलिए अगर संविधान को स्थगित कर मुझे राष्ट्रपति पद पर वापस लाया जाता है, तो यह उचित होगा। उन्होंने कहा- चुनाव में धोखाधड़ी इतने बड़े पैमाने पर हुई कि उससे सभी नियमों, विनियमों और अनुच्छेदों को रद्द करने का आधार बनता है। इनमें संविधान में लिखित नियम, विनियम और अनुच्छेद भी शामिल हैं।

ट्रंप के इस बयान से एक दिन पहले ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने कई दस्तावेज जारी करते हुए यह दावा किया था कि पूर्व प्रबंधन के तहत ट्विटर ने जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन के भ्रष्ट आचरण के बारे में किए गए खुलासों को दबाया। आरोप है कि बाइडन की चुनावी संभावनाएं कमजोर ना हों, इसलिए डेमोक्रेटिक पार्टी समर्थक मीडिया समूहों ने इस खबर को दबा दिया।

न्यूज ब्रीफ

मून मिशन पूरा कर ओरियन पृथ्वी की ओर रवाना, शानदार फुटेज से हर कोई हैरान

वॉशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) के ओरियन अंतरिक्ष यान ने मून मिशन पूरा कर लिया है। ओरियन सोमवार को चंद्रमा के करीब से गुजरा और उसने पृथ्वी की ओर लौटने के लिए गुरुत्वाकर्षण सहायता का उपयोग किया। इसी के साथ आर्टेमिस-1 मिशन के लिए वापसी की यात्रा शुरू हो गई है। बिना चालक दल वाले नासा के ओरियन अंतरिक्ष यान ने अपने निकटतम बिंदु से 80 मील (130 किलोमीटर) से कम की उड़ान भरी। इस दौरान चंद्रमा के पास पहुंचने पर कैप्सूल के साथ संचार 30 मिनट के लिए बाधित भी हुआ। ओरियन कार्यक्रम के डिप्टी मैनेजर डेबी कोर्थ ने कहा अंतरिक्ष यान कैसा प्रदर्शन कर रहा है, इसके बारे में हम इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकते। मगर संचार बहाल होने पर शानदार फुटेज स्क्रीन पर चमकने लगी। कमरे में मौजूद हर शख्स इस फुटेज को देखता ही रह गया। नासा के मेगा मून रॉकेट एसएलएस ने 16 नवंबर को फ्लोरिडा से उड़ान भरी थी। शुरू से अंत तक ये यात्रा करीब साढ़े 25 दिनों तक चली है। उल्लेखनीय है कि ओरियन अंतरिक्ष यान रविवार 11 दिसंबर को स्थानीय समयानुसार सुबह 9: 40 बजे सैन डिएगो से दूर प्रशांत महासागर में लैंड कर सकता है। जिसके बाद इसे अमेरिकी नौसेना के जहाज पर चढ़ाया जाएगा। इससे पहले मिशन के दौरान ओरियन ने चंद्रमा के चारों ओर दूरस्थ रेट्रोग्रेड कक्षा में लगभग छह दिन बिताए। एक सप्ताह पहले ओरियन ने हमारे ग्रह से 450,000 किलोमीटर की दूरी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। आर्टेमिस मिशन मैनेजर माइक सराफिन ने कहा, एक बार जब यह पृथ्वी पर वापस आ जाएगा, तो ओरियन 14 करोड़ मील से अधिक की यात्रा कर चुका होगा। उल्लेखनीय है कि नासा 2025 में चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने की योजना पर काम कर रहा है।

भारत विविधताओं का घर, धार्मिक स्वतंत्रता पर जारी रहेगा समर्थन, अमेरिका का एलान

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर भारत की सराहना की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने मंगलवार को कहा, दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र वाला देश भारत, विभिन्न मान्यताओं की विविधता वाला घर है। उन्होंने कहा, सभी की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता के लिए वह भारत का प्रोत्साहित करना जारी रखेगा। नेड प्राइस ने कहा, भारत निश्चित रूप से दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह अगल-अगल विश्वासों व मान्यताओं की एक महान विविधता का घर है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट में कुछ ऐसी चिंताएं व्यक्त की गई हैं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, हम भारत सहित सभी देशों में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति की निगरानी करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत एक स्थायी परियोजना के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। दरअसल, हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका ने चीन, पाकिस्तान और म्यांमार सहित 12 देशों को धार्मिक स्वतंत्रता की वर्तमान स्थिति के लिए विशेष चिंता वाले देशों के रूप में नामित किया है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में बिजली और गेहूं की भारी किल्लत, लोगों ने किया प्रदर्शन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के स्कार्दू शहर के लोगों ने बिजली और गेहूं की कमी को लेकर अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने दी। डॉन के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने लालटेन लेकर सरकार के खिलाफ मार्च निकाला। शहर के हुसैनी चौक में प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बाल्टिस्तान अवामी एक्शन कमेटी के आह्वान पर कई राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा लिया। कमेटी के एक प्रवक्ता ने कहा कि कड़ाके की ठंड के बीच स्कार्दू को 22 घंटे तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली कटौती के अलावा लोग गेहूं की कमी से जूझ रहे हैं।

ईरान में स्टूडेंट्स के खिलाफ साजिश

सरकार विरोधी प्रदर्शन के 24 घंटे पहले 1200 छात्र बीमार, पानी में जहर मिलाने का आरोप

तेहरान।
ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन के ठीक एक दिन पहले देश की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी के करीब 1200 स्टूडेंट्स गंभीर रूप से बीमार हो गए हैं। खास बात यह है कि बीमार हुए सभी छात्रों को एक जैसी ही परेशानियां हैं। इनमें उल्टी, जबरदस्त बॉडी पेन और दिमागी दिक्कत शामिल है। नेशनल स्टूडेंट यूनियन के मुताबिक, खाराजामी और अर्क यूनवर्सिटी के सभी स्टूडेंट्स इस वक्त हॉस्पिटल में एडमिट हैं। यूनियन का आरोप है कि इन स्टूडेंट्स के हॉस्टल के पानी में जहर मिलाया गया और यह साजिश सरकार और उसकी एजेंसियों ने विरोध प्रदर्शन रोकने के लिए की है।

सरकार की सफाई - स्टूडेंट यूनियन का आरोप है कि हॉस्टल के वॉटर सप्लाई सोर्स में जहर मिलाया गया है। इस आरोप के बाद सरकारी अफसरों ने कहा- हम ये मानते हैं कि स्टूडेंट्स बीमार हुए हैं। इसकी वजह खराब पानी है। पानी में बैक्टीरिया पनपे और इसको पीने से स्टूडेंट्स बीमार हुए। खास बात यह है कि मंगलवार को भी तेहरान की दो यूनवर्सिटीज में बिल्कुल इसी तरह की घटना हुई थी। तब तेहरान की अल जाहरा और इश्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के स्टूडेंट्स इसी तरह से बीमार हुए थे। माना जा रहा है कि खराब पानी ऑफिशियल कैंटीन से सप्लाई किया जा रहा था। एक टेलिग्राम चैनल पर यूनियन ने कहा- हमने इश्फहान यूनिवर्सिटी की घटना के बारे में प्रशासन को जानकारी दे दी थी। इसमें कोई दो राय नहीं कि स्टूडेंट मास फूड प्वॉयजनिंग का शिकार हुए हैं।

क्लीनिक्स में मेडिसन भी नहीं - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हालात इस कदर खराब हो गए हैं कि यूनिवर्सिटी के क्लीनिक्स में डी-हायड्रेशन की दवाइयां तक खत्म हो गई हैं। लिहाजा, शक जताया जा रहा है कि यह सब एक प्लानिंग के तहत किया गया है ताकि स्टूडेंट्स हिजाब और सरकार विरोधी प्रदर्शनों में हिस्सा न ले सकें। स्टूडेंट्स यूनियन का आरोप है कि मॉरेलिटी पुलिसिंग खत्म करने की अफवाहें सरकार इसलिए फैला रही है ताकि छात्रों के बीच गलतफहमी पैदा की जा सके। इस बीच, सियासी तौर पर भी एक बड़ा डेवलपमेंट हुआ। ईरान के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद खट्टामी ने हिजाब और सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों को समर्थन देने का ऐलान किया है। 79 साल के खट्टामी 1997 और 2005 में राष्ट्रपति रह चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम लोगों के हक छीन रही है और जो इसका विरोध कर रहे हैं उन्हें सजा दी जा रही है। ये देश के लिए बेहद खतरनाक है।

क्यों शुरू हुआ विरोध - ईरान में 16 सितंबर को मॉरेलिटी पुलिस की कस्टडी में 23 साल की स्टूडेंट महसा अमिनी की मौत हो गई थी। उसे पुलिस ने हिजाब न पहनने के आरोप में गिरफ्तार किया था। अमिनी की मौत के बाद हिजाब और सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरू हुए। 300 लोगों की मौत हो चुकी है और ये अब भी जारी हैं। 13 सितंबर को 22 साल की महसा अमिनी अपने परिवार से मिलने तेहरान आई थी। उसने हिजाब नहीं पहना था। पुलिस ने तुरंत महसा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के 3 दिन बाद, यानी 16 सितंबर को उसकी मौत हो गई। इसके बाद मामला सुर्खियों में आया।

सरकार की मॉरल पुलिसिंग के खिलाफ युवाओं ने गरशाद नाम का मोबाइल ऐप बना लिया है। इस ऐप को अब तक करीब 20 लाख लोग डाउनलोड कर चुके हैं। युवा इसके जरिए सीक्रेट मैसेज चला रहे हैं। इसे देखते हुए तेहरान में मोबाइल इंटरनेट बंद है। हालांकि सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद सरकार विरोधी प्रदर्शन कम नहीं हो रहे हैं। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमिनी गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद ही कोमा में चली गई थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। परिवार का कहना है कि महसा को कोई बीमारी नहीं थी। उसकी हेल्थ बिल्कुल ठीक थी। हालांकि उसकी मौत सस्पीशियस (संदिग्ध) बताई जा रही है। रिपोर्ट्स में कहा गया- महसा के पुलिस स्टेशन पहुंचने और अस्पताल जाने के बीच क्या हुआ यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। ईरान में हो रहे ह्यूमन राइट्स वॉयलेशन पर नजर रखने वाले चैनल ने कहा कि अमिनी की मौत सिर पर चोट लगने से हुई।

रूस पर यूक्रेन का हमला: अमेरिका पर उकसाने का आरोप, बाइडन के मंत्री बोले- इसमें हमारा कोई हाथ नहीं

वाशिंगटन।
यूक्रेन ने लगातार दूसरे दिन रूस में घुसकर उसके एक और वायुसेना अड्डे को तबाह कर दिया। ड्रोन हमले में वायुसेना अड्डे से आग की लपटें उठने की तस्वीरें भी सामने आई हैं। लगातार अपने ऊपर हमले से नाराज रूस ने इसके लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहरा दिया है। रूस का कहना है कि अमेरिका यूक्रेन को सैन्य मदद भेज रहा है। वहीं रूस के आरोप लगाने के बाद अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सफाई दी है। ब्लिंकन ने कहा कि हमारे ऊपर लग रहे आरोप बिल्कुल निराधार हैं। हमने यूक्रेन को हमले के लिए नहीं उसकाया है।

दरअसल, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ड्रोन हमलों के मद्देनजर अपनी सुरक्षा परिषद बुलाई थी। इस बैठक में देश की सुरक्षा में सेंध लगाने को लेकर चर्चा हुई। इस बैठक में सैन्य अधिकारियों ने अमेरिका को इस हमले के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया क्योंकि अमेरिका ने अब तक इस हमले की निंदा नहीं की। इतना ही नहीं इस बार यूक्रेन भी हमले को सीधे तौर पर स्वीकार करने से बच रहा है। रूस के कड़े तेवर और अमेरिका ने यूक्रेन को रोकी मिसाइलों की आपूर्ति यूक्रेन द्वारा रूस पर हमले के बाद अमेरिका ने लंबी दूरी की मिसाइलों को यूक्रेन को देने से इंकार कर दिया। अमेरिका को डर है कि इससे रूसी सेना, अमेरिका और नाटो की सेनाओं के बीच सीधा टकराव हो सकता है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन सोमवार को कुर्स्क, रियाजान और सेराटोव में ठिकानों को निशाना बनाने के लिए पुराने लंबी दूरी के सोवियत युग के टोही ड्रोन से हमला किया था। रूस के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले दो एयरबेस पर यूक्रेन के ड्रोन विमान ने सोमवार को हमला कर दिया था। इस हमले में पुतिन के तीन सैनिकों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। बताया जा रहा है कि इन ड्रोन हमलों में रूस के दो परमाणु बॉम्बर भी तबाह हो गए हैं। बता दें कि रूस ने इन बॉम्बर्स को यूक्रेन और ब्रिटेन को डराने के लिए तैनात किया था। वहीं यूक्रेन की तरफ से और हमलों के खतरे को देखते हुए रूसी एयरबेस को हाई अलर्ट पर कर दिया गया है। इससे पहले, सेराटोव में एंगेल्स एयरबेस और रियाज़ान में डायगिलेवो एयरबेस में बड़े विस्फोटों की सूचना मिली थी, लेकिन इसपर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई थी।

बेंजामिन नेतन्याहू को इस्राइल में गठबंधन सरकार के लिए चाहिए एक और पार्टी, मांग सकते हैं और समय

येरुशलम।
बेंजामिन नेतन्याहू एक बार फिर जल्द ही इस्राइल के प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे। लेकिन इससे पहले कई अड़चनें उनके बीच में आ रही हैं। सरकार बनाने के लिए उन्होंने अपनी लिकुड पार्टी के साथ मंगलवार को यूनाइटेड टोरा यहूदी धर्म (यूटीजे) के साथ एक अंतरिम गठबंधन समझौते पर हस्ताक्षर किए। वहीं इस्राइल के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बेंजामिन नेतन्याहू को संसदीय बहुमत हासिल करने के लिए गठबंधन में साथी कम हैं।

इस्राइल में एक नवंबर को आम चुनाव के परिणाम आए थे। इसके बाद, नेतन्याहू को गठबंधन पेश करने के लिए 28 दिनों का समय दिया गया था। हालांकि नेतन्याहू की पार्टी ने धार्मिक-राष्ट्रवादी दलों के मजबूत प्रदर्शन को देखते हुए गठबंधन करने के लिए बातचीत की बात कही थी, लेकिन बातचीत लंबी साबित हुई है। वहीं अब इस्राइली नेता नेतन्याहू को गठबंधन

के लिए एक और पार्टी चाहिए। इसके लिए वह और वक्त मांग सकते हैं। नेतन्याहू इसके पहले 14 वर्ष प्रधानमंत्री पद पर रह चुके हैं। लेकिन इस बार जब वे इस पद पर आ रहे हैं, तब अंतरराष्ट्रीय हालात बदले हुए हैं। ईरान के साथ उनके रिश्ते हमेशा बेहद तनावपूर्ण रहे। इस बीच अंतरराष्ट्रीय मंच पर ईरान की भूमिका बढ़ी है। यूक्रेन युद्ध में रूस ने जिस तरह वहां बने ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया है, उससे ईरान को अब अधिक मजबूत शक्ति के रूप में देखा जा रहा है।

लगभग चार सालों के पांच चुनावों के बाद एक नवंबर को हुए संसदीय चुनावों में नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने 120 में से 64 सीटों पर जीत हासिल की। लिकुड पार्टी ने एक बयान में कहा कि उसने इतामार बेन-गवीर के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जो एक चरमपंथी राजनीतिज्ञ हैं।

क्रिश्चियन मिशेल ने ब्रिटिश पीएम को लिखा पत्र, तिहाड़ जेल में दुर्व्यवहार का लगाया आरोप

लंदन। अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाला मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल ने तिहाड़ जेल से ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को लिखे पांच पन्नों के पत्र में दावा किया है कि दिल्ली में उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। उन्हें बिना किसी मुकदमे के, बिना किसी आरोप के और बिना किसी जमानत के चार साल से जेल में रखा जा रहा है। ब्रिटेन के एक करीबी सूत्र ने पुष्टि की, कि सुनक को 5 नवंबर का पत्र भेजा गया, जो वास्तव में मिशेल द्वारा लिखा गया है। पत्र की कॉपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ब्रिटिश गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन और मिशेल के ब्रिटिश वकील टोबी कैडमैन सहित अन्य को भेजी गई है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) 3,600 करोड़ रुपये में 12 अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर खरीदने के लिए 2010 के एक सौदे में दलाली के आरोपों की जांच कर रहे हैं।

विरोध प्रदर्शन के बाद बैकफुट पर चीन सरकार, कोरोना नियमों में दी गई ढील

बीजिंग।
चीन में जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ लोग गुस्से में हैं। सड़क पर प्रदर्शन हो रहे हैं, जिससे चीन सरकार बैकफुट पर आ गई है। जानकारी के मुताबिक, चीन में अब नागरिकों को क्वारंटीन और लॉकडाउन के नियमों से ढील दी गई है। चीन सरकार का कहना है कि अब नागरिकों को उनके घरों पर क्वारंटीन रहने की अनुमति दी गई है। कहा गया है कि जिन लोगों में हल्के या एक भी लक्षण नहीं हैं, वे घर में रह कर अपना इलाज करा सकते हैं। इसके अलावा सार्वजनिक जगहों से पीसीआर टेस्ट की अनिवार्यता को भी खत्म कर दिया गया है। सिर्फ स्कूलों और अस्पतालों में पीसीआर टेस्ट अनिवार्य होगा। चीन के कड़े कोरोना नियमों में ये बदलाव कई शहरों में हुए प्रदर्शन के बाद हुए हैं।

जीरो-कोविड पॉलिसी से खींचे कदम - चीन में कोरोना नियमों में दी गई ढील का साफ मतलब है कि जिनपिंग सरकार अपनी जीरो कोविड पॉलिसी से कदम पीछे खींच रही है। अब यहां के लोगों को वायरस के साथ जीना होगा, जैसा कि दुनिया के अन्य देश कर रहे हैं। चीन में यह कदम तब उठाए जा रहे हैं, जब देश में प्रतिदिन 30 हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं।

जीरो कोविड नीति में राहत - चीन सरकार का कहना है कि ज्यादातर संक्रमित अब सरकारी कोविड केंद्रों के बजाए घरों में ही आइसोलेट रह सकेंगे। हल्के या बिना लक्षण वाले मरीज घर पर रह कर स्वयं के संक्रमित होने की रिपोर्ट कर सकते हैं। अस्पतालों और स्कूलों को छोड़कर अधिकांश सार्वजनिक स्थानों के लिए पीसीआर टेस्ट की अनिवार्यता समाप्त। अब लॉकडाउन और सीमित इलाकों में लागू किया जाएगा। जैसे कि कुछ भवन, कुछ इकाइयां, कुछ मंजिलें। पहले पूरे शहर या आसपास के इलाकों में लॉकडाउन किया जाता था। नई लॉकडाउन गाइडलाइन में कहा गया है कि उच्च जोखिम वाले इलाकों में यह पांच दिन तक कोई नया केस नहीं मिले तो उन्हें खोल दिया जाए।

तालिबान ने पाक फौजी का सिर काटा

कत्ल के बाद सैनिक का शव पेड़ पर लटकाया, लोगों से कहा- जनाजे में शामिल न हों

पेशावर।
पाकिस्तान सरकार और (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) के बीच सीजफायर खत्म होने का असर नजर आने लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अफगानिस्तान की बॉर्डर से सटे खैबर पख्तूख्वा में एक पाकिस्तानी सैनिक का कत्ल किया। इसके बाद उसका शव पेड़ पर लटका दिया। डेड बॉडी के साथ एक धमकी भरी चिट्ठी भी लगाई। इसमें स्थानीय लोगों से कहा गया था कि कोई भी मरने वाले के जनाजे में शिरकत न करे, वरना अंजाम बुरा होगा।

फौज और सरकार ने चुप्पी साधी - मारे गए पाकिस्तानी फौजी का नाम रहमान जमान बताया गया है। अफगानिस्तान के जर्नलिस्ट सुहैब जुबेरी ने सोशल मीडिया पर तालिबान क्रूरता की

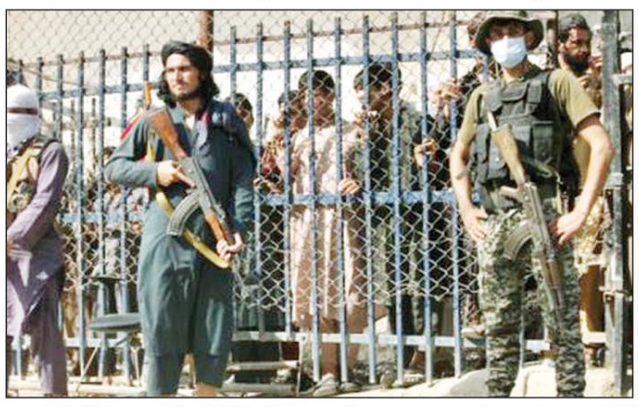

जानकारी दी है। कुछ और लोगों ने भी इस बारे में सोशल मीडिया पर ही जानकारी दी है। हैरानी की बात यह है कि पाकिस्तान फौज या सरकार की तरफ से इस बारे में अब तक कोई बयान जारी नहीं किया गया है। सुहैब के मुताबिक- फौजी रहमान का सिर काटने की घटना बन्नू जिले के जानी खेल इलाके में हुई। बाद में उसका सिर बाजार में एक पेड़ से लटका दिया गया। शव के साथ स्थानीय पश्तो भाषा में लिखी एक चिट्ठी भी थी। इसमें लिखा था कि कोई भी व्यक्ति मारे गए सैनिक के जनाजे में शिरकत न करे। वरना इसका अंजाम बुरा होगा। नोबेल पीस प्राइज विनर पाकिस्तान की एक्टिविस्ट मलाला यूसुफजई के पिता जियाउद्दीन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसी इलाके की एक और घटना के बारे में जानकारी दी है। जियाउद्दीन के मुताबिक- सोमवार देर रात बन्नू जिले के जानी खेल एरिया के एक घर में आतंकी घुसे।

यहां उन्होंने रहमानउल्लाह और उनके बेटे शाहिद की गोली मारकर हत्या कर दी। रहमानउल्लाह का शव भी पेड़ से लटका दिया गया। इस परिवार में सिर्फ एक 10 साल की बच्ची ही बची है। जियाउद्दीन ने उसका फोटो भी शेयर किया है। खैबर पख्तूनख्वा में 9 साल से इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की सरकार है। इस राज्य में लॉ एंड ऑर्डर के हालात इस कदर खराब हैं कि तालिबान पाकिस्तान यहां कारोबारियों से हफ्ता वसूली करता है। सरकार में तालिबान के मुखबिर मौजूद हैं। ये फौज या पुलिस के किसी भी ऑपरेशन की जानकारी पहले ही दे देते हैं। पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार ने पिछले हफ्ते विदेश राज्यमंत्री हिना रब्बानी खार को अफगानिस्तान दौरे पर भेजा था। खार ने तालिबान हुकूमत से अपील में कहा था कि वो पाकिस्तान में हमले करने से रोकें।

खालिस्तानियों के वीजा की जांच करेगा ऑस्ट्रेलिया: अलगाववादी नेताओं के मूवमेंट की निगरानी होगी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में भारत विरोधी गतिविधियों पर वहां की सरकार अब सख्त एक्शन लेने की तैयारी में है। ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में भारत के खिलाफ हो रही खालिस्तानी साजिशों को लेकर एक बैठक की गई। जिसके बाद कैनबरा के ऑफिशियल्स ने बताया है कि सुरक्षा एजेंसियों से इस मामले को लेकर काम करने को कहा गया है। दरअसल भारत लगातार ऑस्ट्रेलिया में चल रही खालिस्तानी मुवमेंट के विस्तार को लेकर शिकायत करता रहा है। साथ ही पीएम मोदी भी क्राड नेताओं की मीटिंग में शामिल होने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे।

भारत जोड़ो यात्रा पर राजे का तंज

चार साल बाद सिर्फ खास मेहमानों का विकास हुआ

झालावाड़ (हि.स.)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि कांग्रेस सरकार ने जनता की नहीं, खुद की परवाह की। जनता के लिए नहीं, खुद के लिए काम किया। लोगों को बचाने के बजाय खुद को बचाने में पूरे चार साल लगा दिये। इस सरकार के खिलाफ यह जन आक्रोश भाजपा और जनता में ही नहीं, खुद कांग्रेस के नेताओं, कांग्रेस के विधायकों और मंत्रियों में भी है। राजे झालरापाटन विधान सभा क्षेत्र के कनवाड़ी गांव में राम कुंड बालाजी नामक स्थान से जन आक्रोश रैली को वर्चुअली सम्बोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि यह सरकार झालावाड़ की उपेक्षा इसलिए कर रही हैं, क्योंकि भाजपा, मैं और सांसद दुष्यंत सिंह यहां से है। राजे ने चुटकी लेते हुए कहा कि हां चार साल बाद दो चार दिन पहले ज़रूर यहां की सड़के चमाचम हो गई, लेकिन आम के लिए नहीं। खास मेहमान के लिए। वे जहां से गुजर रहें हैं, वहां विकास। जो घरेलू बिजली गांवों में कभी आती थी, कभी नहीं। वो इस क्षेत्र में खास मेहमान के आने के कारण 24 घंटे जलने लगी,पर चार दिन की चांदनी और फिर अंधेरी रात। मेहमान गए और विकास गायब। उन्होंने कहा कि आप चिंता न करें अंधेरा छंटेगा,सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा। ये थे मौजूद- पूर्व विधायक ममता शर्मा, आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा, जिला प्रमुख प्रेम बाई डांगी, पूर्व विधायक निर्मल सकलेचा व कन्हिया लाल पाटीदार, नगर परिषद चेयरमैन प्रदीप सिंह राजावत, झालरापाटन नगर पालिका अध्यक्ष हर्षा जैन, दिनेश करावन सहित कई भाजपा नेता।

राहुल की यात्रा से लौट रही वाहन दुर्घटनाग्रस्त चालक की मौत

भीलवाड़ा (हि.स.)। कोटा में कांग्रेस नेता राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से लौट रहे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की गाड़ी को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे में गाड़ी ड्राइवर की मौके पर मौत हो गई। जबकि पूर्व सरपंच सहित पांच लोग घायल हुए हैं। हादसा बूंदी से गुजर रहे संतुर चौराहे से शक्करगढ़ के बीच में हुआ है। सभी घायलों को बूंदी के हॉस्पिटल में भर्ती करवाया है। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी आगे से पूरी तरह तहस नहस हो गई। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बुधवार को कोटा पहुंची। जिसमें भाग लेने के लिए भीलवाड़ा के जहाजपुर से पूर्व सरपंच रामसिंह की गाड़ी में कार्यकर्ता गए थे। बुधवार को सभी लौट रहे थे। इस दौरान संतुर चौराहे व शक्करगढ़ के बीच उनकी स्कार्पियो एक ट्रेलर से टकरा गई। इस गाड़ी में ब्लॉक सेवादल अध्यक्ष व पार्षद अनिल उपाध्याय, धुंवाला सरपंच रामसिंह सहित कई कार्यकर्ता सवार थे। हादसे में गाड़ी के ड्राइवर रामचंद्र की मौके पर ही मौत हो गई और तीन घायल हो गए। घायलों को बूंदी के हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

राजस्थान के लोगों की मौतों का सिलसिला कब रुकेगा : डॉ. पूनियां

जयपुर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने हिंडौनसिटी पहुंचकर दूषित पानी से बीमार हुए बच्चों व लोगों से सरकारी अस्पताल में मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी और चिकित्सकों से परामर्श कर पीड़ितों के बेहतर इलाज का आग्रह किया। इससे पहले सिकंदरा में भाजपा जनाक्रोश रथयात्रा चौपाल को संबोधित करते हुए पूनियां ने कहा कि, यहां की जनता की अदालत साक्षी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मेरा तीसरा सवाल है कि राजस्थान के लोगों की मौतों का सिलसिला कब रुकेगा। दूषित पानी से मौतों का सिलसिला कब रुकेगा, राजस्थान की जो 30 प्रतिशत जनता दूषित पानी पी रही है, उसे स्वच्छ पानी कब मिलेगा, यह मेरा तीसरा सवाल है राहुल गांधी से कि आपकी कांग्रेस सरकार यह मौतों का सिलसिला कब रोकेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दूषित पानी से मृतकों के परिजनों को आर्थिक संबल प्रदान करें। परिजनों की जो भी मांगे हैं पर शीघ्राताशीघ्र विचार कर अमल करें। हिंडौनसिटी सहित प्रदेश के जिन भी इलाकों में दूषित पेयजल है। वहां स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने पर गंभीरता से विचार कर योजना को धरातल पर उतारें। हिंडौन में मीडिया से बातचीत में सतीश पूनियां ने कहा कि, दूषित पेयजल से बीमार होना और मौत हो जाना यह कोई सामान्य घटना नहीं है। दूषित पानी से दो लोगों की मौत की जानकारी मिली है, कई लोगों के गंभीर बीमार होने की जानकारी मिली है। यह जो घटना दूषित पेयजल की हुई है, आप लोगों के संज्ञान में रहे कि राजस्थान में 30 प्रतिशत लोग दूषित पेयजल पीने को मजबूर हैं। पूनियां ने कहा कि मुझे ताजुब्ब हुआ कि राज्य की अशोक गहलोत सरकार के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री का कहना है कि, सरकार योजना बना रही है। हम उनसे पूछना चाहते हैं कि पिछले चार वर्षों से सरकार क्या कर रही थी? उन्होंने कहा कि सरकार तो उत्तरार्ध पर है। कांग्रेस सरकार के मंत्री का यह गैर जिम्मेदाराना बयान है। इन्हीं के सरकार के विज्ञापन में लिखा हुआ है कि जल ही जीवन है, जिसमें मुख्यमंत्री की मुस्कुराते हुए फोटो भी है, लेकिन हालात से यह लग रहा है कि हिंडौन में तो जल ही जहर है। बहुत दुखद बात है कि दूषित पानी की इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी राज्य सरकार के किसी भी नुमाइंदे ने ना पीड़ितों के हालचाल जाने, ना चिकित्सा व्यवस्थाओं को देखा, ना उन्हें संबल देने का कोई काम किया।

दिल्ली में चला आप का झाड़ू तो गद्गद हुए सीएम मान

चंडीगढ़। दिल्ली नगर निगम में आप का अपना झाड़ू चल गया है। भाजपा के 15 वर्ष के शासन को मैदान में से साफ कर दिया है। इसी जीत की खुशी में गदगद हुए भगवंत मान दिल्ली में अरविंद केजरीवाल को बधाई देने पहुंचे। उन्होंने कहा कि 15 वर्ष से शासन कर रही बी.जे.पी. को उन्होंने हरा दिया है। आप ने एम.सी.डी. में क्लीन स्वीप कर दी। भाजपा के सभी सांसद दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे थे। भगवंत मान ने कहा कि भाजपा कह रही थी कि एग्जिट पोल गलत साबित हो रहे हैं तो गुजरात एग्जिट पोल भी गलत साबित होंगे। गौरतलब है कि आप ने एम.सी.डी. की सत्ता पर 15 वर्ष से काबिज भाजपा को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। वहीं इस चुनाव में बड़े दिलचस्प नतीजे सामने आए हैं। आप ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है।

अवसरवादी नेताओं से है जम्मू को सबसे बड़ा खतरा : हर्ष देव

उधमपुर/चिनैनी (हि.स.)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री हर्ष देव सिंह ने बुधवार को चनैनी विधानसभा क्षेत्र के सत्यालता व मलाल का दौरा किया तथा वहां पर जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवा शासन की लगातार छाती पीटने के बावजूद जहां जम्मू क्षेत्र हार रहा है और पीड़ित है, वहीं डोगरा भूमि के लोगों को सत्ता की भ्रामक राजनीति का एक व्यवहार्य विकल्प खोजने के लिए गंभीर विचार करने की आवश्यकता है। यह दुख की बात है कि जम्मू क्षेत्र के विपक्षी नेता एक-एक करके अपनी-अपनी पार्टियों को छोड़कर भाजपा या कश्मीर केंद्रित पार्टियों की गोद में जा रहे हैं और ये वही नेता हैं जो निहित स्वार्थों और उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भाजपा पर डोगरों की भावनाओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए जम्मू की शपथ लेते थे। जब वे सभी भाजपा और पीडीपी को जम्मू-विरोधी पार्टियों और उनके नेताओं को सत्ता के भूखे राजनेताओं के रूप में चित्रित करते रहे, तो उन्होंने उन्हें पहले उपलब्ध अवसर पर गले लगाने और उन्हें अपने नेताओं के रूप में स्वीकार करने का विकल्प चुना। जबकि जम्मू के इन उड़ाऊ पुत्रों में से कुछ भाजपा का चयन कर रहे हैं, अन्य ने जेकेएपी को अपने संरक्षक और रक्षक के रूप में चुना है। अवसरवादी नेताओं से सावधान रहने की लोगों से अपील करते हुए सिंह ने कहा कि जम्मू क्षेत्र को अक्सर अपने ही नेताओं ने धोखा दिया है। वर्ष 2014 में डोगरा भूमि ने भगवा पार्टी को बड़े पैमाने पर जनादेश दिया और अपने 25 विधानसभा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित की। दोनों सांसद सीटें भी उसकी झोली में आ गईं। लेकिन इसने क्या किया। इसने पीडीपी के नेतृत्व को स्वीकार करते हुए पूरे कार्यकाल के लिए सीएम की कुर्सी छोड़ दी जिसे उन्होंने उक्त चुनावों के दौरान खत्म करने की कसम खाई थी। जिन लोगों को भाजपा ने राक्षसों के रूप में पेश किया था, उन्हें भागीदारों के रूप में गले लगा लिया गया था। और बाद में पीडीपी-भाजपा गठबंधन के पतन के बाद भी, इसने पीसी के सज्जाद लोन को सत्ता की बागडोर सौंपने का एक हताश लेकिन असफल प्रयास किया, जिसके कश्मीर से केवल दो विधायक थे। अब फिर यह भगवा पार्टी है जो कथित तौर पर कश्मीर आधारित नई पार्टियों को उभरने के लिए मौन और प्रत्यक्ष समर्थन प्रदान कर रही है। जेकेएपी और पीसी को देश के शीर्ष नेतृत्व द्वारा बिना किसी परेशानी के नई दिल्ली में सत्ता के गलियारों तक उनकी आसान पहुंच बना दी है। उक्त पार्टियों को गांधी नगर में उनके राजनीतिक कार्यालय के लिए स्टेट बंगले भी आवंटित किए गए हैं जो वर्तमान में राज्य भाजपा अध्यक्ष के आवासीय बगलें हैं। निकट भविष्य में एक नया गठबंधन सत्ता हथियाने का एक नया प्रयोग, नए संगठनों और भाजपा में नए प्रवेशकों के पक्ष में प्रचार करने के लिए मीडिया का पूरा फायदा उठाया जा रहा है।

यमुनानगर : गन्ने के दाम पर किसान कर रहे है आंदोलन की तैयारी

यमुनानगर (हि.स.)। भारतीय किसान यूनियन की एक विशेष बैठक बुधवार को गन्ने के दाम को लेकर बिलासपुर में हुई। जिसकी अध्यक्षता नायब सिंह बटेड़ी प्रधान बिलासपुर ने की। इस मौके पर बातचीत करते हुए जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा कि आज शुगर मिल को चले पूरे प्रदेश में महीना हो गया है, लेकिन सरकार ने गन्ने के रेट को लेकर कोई बात नहीं की। इससे स्पष्ट जाहिर होता है कि यह सरकार पूंजीपतियों की सरकार है और किसान को बर्बाद करना चाहती है। उन्होंने कहा कि धान और गेहूं की फसल बीमारी के कारण खराब हो गई थी। लेकिन आज तक किसी भी किसान को कोई मुआवजा नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि जिला में पैक्स में युरिया खाद भी नहीं मिल रहा है। किसान खाद के लिए धक्के खा रहे हैं। किसान की हालत बदतर से बदतर हो गई है। और सरकार किसानों को बिजली के अनाप-शनाप बिल भेजकर उनके कनेक्शन काटकर परेशान कर रही हैं।उन्होंने कहा कि भारी भरकम बिल जो कभी बिजली विभाग ने री-चेकिंग भी नहीं किए। बिल ठीक कराने के लिए अगर बिजली विभाग के दफ्तर में जाते हैं तो उनके साथ बदसलूकी की जाती है। बिजली बिलो को लेकर किसान और मजदूर परेशान है। इसी को लेकर 10 दिसंबर को बिलासपुर मे मंडल स्तरीय एक अहम बैठक प्रदेश अध्यक्ष रतनमान के नेतृत्व में होगी। जिसमें 15 दिसंबर को गन्ने के रेट को लेकर प्रदर्शन और अन्य किसानों से जुड़े बिजली और खाद के मुद्दों को लेकर विशेष बात की जाएगी।

कोहरे के कारण देरी से चलने की समस्या से निपटने के लिए रेलवे ने उठाए कई कदम

जयपुर (हि.स.)। भारतीय रेलवे ने सर्दी के मौसम में कोहरे के कारण रेलगाड़ियों के संचालन के लिए सुरक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए देश के उत्तरी भागों में कोहरे के दौरान रेलगाड़ियों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। रेलवे सूत्रों के अनुसार यह निर्णय लिया गया है कि रेल इंजन में कोहरे से बचने के उपकरणों के उपयोग से कोहरे/खराब मौसम की स्थिति के दौरान अधिकतम अनुमेय गति को 60 किलोमीटर प्रति घंटे से बढ़ाकर 75 किलोमीटर प्रति घंटा किया जा सकता है। कोहरे से प्रभावित क्षेत्रों में चलने वाले सभी रेल इंजन में लोको पायलट को सुरक्षा के विश्वसनीय उपकरण उपलब्ध कराए जा सकते हैं। साथ ही डेटोनेटरों की नियुक्ति और डेटोनेटरों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने, डिटोनेटिंग सिग्नल, जिन्हें डेटोनेटर या फॉग सिग्नल के रूप में जाना जाता है, ऐसे उपकरण हैं जो पटरियों पर लगा दिए जाते हैं और जब कोई इंजन उनके ऊपर से गुजरता है, तो वे चालक का ध्यान आकर्षित करने के लिए जोर से विस्फोट करते हैं। साथ ही नए मौजूदा सीटिंग कम लगेज रेक (एसएलआर) में पहले से ही एलईडी आधारित फ्लैशर टेल लाइट लगाई जा रही है, इसलिए फिक्स्ड रेड लाइट वाले मौजूदा एसएलआर को संशोधित किया जाना चाहिए और एलईडी लाइट के साथ फिक्स किया जाना चाहिए। कोहरे के मौसम में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रयास होगा। स्टेशनरी ड्यूटी पर तैनात सभी कर्मचारियों (लोको पायलट/सहायक लोको पायलट और गार्ड) को विशेष रूप से कोहरे के दौरान रेलगाडियां चलाने के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। साथ ही लेवल क्रॉसिंग पर गेटमैन और सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी देने के लिए लोको पायलट बार-बार सीटी बजाते रहें।

सिदडा में धमाके के बाद सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी

जम्मू (हि.स.)। जम्मू के सिदडा इलाके में मंगलवार देररात तवी पुल के पास जोरदार धमाका होने के बाद सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी है। सुरक्षाबलों ने बुधवार सुबह पुल के पास जंगल और तवी नदी के क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। सिदडा इलाके में तवी पुल के पास पुलिस का एक नाका है। नाके पर तैनात जवानों ने देररात धमाके की जोरदार आवाज सुनी। सूचना पाकर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे। इसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस के आतंक विरोधी दस्ते स्पेशल आपरेशन ग्रुप के जवानों को बुलाया गया। धमाके के फौरन बाद इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया। रात का अंधेरा होने के कारण सुरक्षाबल गहनता से तलाशी अभियान नहीं चला सके थे। बुधवार सुबह होते ही तलाशी अभियान शुरू किया गया।

शिक्षा मंत्री के गृह जिले में विद्यार्थी परेशान, किया पैदल मार्च

बीकानेर (हि.स.)। शिक्षा मंत्री सहित तीन मंत्रियों (शिक्षामंत्री डॉ. बी.डी.कल्ला, ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी, आपदा राहत मंत्री गोविंदराम मेघवाल) के गृह जिला होने के बाद भी स्कूलों में रिक्त पड़े पदों को लेकर विद्यार्थियों को सिस्टम से दो दो हाथ करना पड़ रहा है और पैदल कूच कर अपनी मांग के लिये जिला प्रशासन का दरवाजा खटखटाने को मजबूर होना पड़ा। मामला राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अमरपुरा स्कूल में शिक्षकों के रिक्त पड़ें पदों को लेकर विद्यार्थियों और अभिभावकों के फूटे आक्रोश का है। जिसके चलते उन्हें सौ किलोमीटर की पैदल यात्रा कर अपनी मांग मनवाने के लिये जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करना पड़ा। सौ से ज्यादा विद्यार्थियों ने दो दिन से स्कूल में तालेबंदी कर रखी थी लेकिन विभागीय अधिकारियों ने गंभीरता से नहीं लिया। पंचायत समिति सदस्य रामनिवास सारस्वत के नेतृत्व में लड़कों के साथ स्कूली लड़कियां भी पैदल रवाना हुए। ये विद्यार्थी नोखा डैया से होते हुए छिला, जयमलसर, कोडमदेसर होते हुए बीकानेर पहुंचे और जिला कलेक्टर कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर धरने पर बैठ गये। इस स्कूल में टीचर्स को लेकर बड़ी समस्या है। इस स्कूल में 22 में से 16 अध्यापकों के पद खाली है। यहां तक कि स्कूल सही प्रबंधन करने के लिए प्रिंसिपल का पद भी रिक्त है। हाफ इयरली एग्जाम आठ दिसंबर से शुरू हो रहे हैं, लेकिन कोर्स अब तक पूरा तो दूर शुरू ही नहीं हो पाया है। स्कूल में चार सौ से ज्यादा स्टूडेंट्स पढ़ते हैं, इन सभी के सामने कोर्स पूरा करने का संकट है। ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण किसी तरह की कोचिंग सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। खास बात ये है कि शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला का गृह जिला है, लेकिन यहां भी टीचर्स के पद रिक्त पड़े हैं। अलबत्ता पिछले दिनों चले ट्रांसफर अभियान में ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल से टीचर्स को हटाकर शहर में भेज दिया गया। उनकी जगह कोई नया टीचर यहां नहीं आया। पूगल एरिया खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र में आता है।

धौलपुर में न्यायिक कर्मचारियों का आंदोलन जारी

धौलपुर (हि.स.)। जयपुर के न्यायिक कमर्चारी सुभाष मेहरा की मौत के मामले को लेकर न्यायिक कर्मचारियों ने बुधवार आठवें दिन भी सामूहिक अवकाश लेकर आंदोलन को जारी रखा। बुधवार को समस्त न्यायिक कर्मचारियों ने धरना स्थल पर एकत्रित होकर कचहरी परिसर में रैली निकाली। रैली में कमर्चारियों ने मृतक सुभाष मेहरा की मृत्यु बावत एफआईआर दर्ज करने एवं दोषियों को सजा दिलाने जाने के नारे लगाए। धरना स्थल जिला न्यायालय धौलपुर के सामने एकत्रित कर्मचारियों को संबोधित करते हुए न्यायिक कर्मचारी मुकेश बंसल ने कहा कि न्यायिक कार्य पूरी तरह से ठप पड़े हुए हैं, जिससे पक्षकारान को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि हम कर्मचारीगण न्याय के मंदिर में बैठकर भी न्याय के लिए भटक रहे है और हमें न्याय नहीं मिल रहा है। हमारे साथी कर्मचारी मृतक सुभाष मेहरा की मृत्यु संदिग्ध परिस्थितियों में हुई, जो जांच का विषय है।

सरदारशहर विस उपचुनाव के आज आएंगे नतीजे

जयपुर (हि.स.)। चूरू जिले की सरदारशहर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव की मतगणना गुरुवार को होगी। वोटों की गिनती राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में होगी। मतगणना को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। त्रिस्तरीय सुरक्षा के बीच ईवीएम स्ट्रॉग रूम में कैद हैं। यहां बीएसएफ, आरएसी और राजस्थान पुलिस की टीम तैनात है। इसके अलावा कड़ी निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ सिहाग ने बताया कि 8 दिसम्बर को सरदारशहर उपचुनाव के 10 प्रत्याशियों के भाग्य का यहां फैसला हो जाएगा। मतगणना दो कमरों में 20 टेबल पर होगी। इनमें 10 टेबल आरओ और 10 टेबल एआरओ के कक्ष में होंगे। शाम करीब 4 बजे तक परिणाम आ जाएगा।

खाद के साथ अन्य सामग्री बचने वाले विक्रेता के खिलाफ होगी सख्त कार्यवाही

पलवल (हि.स.)। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के संयुक्त निदेशक सांख्यिकी डॉ. जगराज डांडी ने बुधवार को जिला पलवल के खाद विक्रेताओं के खाद बिक्री केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिला में डीएपी यूरिया खाद की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि रबी सीजन 2022-23 में जिला पलवल में डी.ए.पी. के 11 हजार 500 मिट्रिक टन तथा यूरिया की 38 हजार 500 मिट्रिक टन की आवश्यकता होती है, जिसमें से पलवल जिले में अभी तक 10020.4 मिट्रिक टन डी.ए.पी. तथा 25126.27 मिट्रिक टन यूरिया खाद सभी सहकारी व प्राईवेट खाद विक्रेताओं पर उपलब्ध करवाया जा चुका है, जिसमें से 1290.9 मिट्रिक टन डी.ए.पी. तथा 5766.265 मिट्रिक टन यूरिया सभी खाद विक्रेताओं व हैफेड के बिक्री केंद्रों पर भरपूर मात्रा में किसानों के लिए खाद उपलब्ध है। कृषि उपनिदेशक डॉ. पवन शर्मा ने बताया कि जिला पलवल में डी.ए.पी. की कोई कमी नहीं है व किसानों के लिए यूरीया की भी कोई कमी नहीं रहेगी। आज ईफको यूरिया 2600 मिट्रिक टन, कृभको यूरीया 3194 मिट्रिक टन, एन.एफ.एल. का 2600 मिट्रिक टन व उसके बाद आर.सी.एफ. का 1000 मिट्रिक टन यूरिया का रैक जिला पलवल में लगने जा रहा है। डॉ. पवन शर्मा ने बताया कि जिले में यूरिया खाद की कोई कमी नहीं रहेगी। विभाग द्वारा सभी खाद विक्रेताओं को निर्देश दिए गए है कि कोई भी खाद विक्रेता किसानों के साथ यूरिया व डी.ए.पी. के साथ अन्य साम्रगी लगाकर बिक्री नहीं करेगा। यदि कोई खाद विक्रेता खाद के साथ अन्य साम्रगी लगाकर बिक्री करता हुआ पाया जाता है तो उसके खिलाफ खाद अधिनियम-1985 के तहत कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। कृषि उपनिदेशक ने किसानो से अपील की है कि सभी किसान भाई धैर्य बनाए रखें। अपनी आवश्यकता अनुसार ही खाद लें, ताकि जरूरतमंद सभी किसानो को खाद मिल सके। यदि काई खाद विक्रेता यूरिया व डी.ए.पी. के अलावा कोई अन्य उत्पाद साथ लगाकर देता है तो किसान उसकी शिकायत कृषि विभाग पलवल के कार्यालय में कर सकते है।

No. CE/H&UA/Tech/17/PT-III/22-23/ 25

PRESS NOTICE

The Chief Engineer, H&UA (Technical Cell), Assam on behalf of the Governor of Assam invites proposal from reputed Class-I Contractor/Farm registered under P.W.D, Assam and having extensive experience in the relevant field of work for the following work.

Sl No	Name of work	Approx value of work (in Lakhs)	Cost of RFP and BID Document	EMD/BID security	Last Day of Submission of Bid
1	Additional works for Construction of Boundary Wall and Paver Block at open area including Driveway, Parking lot etc. at Convention Centre for Deputy Commissioner, Sonitpur at Batamari, Tezpur	₹ 170.235 Lakhs	₹ 3,400.00	Rs. 3.4 Lakhs for Unreserved Category & Rs. 1.7 Lakhs for ST/SC/ OBC/ MOBC / UGE	21-12-2022

1. Details of the bid may be seen at e-procurement portal website i.e., www.assamtenders.gov.in and also in the office of the undersigned during office hours from 14:00 hrs of 08-12-2022 to 21-12-2022
2. The BID validity period of the RFP shall be 180 days from the date of submission.
3. The Bidders must be registered with the E-tendering system (ETS) of the Govt. of Assam.
4. The Chief Engineer, H&UA (Technical Cell), Assam reserves the right to accept or reject any or all proposals without showing any reason thereof.

sd/-
Chief Engineer (Technical Cell)
Department of Housing and Urban Affairs
Assam, Guwahati-03

-- Janasanyog /C/15487/22

चुनावी राज्यों में पेट्रोल-डीजल का हाल: गुजरात में दिल्ली की तुलना में 6प्रतिशत कम टैक्स, हिमाचल दोनों राज्यों से ज्यादा महंगा

नई दिल्ली।
देश में गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के साथ ही दिल्ली नगर निगम चुनाव खूब चर्चा में हैं। इन चुनावों के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। ऐसे में आम आदमी को पेट्रोल-डीजल के दाम कम होने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गुजरात, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में पेट्रोल-डीजल के दामों की बात करें तो ये गुजरात में इनके दाम सबसे कम हैं।

टैक्स के बाद दोगुने हो जाते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम - पेट्रोल-डीजल का बेस प्राइज पर जो अभी 57.16 रुपए है, इस पर केंद्र सरकार 19.90 रुपए एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है। इसके बाद राज्य सरकारें इस पर अपने हिसाब से वैट और सेस वसूलती हैं, जिसके बाद इनका दाम बेस प्राइज से 2 गुना तक बढ़ जाते हैं। गुजरात, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में पेट्रोल-डीजल से वैट और सेस वसूलने में दिल्ली सबसे आगे है। यहां पेट्रोल पर 19.40प्रतिशत और डीजल पर 16.75प्रतिशत वैट वसूला जाता है।

देश में सबसे सस्ते पेट्रोल-डीजल अंडमान-निकोबार में - देश में सबसे सस्ते पेट्रोल-डीजल अंडमान और निकोबार के पोर्ट ब्लेयर में बिक रहे हैं। यहां पेट्रोल 84.10 रुपए प्रति लीटर और डीजल 79.74 रुपए मिल रहा है। वहीं राजस्थान के श्रीगंगानगर में ये सबसे महंगे हैं। यहां पेट्रोल 113.48 और डीजल 98.24 रुपए लीटर बिक रहा है।

राज्य के अलग-अलग शहरों में कीमत में अंतर क्यों - जब पेट्रोल-डीजल किसी पेट्रोल पंप पर पहुंचता है तो वो पेट्रोल पंप किसी ऑयल डिपो से कितना दूर है, उसके हिसाब से उस पर किराया लगता है। इसके कारण शहर बदलने के साथ-साथ किराया बढ़ता-घटता है। जिससे अलग-अलग शहरों में भी कीमत में अंतर आ जाता है। जून 2010 तक सरकार पेट्रोल की कीमत निर्धारित करती थी और हर 15 दिन में इसे बदला जाता था। 26 जून 2010 के बाद सरकार ने पेट्रोल की कीमतों का निर्धारण ऑयल कंपनियों के ऊपर छोड़ दिया।

न्यूज ब्रीफ

एशिया में नाकाम है रूसी कच्चे तेल पर पश्चिम का प्राइस कैप, जी-7 और यूरोपीय संघ के लिए बड़ा झटका

टोक्यो । रूस के कच्चे तेल पर जी-7 और यूरोपियन यूनियन (ईयू) की तरफ से लगाए गए मूल्य नियंत्रण (प्राइस कैप) का पहले दिन एशियाई बाजारों में पालन नहीं किया गया। यहां रूसी कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल बिका, जबकि पश्चिमी देशों ने 60 डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा लगाई है। एशियाई बाजारों के इस रुख से जी-7 और ईयू की रूस की तेल से होने वाली आमदनी को सीमित करने की मंशा को झटका लगा है। प्राइस कैप सोमवार से लागू किया गया। इसके पहले विश्लेषकों ने राय जताई थी कि एशिया में इस मूल्य नियंत्रण की सफलता भारत और चीन के रुख पर निर्भर करेगी। ये दोनों देश रूसी तेल के सबसे बड़े आयातकों में हैं। दरअसल, जब से पश्चिमी देशों ने मूल्य नियंत्रण लगाने की मंशा जताई, रूस ने दूसरे क्षेत्रों से हटा कर एशियाई देशों के लिए अपना निर्यात बढ़ा दिया था। पश्चिमी देशों ने एलान किया है कि रूस से 60 डॉलर प्रति बैरल से अधिक दाम पर कच्चा तेल खरीदने वाले देशों या कंपनियों को पश्चिमी बीमा कंपनियां अपनी सेवा नहीं देंगी। साथ ही माल ढुलाई की पश्चिमी सुविधाओं से भी रूसी निर्यात की वैसी खेप को वंचित रखा जाएगा। वैसे जानकारों का कहना है कि पश्चिमी देशों ने जो मूल्य तय किया है, रूस उससे काफी कम भाव पर पहले ही उन देशों को तेल बेच रहा है, जो उसके खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों में शामिल नहीं हुए हैं। तेल के अंतरराष्ट्रीय कारोबार पर नजर रखने वाली लंदन स्थित एजेंसी ने कहा- 'हाल के हफ्तों में रूस ब्रेंट क्रूड के अंतरराष्ट्रीय भाव से प्रति बैरल 30 डॉलर कम पर तेल बेचता रहा है।

आरबीआई ने रेपो रेट 0.35प्रतिशत बढ़ाकर 6.25प्रतिशत किया, आपके लोन की ईएमआई और बढ़ेगी

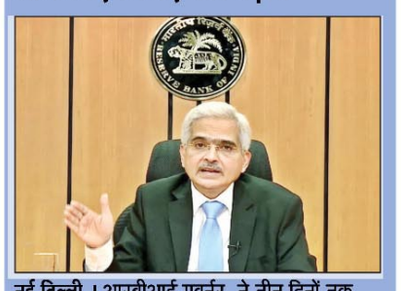

नई दिल्ली । आरबीआई गवर्नर ने तीन दिनों तक चली एमपीसी की बैठक के बाद रेपो रेट को बढ़ाने का एलान किया है। आरबीआई ने रेपो रेट में 0.35प्रतिशत बढ़ोतरी का एलान किया है। अब आरबीआई की रेपो रेट 5.4प्रतिशत से बढ़कर 6.25प्रतिशत हो गई है। आरबीआई ने लगातार पांचवी बार इसे बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय बैंक ने मई 2022 में रेपो रेट को 40 बेसिस प्वाइंट बढ़ाने की घोषणा के साथ इसकी शुरुआत की थी। उसके बाद जून, अगस्त और सितंबर महीने में रेपो रेट में 50-50 अंकों की बढ़ोतरी की थी। मई महीने में भी हुई एमपीसी की बैठक में रेपो रेट को 50 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 4.90प्रतिशत कर दिया गया था।

लगातार चौथे दिन लाल निशान पर बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 215 अंक टूटा, निफ्टी 18600 के नीचे

नई दिल्ली । आरबीआई की ओर से बुधवार को रेपो रेट में 35 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार चाथे दिन लाल निशान पर बंद हुए। रिजर्व बैंक के फैसले पर बाजार ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। बुधवार के कारोबारी सेशन में सेंसेक्स करीब 215 अंक टूटकर 62,410 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इस दौरान निफ्टी 18560 अंकों पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में मीडिया, रियल्टी, आईटी और ऑटो सेक्टर के शेयरों में गिरावट दिखी। माना जा रहा है कि रेपो रेट बढ़ने से इन सेक्टरों के उत्पाद महंगे होंगे इसी कारण इनके शेयरों में कमजोरी दिखी। बुधवार के कारोबारी सेशन में सेंसेक्स के 30 शेयरों में आठ हरे निशान पर तो 22 शेयर लाल निशान पर कारोबार करते हुए बंद हुए। बाजार में एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलएंडी, एक्सिस बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दिखी। वहीं दूसरी ओर, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंशियल सर्विसेज, इंडसइंड बैंक और रिलायंस जैसी कंपनियों के शेयर में बिकवाल देखने को मिली ऐसे में इनके शेयर लुढ़के हैं।इस दौरान घरेलू मुद्रा रुपया डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती के साथ 82.47 रुपये के लेवल पर बंद हुआ।

मिंत्रा का ईओआरएस-17, 10 से 16 दिसंबर तक 17 लाख स्टाइल्स के साथ 50 लाख खरीदारों की जरूरतों को पूरा करेगा

बेंगलुरु।
मिंत्रा के द्विवार्षिक एंड ऑफ रीजन सेल (ईओआरएस) का 17वां संस्करण अग्रणी फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल ब्रांडों में 17 लाख स्टाइल्स के साथ 5 मिलियन दुकानदारों की मांग को पूरा करने के लिए तैयार है। कंपनी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है।

कंपनी के अनुसार, 10-16 दिसंबर तक ईओआरएस का लेटेस्ट एडिशन पिछले विंटर एडिशन की तुलना में 70 प्रतिशत अधिक स्टाइल काउंट के साथ बड़ा है, जो 6,000 से अधिक लोकप्रिय घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों की पेशकश पर 17 लाख से अधिक स्टाइल्स के साथ इवेंट को ऊपर उठा रहा है।

मिंत्रा के अंदरूनी सूत्रों (मिंत्रा के लॉयल्टी प्रोग्राम के सदस्य) के लिए अर्ली एक्सेस 9 दिसंबर से शुरू हो रहा है।

मेगा फैशन कार्निवल के दौरान पहले से ही बेजोड़ कीमतों के अलावा अंदरूनी सूत्र सभी ऑर्डर पर मुफ्त शिपिंग और 20 प्रतिशत तक की कीमत में एक तरह की कटौती का लाभ उठाएंगे।

मिंत्रा में मुख्य व्यवसाय अधिकारी, शेरोन पेस ने कहा, ईओआरएस 16 सफल एडिशनों के साथ देश भर के फैशन उत्साही लोगों के लिए एक मुख्य आधार रहा है और हमें विश्वास है कि 17वां एक पंच पैक करेगा, क्योंकि यह हर साल बड़ा और बेहतर होता जा रहा है, जिसमें चयन और पेशकश पर बहुमुखी शैलियों की एक श्रृंखला के साथ भाग लेने वाले ब्रांडों की संख्या शामिल है।

गाला इवेंट मिंत्रा के लिए किराना स्टोर पार्टनर्स, छोटे और मध्यम स्तर के ब्रांड और सप्लाई चेन पार्टनर्स सहित फैशन इकोसिस्टम में अपने प्रमुख भागीदारों को सशक्त बनाने के कई अवसर भी प्रस्तुत करता है।

पेस ने कहा, हम उन लाखों खरीदारों को सेवा प्रदान करने की उम्मीद कर रहे हैं जो नए साल के लिए अपने लुक्स और आउटफिट्स को और बेहतर बनाने के लिए ईओआरएस का इंतजार कर रहे हैं और आने वाले पार्टी सीजन में साल को स्टाइल से खत्म करेंगे।

इस सात दिवसीय कार्यक्रम में देश भर में 5 मिलियन अद्वितीय ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की भी उम्मीद है।

उपभोक्ता यूएसपीए, लैकमे, डोरोथी पर्किन्स, बूहू, नेस्टी गल, एच एंड एम, मासिक, एनोमली, एटूड, लेवाइस, लुइस फिलिप, केनेथ कोल, नाइके, प्यूमा, एडिडास, बोट, रेड टेप, एचआरएक्स, बैगिट, लवी, अनौक, विशुद्ध, मामाअर्थ, मैक, बेनिफिट, बाथ एंड बॉडी वर्क्स, अन्य जैसे प्रमुख ब्रांडों से फैशन, लाइफस्टाइल, होम डेकोर, ब्यूटी और पर्सनल केयर (बीपीसी) प्रोडक्टस को तेज मूल्य ऑफर और अभूतपूर्व कीमतों पर चुन सकते हैं।

श्रेणी की कुछ प्रमुख हाइलाइट्स में स्पोर्ट्स सेगमेंट शामिल है, जिसमें फुटवियर और अपैरल के लगभग 2,000 ब्रांड ऑफर पर हैं, इसके बाद बीपीसी सेगमेंट है, जो 1400 से अधिक ब्रांड्स को नेवर-बिफॉर कीमतों पर होस्ट करेगा, 70 हजार से अधिक स्टाइल जिसमें मेबेललाइन और लक्मे, निविया और वाव जैसे ब्रांडों पर बाय वन गेट वन जैसी अविश्वसनीय ऑफर भी शामिल हैं। इसके अलावा, मैक, कामा आयुर्वेद और फॉरेस्ट एसेंशियल जैसे प्रीमियम ब्रांड भी खरीदारों को जोड़ने के लिए मुफ्त उपहार और अन्य रोमांचक ऑफर दे रहे हैं। कंपनी ने कहा कि उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए तैयार किए गए सेगमेंट में नए लॉन्च में एनोमली, मैसिक, फ्रीमैन और एट्यूड जैसे प्रमुख ब्रांड शामिल हैं।

मिंत्रा ने कहा, ब्रांड मेनिया और हैप्पी आवर जैसे सीमित समय के कार्यक्रम विशेष ऑफर पेश करेंगे, पहली बार खरीदारी करने वाले अपने पहले चार ऑर्डर पर मुफ्त शिपिंग की उम्मीद कर सकते हैं, साथ ही भविष्य में उपयोग के लिए रोमांचक कूपन भी प्राप्त कर सकते हैं।

16,000 से अधिक किराना भागीदारों और फ्रेंचाइजी के साथ देश भर में 20 हजार पिन कोड को पूरा करने के लिए, ईओआरएस-17 इवेंट से जुड़े 80 प्रतिशत डिलीवरी का समर्थन करने के लिए मिंत्रा के प्रशंसित किराना मोड का लाभ उठाएंगे।

मालाबार ज्वेलरी के मालिक ने दफ्तर के गुप्त चैंबर में छिपा रखा था 2.51 करोड़ का अवैध सोना, ईडी ने किया जब्त

नई दिल्ली ।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने मलप्पुरम स्थित एक ज्वेलरी हाउस के प्रमोटर के परिसर में स्थित एक गुप्त चैंबर से 2.51 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया है। ईडी ओर से से यह कार्रवाई एक राजनयिक बैग के माध्यम से तस्करी मामले में की है।

संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि मालाबार ज्वेलरी और फाइन गोल्ड ज्वैलरी के प्रमोटर अबूबकर पाजेदाथ के खिलाफ कार्रवाई की गई है, दोनों केरल के मलप्पुरम में स्थित हैं और एटलस गोल्ड सुपर मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड, कोझिकोड के शेयरधारकों में से एक हैं।

सोने की जब्ती से जिस रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है उसकी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), एनआईए और सीमा शुल्क विभाग अलग-अलग जांच कर रही है। बता दें कि 5 जुलाई 2020 को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे के यूएई वाणिज्य दूतावास के एक राजनयिक के सामान से 15 करोड़ रुपये मूल्य का जब्त किया था।

ईडी ने कहा कि जांच में पाया गया कि, मलप्पुरम का अबूबकर पाजेदाथ आईएएस अधिकारी एम शिवशंकर (केरल के मुख्यमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव) के संरक्षण में सरिथ पीएस, स्वप्ना सुरेश और संदीप नायर की अध्यक्षता वाली सोने की तस्करी सिंडिकेट का हिस्सा है और लाभार्थियों में से एक था।

ईडी ने दावा किया, 05 जुलाई 2020 को सीमा शुल्क की ओर से जब्त किए गए तस्करी के सोने में से 3 किलोग्राम सोना अबुबकर पाजेदाथ का था। एजेंसी के अनुसार पजेदाथ ने स्वीकार किया है कि सीमा शुल्क की ओर से जब्त किया गया तीन किलोग्राम सोना उसका है और इसके अलावा, उसने यह भी स्वीकार किया था कि उसने अतीत में इसी तरह से यूएई वाणिज्य दूतावास के राजनयिक सामान के माध्यम से छह किलोग्राम सोने की तस्करी की थी। उक्त तस्करी किए गए सोने को खरीदने के लिए राशि उनकी व्यावसायिक फर्मों (मालाबार ज्वेलरी, फाइन गोल्ड और एटलस गोल्ड सुपर मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड) से ली गई थी। पूछताछ में पाया गया है कि अबूबकर पाजेदाथ अब भी अपनी फर्मों के माध्यम से सोने की तस्करी से संबंधित गतिविधियों में लिप्त था।

रूस पर डॉलर के वर्चस्व को तोड़ने का जुनून सवार, पीएम मिखाइल ने की देशी मुद्रा इस्तेमाल करने की अपील

नई दिल्ली।
डॉलर से अपने कारोबार को अलग करने की दिशा में रूस और चीन और आगे बढ़ गए हैं। रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन सोमवार को बताया कि दोनों देशों के बीच अब लगभग आधा कारोबार अपनी मुद्राओं- रुबल और युवान में हो रहा है। मुशुस्तिन ने सोमवार को चीन के प्रधानमंत्री ली किचियांग के साथ एक वीडियो कांफ्रेंस में हिस्सा लिया। इसमें उन्होंने उम्मीद जताई कि अब डॉलर या यूरो में भुगतान करने की जगह सभी देश अपनी राष्ट्रीय मुद्राएं का अधिक इस्तेमाल करेंगे। मिशुस्तिन ने कहा कि बाहरी दबावों और प्रतिकूल आर्थिक स्थितियों के बावजूद रूस और चीन का आपसी व्यापार तेजी से बढ़ रहा है। इस वर्ष के पहले दस महीनों में दोनों देशों के बीच लगभग 150 बिलियन डॉलर का कारोबार हुआ, जो साल भर पहले की तुलना में एक तिहाई ज्यादा है।

विश्लेषकों के मुताबिक रूस ने अंतरराष्ट्रीय कारोबार में अमेरिकी मुद्रा डॉलर के वर्चस्व को खत्म करने को अपना लक्ष्य बना रखा है। इसी

कोशिश में वह अलग-अलग देशों के साथ आपसी मुद्राओं में कारोबार को बढ़ावा दे रहा है। इसमें उसे चीन और भारत जैसे देशों का साथ मिला है। पिछले महीने यूरेशिया इकॉनमिक यूनियन (यूएईयू) की बैठक में भी रूस ने इसी मुद्दे को सबसे ज्यादा तरजीह दी। वहां रूस से ईएईयू मामलों के मंत्री सर्गेई ग्लेजयेव ने विभिन्न देशों के बीच आपसी मुद्राओं में भुगतान के सिस्टम का एक खाका पेश किया। उन्होंने बताया कि इस सिस्टम से संबंधित प्रस्ताव यूरेशियन इकॉनमिक कमीशन (ईईसी) और ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) को भेजा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व आरबीआई को नोटबंदी से जुड़े रिकॉर्ड पेश करने को कहा, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को निर्देश दिया कि वे सरकार के 2016 में 1000 रुपये और 500 रुपये के नोटों को अमान्य करने के फैसले से संबंधित प्रासंगिक रिकॉर्ड पेश करें। केंद्र के 2016 के फैसले को चुनौती देने वाली दलीलों के एक समूह पर अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए न्यायमूर्ति एस ए नज़ीर की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि, आरबीआई के वकील और वरिष्ठ अधिवक्ता पी चिदंबरम और श्याम दीवान सहित याचिकाकर्ताओं के वकीलों की दलीलें सुनीं। जस्टिस बीआर गवई, एएस बोपन्ना, वी रामासुब्रमण्यम और बीवी नागरथना की पीठ ने कहा, हमने सुना और फैसला सुरक्षित रखा गया है।

शाओमी इंडिया के मुख्य व्यवसाय अधिकारी रघु रेड्डी नए लक्ष्यों का पीछा करने के लिए कंपनी छोड़ी

नई दिल्ली।
विश्वसनीय सूत्रों ने बुधवार को कहा कि शाओमी इंडिया के मुख्य व्यवसाय अधिकारी रघु रेड्डी, जो लगभग तीन वर्षों से प्रमुख भूमिका में थे, नए अवसरों का पीछा करने के लिए कंपनी से चले गए हैं। शाओमी इंडिया में छह साल से अधिक समय बिताने वाले रेड्डी को फरवरी 2020 में भारत में इसके संचालन के लिए मुख्य व्यवसाय अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया था। उन्होंने पहले शाओमी इंडिया के लिए कैटेगरीस और ऑनलाइन सेल्स का नेतृत्व किया था। द्वारा संपर्क किए जाने पर, शाओमी इंडिया ने विकास की पुष्टि की और कहा कि रेड्डी को शाओमी इंडिया नेतृत्व टीम के अभिन्न अंग के रूप में रखना सौभाग्य की बात है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने शाओमी को भारत में नंबर 1

स्मार्टफोन और स्मार्ट टीवी ब्रांड बनने में एक प्रभावशाली और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जैसे-जैसे वह बाहरी विकास के विभिन्न अवसरों का पीछा करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं, हम उनकी नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हैं। प्रवक्ता ने कहा, शाओमी इंडिया ने पिछले कुछ वर्षों में एक मजबूत नेतृत्व टीम का निर्माण किया है और हम आगे इसे और मजबूत करने की कोशिश करेंगे। एक ब्रांड के रूप में, हम सभी के लिए नवीनता प्रदान करने और जनता के लिए प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। रेड्डी ने कंपनी की घातीय बिक्री वृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में विप्रो टेक्नोलॉजीज के साथ अपना करियर शुरू किया और एक वरिष्ठ सलाहकार के रूप में अर्न्स्ट एंड यंग के साथ काम किया, उसके बाद स्नैपडील में एक वरिष्ठ निदेशक के रूप में काम किया। रेड्डी की विदाई ऐसे समय में हुई है जब शाओमी इंडिया का कारोबार देश में लगातार बढ़ रहा है।

दिवाली फेस्टिव सेल के दौरान कंपनी ने देश में 1.1 करोड़ से ज्यादा स्मार्टफोन बेचे।

महंगे होम लोन से निपटने के उपाय

रिफाइनेंस से लेकर लोन टेन्योर बढ़ाने से बजट बिगड़ने से बचा सकेंगे

नई दिल्ली।
आरबीआई के रेपो रेट में 0.35प्रतिशत इजाफा करने के बाद अब बैंक भी लोन की ब्याज दरों में बढ़ावा करेंगे। ऐसे में होम लोन भी महंगा हो जाएगा और आपको ज्यादा ईएमआई चुकानी होगी। यदि ब्याज दर बढ़ने से आपकी फाइनेंशियल प्लानिंग बिगड़ रही हो तो कुछ कदम उठाने होंगे। हम आपको आज ऐसी 4 विकल्पों के बारे में बता रहे हैं जो आपका बजट बिगड़ने से बचा सकते हैं।

सबसे पहले समझें कितनी बढ़ जाएगी ईएमआई

मान लीजिए कि आपने 20 लाख का होम लोन 20 साल के लिए 7.55प्रतिशत ब्याज दर पर लिया है। इस पर आपकी किस्त 16,173 रुपए बनेगी। वहीं यदि लोन की ब्याज दर 0.35प्रतिशत बढ़ कर 7.90प्रतिशत हो जाती है, तो आपको 16,605 रुपए ईएमआई चुकानी होगी।

रिफाइनेंस करें

होम लोन रिफाइनेंस यानी बैलेंस ट्रांसफर का ऑप्शन तब अपनाया जाता है जब आपके लोन की दर और मार्केट रेट में बड़ा (0.25-0.50प्रतिशत) अंतर हो। मान लीजिए कि आपका रेट 7.90प्रतिशत है और बाजार में 7.50प्रतिशत पर लोन मिल रहा है। ऐसे में बैलेंस ट्रांसफर फायदेमंद हो सकता है। लेकिन बैलेंस ट्रांसफर तभी सही फैसला होगा, जब आधी से ज्यादा लोन अवधि बाकी हो। ट्रांसफर के खर्चे भी होते हैं, मसलन प्रोसेसिंग फीस चार्जेस।

ईएमआई बढ़ाएं

समय के साथ आपकी आय बढ़ेगी, लेकिन ईएमआई स्थिर रहेगी। पर आप स्वेच्छा से ईएमआई बढ़वा सकते हैं। अतिरिक्त ईएमआई लोन का मूलधन कम करेगी। इससे आपका लोन जल्द चुकेगा। लोन की अवधि कम होने लगेगी। यह तरीका छोटे-छोटे प्री-पेमेंट की तरह है।

उदाहरण के लिए 7.90प्रतिशत ब्याज पर 20 साल के लिए 30 लाख रुपए के लोन की ईएमआई करीब 24,907 रुपए होगी। यदि आप दूसरे साल से इसे बढ़ाकर 32 हजार रुपए कर देंगे तो 3 ईएमआई कम हो जाएगी। इससे आपको अपने लोन पर जो कुल ब्याज चुकाना है वो भी कम हो जाएगा।

प्री-पेमेंट करें

ब्याज दर बढ़ने की सूरत में अगर आप ईएमआई बढ़ाना नहीं चाह रहे तो आपके पास तीसरा विकल्प है। आप साल में कम से कम एक बार प्री-पेमेंट कर सकते हैं और लोन का मूलधन घटा सकते हैं। ज्यादातर बैंक और फाइनेंस कंपनियां चाहेंगी कि आप ईएमआई की कम से कम 1-2 गुनी रकम का प्री-पेमेंट करें।

उदाहरण के लिए यदि आपने 7.55प्रतिशत की दर पर 20 साल के लिए 30 लाख रुपए का होम लोन ले रखा है और शुरुआत में ही लाख रुपए का प्री-पेमेंट कर देते हैं तो 4 ईएमआई कम हो जाएंगी। इससे आपको अपने लोन पर जो कुल ब्याज चुकाना है वो भी कम हो जाएगा। इसके अलावा आपका लोन समय पर या इससे पहले ही खत्म हो जाएगा।

लोन का टेन्योर बढ़ा लें

कई बार ऐसा होता है कि होम लोन की ईएमआई के चलते मंथली खर्चों पर असर हो रहा है। ऐसे में अगर एक्स्ट्रा इनकम या सेविंग्स नहीं हो पा रही है तो आप लोन का टेन्योर बढ़वा कर ईएमआई कम करा सकते हैं।

मॉर्गन स्टेनली ने की लगभग 1,600 कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को। वैश्विक निवेश सलाहकार फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अपने वैश्विक कर्मचारियों के लगभग 2 प्रतिशत यानी लगभग 1,600 कर्मचारियों की कटौती की है। मीडिया ने यह जानकारी दी। सीएनबीसी ने सूत्रों का हवाला देते हुए पहली बार छंटनी की सूचना दी, मॉर्गन स्टेनली के सीईओ जेम्स गॉर्डन ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि कुछ लोगों को निकाला जा सकता है। कंपनी में लगभग 81,567 कर्मचारी हैं और छंटनी वैश्विक निवेश बैंक के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित करेगी। फिलहाल, मॉर्गन स्टेनली ने अभी तक रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। मॉर्गन स्टेनली ने प्रतिद्वंद्वी गोल्डमैन सैक्स और सिटीग्रुप और बार्कलेज सहित अन्य निवेश फर्मों की तरह छंटनी को लेकर काफी विचार-विमर्श किया और फिर 1600 कर्मचारियों को निकाला।

माहिरा ने शाहरुख के साथ रोमांस करते शेयर की फोटो

-माहिरा का रोमांटिक फोटो देख खुश हो गए फैंस

मुंबई (ईएमएस)। किंग ऑफ रोमांस यानि शाहरुख खान के साथ फिल्म करने का मौका मिले तो भला कौन ये मौका छोड़ना चाहेगा। ऐसा ही कुछ पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान के साथ भी हुआ था। उन्होंने शाहरुख संग फिल्म रईस में काम किया। अब माहिरा ने बताया है कि रईस का कौन-सा सीन वो एक्टर के साथ बार-बार करना चाहेंगी। माहिरा खान ने अपने फैंस से ट्विटर के जरिए बात की। उन्होंने अपने बिजी शेड्यूल से समय निकालकर आस्क माहिरा हैशटैग शुरू किया। इसमें फैंस को उनसे अपने मन चाहे सवाल पूछने थे। सोशल मीडिया पर ये हैशटैग धड़ल्ले से ट्रेंड हुआ और फैंस ने एक्ट्रेस ने ढेरों सवाल पूछे। माहिरा की तारीफों के बीच एक फैन ने सवाल किया कि शाहरुख खान के साथ वो कौन-सा सीन बार-बार करना चाहेंगी? इसके जवाब में माहिरा ने एक बेहद रोमांटिक फोटो शेयर की। जवाब में माहिरा खान ने फिल्म रईस के गाने जालिमा से एक रोमांटिक सीन शेयर किया है। इसमें वो शाहरुख खान की आंखों में आंखें डाले खड़ी हैं। शाहरुख ने उन्हें पकड़ा हुआ है। दोनों एक दूसरे के प्यार में खोए हुए लग रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए माहिरा खान ने लिखा ये वाला। माहिरा का ट्वीट सामने आने के बाद से फैंस खुश हो गए हैं। कुछ फैंस ऐसे हैं जो उन्हें शाहरुख खान के साथ दोबारा फिल्म करने को कह रहे हैं। एक यूजर ने लिखा प्लीज एक फिल्म साथ में कर लो मुझे इसकी बहुत जरूरत है। एक और यूजर ने लिखा आप और शाहरुख साथ में खूबसूरत लगते हैं। आपकी केमिस्ट्री कमाल थी।

उम्मीद करता हूं आपको दोबारा पर्दे पर साथ देखने का मौका मिलेगा। लेकिन कई यूजर्स हैं जो माहिरा खान के इस ट्वीट और फोटो पर भड़क गए हैं। कई यूजर्स का कहना है कि ऐसा रोमांटिक फोटो शेयर करने पर माहिरा को शर्म आनी चाहिए। एक यूजर ने लिखा ना शर्म आती है ना एक्टिंग। एक और यूजर ने लिखा ये वाहियात है। आपके लाखों फॉलोअर्स हैं और आप क्या फालतू चीज प्रमोट कर रही हैं। अल्लाह आपको रास्ता दिखाए। कितने साल और जिंदगी के जीने हैं लोगों ने। अंत में कब्र में ही जाना है ये भूलें ना। एक अन्य यूजर ने लिखा क्या आप कयामत के दिन उठोगी ये नंगा नाच करके? शैतान को भी शर्म आती होगी आपकी करतूत पर। शाहरुख खान और माहिरा खान ने साथ में फिल्म रईस में काम किया था। ये माहिरा की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म थी। साल 2016 में आई इस फिल्म को काफी पसंद किया गया था। शाहरुख और माहिरा की जोड़ी के भी खूब चर्चे हुए थे। बॉक्स ऑफिस पर रईस ने अच्छी कमाई की थी। मालूम हो कि शाहरुख खान रोमांस के किंग हैं। सालों से शाहरुख खान बड़े पर्दे पर एक से बढ़कर एक हीरोइन के साथ रोमांस करते आ रहे हैं। उन्होंने ही हमारी जेनेरेशन के कई लोगों को प्यार और रोमांस की परिभाषा भी सिखाई है।

टीनएजर्स ग्रुप उर्फी को फोन पर कर रहा परेशान

-उर्फी ने कहा- इनके माता-पिता का पता बताने पर देंगी इनाम

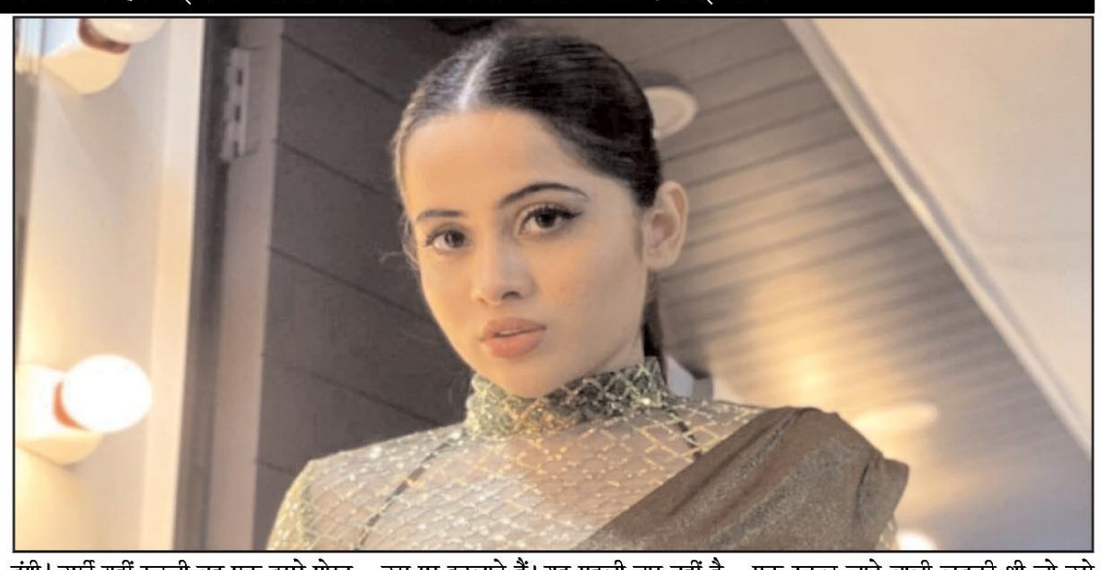

मुंबई (ईएमएस)। चाहत खन्ना से लेकर चेतन भगत तक को फटकार लगा चुकी उर्फी जावेद ने अब उन टीनएजर्स को फटकार लगाई हैं जो उन्हें कॉल करके परेशान कर रहे हैं और उन्हें अशब्द कह रहे हैं। अपने हालिया पोस्ट में उर्फी ने खुलासा किया है कि एक टीनएजर्स ग्रुप है जो उन्हें लगातार फोन कर और गाली-गलौज कर परेशान कर रहा है। उन्होंने टीनएजर्स के नाम की प्रोफाइल को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी साझा किया और कहा है कि जो भी उनके माता-पिता के बारे में बताएगा उन्हें वह इनाम देंगी। उर्फी जावेद ने उन टीनएजर्स को टैग करते हुए अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट में लिखा यह बच्चा और उसके दोस्त 10 दोस्त मुझे नॉनस्टॉप कॉल कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि मेरा नंबर उन्हे कहां से मिला मैं 10 नंबरों के बजाय एक ही नंबर का यूज कर रही हूं। वे मुझे फोन कर रहे हैं और गाली दे रहे हैं आजकल बच्चों को क्या हो गया है? मुझे बिना किसी कारण के परेशान कर रहे हैं! मैं उनमें से 10 के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज करने जा रही हूं लेकिन अगर कोई उनके माता-पिता को जानता है तो मुझे बताएं। मैं उन्हें इनाम दूंगी! उर्फी यहीं रुकती वह एक दूसरे पोस्ट में लिखा न्यू जनरेशन बर्बाद हो गई है! यह बच्चा बहुत गर्व के साथ कहानी को फिर से साझा कर रहा है।

यह बच्चा और उसके दोस्त मजाक में लड़कियों को कॉल करते हैं और उन्हें गाली देते हैं और फिर पछताने के बजाय उस पर इठलाते हैं। यह पहली बार नहीं है जब किसी कलाकार ने सोशल मीडिया पर टीनएजर्स ग्रुप को लताड़ लगाई हो। इससे पहले ये रिश्ता की करिश्मा सावंत ने भी अपने डीएम में एक बच्चे के लगातार गाली देने के बारे में बताया था जब उन्होंने अकाउंट की के बारे में पता किया तो मालूम चला कि यह एक स्कूल जाने वाली लड़की थी जो उसे इस तरह के अपमानजनक संदेशों से संदेश दे रही थी। बता दें कि बिग बॉस ओटीटी की उर्फी जावेद अक्सर अपने यूनिक फैशन सेंस के साथ ही साथ अपने बयानों को भी सुर्खियां बटोरती रहती हैं। इस बार भी वह अपने बयान को लेकर खबरों में हैं।

घायल गायक जुबिन नौटियाल कर रहे आराम

बीते दिनों 1 दिसंबर को गायक जुबिन नौटियाल एक इमारत की सीढ़ी से गिरकर घायल हो गए थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। एक बयान पढ़ा एक इमारत की सीढ़ी से गिरने के बाद गायक ने अपनी कोहनी तोड़ दी अपनी पसलियों को तोड़ दिया और अपने सिर को चोट पहुंचाई। दुर्घटना के बाद जुबिन के दाहिने हाथ का ऑपरेशन होगा। उन्हें सलाह दी गई है कि वह अपने दाहिने हाथ का इस्तेमाल न करें। गायक जुबिन को रातां लम्बियां लुट गए हमनवा मेरे और तुझे कितने चाहने लगे हम तुम ही आना और बेवफा तेरा मौसम चेहरा जैसे गीतों के लिए जाना जाता है। बता दें कि सीढ़ी से गिरने से चोट लगने के बाद पार्श्व गायक जुबिन नौटियाल फिलहाल आराम फरमा रहे हैं। जुबिन ने इंस्टाग्राम पर साझा किया कि वह ब्रेक पर हैं। उन्होंने लिखा रिकवरी ब्रेक। आप लोगों से जल्द ही मिलते हैं।

कविता को नकारात्मक किरदार से पछतावा नहीं

भाग्य लक्ष्मी शो में नकारात्मक भूमिका निभाने के लिए अनुबंधित टीवी अभिनेत्री कविता बनर्जी ने कहा कि हालांकि वह फिर से एक नकारात्मक किरदार निभा रही हैं लेकिन उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने साझा किया मैंने तेरी मेरी इक्क जिंदरी और रिश्तों का मांझा शो में नकारात्मक भूमिकाएं निभाई हैं। भाग्य लक्ष्मी में सोनल की भूमिका निभाना मेरी इच्छा की तरह है। एक नकारात्मक किरदार निभाना एक ही समय में बेहद चुनौतीपूर्ण और मजेदार होता है। नागिन 6 की अभिनेत्री ने कहा कि हर किरदार के अलग-अलग रंग हैं इसी तरह यह पिछले वाले से अलग है और वह सिर्फ अपनी भूमिका के साथ न्याय करने की उम्मीद करती है। हालांकि मैंने अब तक टीवी पर ज्यादातर नकारात्मक किरदार निभाए हैं लेकिन हर किरदार दूसरे से बहुत अलग रहा है और इसलिए चुनौती / मजा कभी खत्म नहीं होता। मैं बस उम्मीद करती हूं कि मैं अपने किरदार के साथ न्याय कर सकूं और शो के प्रशंसक मुझे उतना ही प्यार दें जितना वे इस शो को देते हैं।दर-असल उन्हें ऐसे किरदार करने में मजा आता है क्योंकि वे मजेदार और चुनौतीपूर्ण भी हैं।

माधुरी ने किया पाकिस्तानी लड़की का डांस कॉपी

-नेट की खूबसूरत साड़ी में नजर आ रही हैं माधूरी

मुंबई (ईएमएस)। जबसे पाकिस्तानी लड़की आयशा का डांसिंग वीडियो वायरल हुआ है तब से ये गाना इंस्टाग्राम रील्स पर ट्रेंड में है। कई लड़के-लडकिया आयशा की तरह डांस करके अपने वीडियो शेयर कर रहे हैं। इस सूची में अब माधुरी दीक्षित का नाम भी जुड़ गया है। माधुरी दीक्षित ने मेरा दिल ये पुकारे आजा गाने के वायरल ट्रेंड को फॉलो करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में माधुरी पाकिस्तानी लड़की आयशा के डांस मूव्स को कॉपी करती हुई देखी जा सकती हैं। माधुरी फुल ग्रेस के साथ डांस कर रही हैं। उन्होंने इस ट्रेंड में फिर से जान डाल दी है। वायरल गाने पर माधुरी का डांस उनके फैंस को तो काफी पसंद आ रहा है। लेकिन कई यूजर्स माधुरी को इस गाने पर डांस करने पर ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने माधुरी के डांस को वायरल गर्ल आयशा के डांस संग कंपेयर करके लिखा- उससे अच्छा नहीं है मैम सॉरी। एक दूसरे यूजर ने लिखा- प्लीज मैम ये ट्रेंड नहीं। एक अन्य यूजर ने लिखा- ये ट्रेंड अब इरिटेटिंग बन गया है। एक अन्य यूजर ने लिखा- आपसे ये उम्मीद नहीं थी। वायरल वीडियो में डांस करते हुए नजर आ रही लड़की पाकिस्तान की है। लड़की का नाम आयशा है। वे एक टिकटॉकर भी है। आयशा ने अपने डांस का वीडियो 11 नवंबर को इंस्टाग्राम पर शेयर किया था जो किसी शादी में शूट किया गया है। आयशा का वीडियो देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गया। आम जनता से लेकर सेलेब्स तक सभी आयशा के डांस को रीक्रिएट कर रहे हैं। मेरा दिल ये पुकारे आजा। वीडियो में माधुरी दीक्षित नेट की खूबसूरत साड़ी में नजर आ रही हैं। माधुरी की साड़ी पर हैवी वर्क हुआ है। एक्ट्रेस ने ईयरिंग्स और कंगन पहनकर अपने लुक में चार्म एड किया है। ग्लोइंग मेकअप और ओपन हेयर में माधुरी स्टनिंग लग रही हैं।

छैय्या छैंया के लिए मलाइका नहीं थीं पहली पसंद

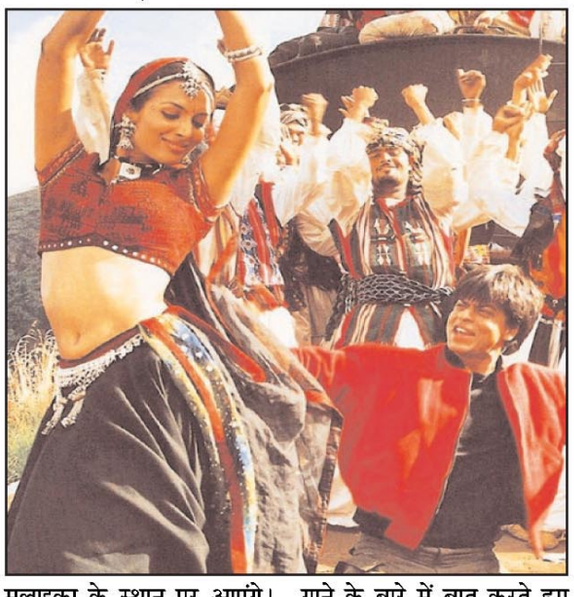

छैय्या छैंया गाने में ए.आर. रहमान की बीट्स पर थिरकती मलाइका को कौन भूल सकता है। इसमें दिलचस्प बात यह है कि गाने में इस भूमिका के लिए मलाइका पहली पसंद नहीं थीं। पांच अभिनेत्रियों ने गाने पर परफॉर्म करने से मना कर दिया था। रहमान द्वारा रचित दिल से गीत जिसमें चलती ट्रेन की लय थी। किस्सा कोरियोग्राफर-निर्देशक फराह खान द्वारा साझा किया गया उन्होंने कहा कि सभी पांच अभिनेत्रियों - शिल्पा शेट्टी शिल्पा शिरोडकर और इनके अलावा दो-तीन अन्य अभिनेत्रियों ने इस गाने पर नृत्य करने से मना कर दिया था। शो के शुरूआती एपिसोड मूविंग इन विद मलाइका जो मलाइका का ओटीटी डेब्यू है निमार्ता-निर्देशक-कोरियोग्राफर और मलाइका की प्रिय मित्र फराह खान कुंदर एक दोस्ताना यात्रा के लिए मलाइका के स्थान पर आएंगे। दोनो कलाकारों ने पुराने दिनों को याद करते हुए बात की अतीत वर्तमान और बहुत कुछ के बारे में बात की। बातचीत के दौरान गाने के बारे में बात करते हुए फराह कहती हैं आप छैंया छैंया गर्ल हैं। लेकिन किस्मत से आपके लिए कुछ पांच हीरोइनों ने ट्रेन में चढ़ने से मना कर दिया था।

फिल्मों को लेकर शाहरुख ने किया दिलकश खुलासा

-पठान - जवान और डंकी को लेकर की बातें

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान ने सऊदी अरब में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की जहां उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्मों पठान जवानऔर डंकी के बारे में दिलकश बातों का खुलासा किया है। राजकुमार हिरानी की फिल्म ह्यडंकीह्ल में काम करने पर शाहरुख खान से जब पूछा गया कि उन्हें डंकी के सेट पर काम करके कैसा महसूस हुआ? इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा अंग्रेजी में मेरी फिल्म का नाम डंकी है। लेकिन जिस तरह से भारत का एक हिस्सा इस शब्द का उच्चारण करता है वह डंकी है। पंजाबी इसे डंकी कहते हैं।आगे किंग खान फिल्म के डिटेल्स के बारे में बताते हुए कहते हैं मैं आपको फिल्म के बारे में कितना बताऊं हममम यह हमारे देश के सबसे शानदार फिल्म निमार्ताओं में से एक राजू हिरानी द्वारा निर्देशित फिल्म है। यह एक शानदार लेखक अभिजीत जोशी द्वारा लिखा गया है। यह उन लोगों की कहानी है जो फोन आने पर घर वापस आना चाहते हैं। यह एक कॉमडी फिल्म है। उनकी (हिरानी) फिल्में हमेशा कॉमेडी और देश के बारे में बहुत सारी भावनाओं का मिश्रण होती हैं। इसलिए यह मेरे लिए एक बड़ी जर्नी है और फिल्म दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरती है और अंत में भारत वापस आती है। आगे बातचीत में शाहरुख खान ने कहा मैंने कभी कोई एक्शन फिल्म नहीं की है। मैंने कुछ लव स्टोरीज कुछ सोशल ड्रामा और कुछ अलग फिल्में भी की हैं लेकिन कोई भी मुझे एक्शन के लिए नहीं लिया। मैं 57 साल का हूं इसलिए मैंने सोचा अगले 10 सालों तक मैं एक्शन फिल्में करता रहूंगा। बता दें कि पठान 25 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है जबकि डंकी 2023 के अंत तक आने वाली है। शाहरुख खान दुनिया भर में सबसे प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। वह कई ब्लॉकबस्टर्स का हिस्सा रहे हैं और उनका काम खुद बोलता है।

सूडोकु नवताल- 6275

मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6274 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्दजाल - 7022

मु	हु	मे	रि	दु	ला	रा	ल	च	ट	र्जी
का	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
ब	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	द	ह	प	ल
ला	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	ह	ला	कि	यो	प	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	य	र	ह	त्या	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ला	व	शि	का	री	टि	ल
बां	स	सा	ज	न	च	ले	स	सु	रा	ल

शब्दजाल में 'गोविंदा'अभिनीत10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मुकाबला,राजा बाबू, दुलारा, प्रेमशक्ति, दुल्हे राजा,साजन चले ससुराल,शिकारी, अलबेला,हत्या,राजाजी

शब्दजाल - 7021 का हल

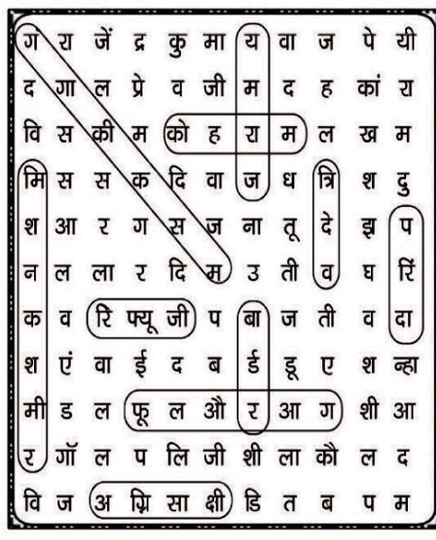

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5975

7		5	2			
	38		32	1	27	
4	3			6		2
	29	2	45		33	
1	3			5		4
	24	1	36	4	30	
6		4	7		5	3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5974 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	38	3	32	1	27	7
4	3	7	5	6	1	2
3	29	2	45	7	33	6
1	3	6	7	5	2	4
2	24	1	36	4	30	5
6	1	4	7	2	5	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

मीराबाई चानू ने रजत पदक जीता, कलाई की चोट के बावजूद 200 किलो वजन उठाया

बोगोटा।

भारत की स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने कलाई की चोट के बावजूद विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक अपने नाम किया है। उन्होंने इस प्रतियोगिता में कुल 200 किलोग्राम भार उठाया। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता चानू ने 49 किग्रा वर्ग में स्नैच में 87 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 113 किग्रा भार उठाया। चीन की जियांग हुइहुआ ने कुल 206 किग्रा (93+113) भार उटाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी हमवतन और टोक्यो ओलंपिक चैंपियन होउ झिहुआ ने 198 किग्रा (89+109) भार उठाकर कांस्य पदक जीता। मुख्य कोच विजय शर्मा ने कहा, हम इस टूर्नामेंट के लिए कोई दबाव नहीं ले रहे थे। यह वह वजन है जिसे मीरा नियमित रूप से उठाती हैं। अब से हम वजन बढ़ाना और सुधार करना शुरू करेंगे। हम (चोट के बारे में) ज्यादा कुछ नहीं कर सके क्योंकि हम विश्व चैंपियनशिप को छोड़ना नहीं चाहते थे। अब हम उनकी कलाई पर ध्यान देंगे क्योंकि हमारे पास अगले टूर्नामेंट से पहले काफी समय है। 2017 विश्व चैंपियन चानू को सितंबर में एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान कलाई में चोट लग गई थी। इसके बाद उन्होंने चोट के साथ ही अक्तूबर में राष्ट्रीय खेलों में भाग लिया था। प्रतियोगिता में कुल 11 खिलाड़ी शामिल थे, लेकिन अधिकतर खिलाड़ियों ने ज्यादा जोर नहीं लगाया और खुद को चोट से बचाने की कोशिश की। जिहुआ ने तो क्लीन एंड जर्क में अपना आखिरी प्रयास भी नहीं किया और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बा अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग ले रही चानू का प्रदर्शन स्नैच में काफी निराशाजनक रहा। उन्होंने 84 किग्रा भार उठाने के साथ शुरुआत की लेकिन 87 किग्रा भार उठाने के उनके दूसरे प्रयास को असफल माना गया। इसी वजह से उन्होंने 90 किग्रा भार उठाने की कोशिश नहीं की। 28 साल का चानू अपने अंतिम प्रयास में 87 किलोग्राम भार उठाते समय थोड़ा डगमगाईं, लेकिन अंत में वह सफल रहीं। इस वर्ग में उनका व्यक्तिगत स्कोर इससे एक किलोग्राम ज्यादा है। स्नैच सेक्शन में पांचवें स्थान पर रहने के बाद चानू ने क्लीन एंड जर्क में सबसे ज्यादा वजन तय किया, लेकिन 111 किलोग्राम भार उठाते समय उनकी बाईं कोहनी थोड़ी लड़खड़ा गई और उनके प्रयास को मान्य नहीं किया गया। भारतीय खेमे ने फैसले को चुनौती दी लेकिन इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। इस श्रेणी में विश्व रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाली चानू ने 111 किग्रा और 113 किग्रा के अपने अंतिम दो प्रयासों में ओवरऑल और क्लीन एंड जर्क सिल्वर हासिल करने में सफलता हासिल की।

न्यूज ब्रीफ

लाबुशेन बने नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाजः जो रूट नंबर-4 पर खिसके, ऋषभ पंत सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय

दुबई। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन टेस्ट क्रिकेट में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इंग्लिश बल्लेबाज जो रूट से यह ताज छीन लिया है। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और पाकिस्तान के बाबर आजम की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। ऋषभ पंत पांचवें स्थान पर हैं और वे सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले जो रूट से 2 अंकों से पीछे रहने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज लाबुशेन को पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। लाबुशेन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में 204 और 104 रन नाबाद पारी खेली थी। अब उनके 935 पॉइंट्स हो गए हैं। उनकी ही टीम के स्टीव स्मिथ 893 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर हैं। बाबर आजम 879 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। पिछले सप्ताह तक नंबर-1 रहे जो रूट अब 814 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर फिसल गए हैं। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के 801 अंक हैं और वे पांचवें स्थान पर बरकरार है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज का मात दी थी। इस जीत के दम पर कंगारू टीम अब रैंकिंग में नंबर-3 से टॉप पर पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया के 128 पॉइंट्स हैं। भारत 114 पॉइंट्स के साथ दूसरे और साउथ अफ्रीका 104 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर है। बॉलिंग में ऑस्ट्रेलियाई कैप्टन पैट कमिंस का जलवा बरकरार है। वे 887 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर हैं। वहीं भारत के रविचंद्रन अश्विन 842 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। इंग्लिश गेंदबाज जेम्स एंडरसन और ओली रॉबिनसन ने पाकिस्तान के खिलाफ उसके घर में पहले टेस्ट मैच में 5-5 विकेट लेकर अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। एंडरसन को 2 स्थान का फायदा हुआ है। वे 840 पॉइंट्स के साथ पांचवें से तीसरे स्थान पर आ गए हैं। वहीं ऑली भी टॉप-10 में पहुंच गए हैं। उन्हें 7 स्थान का फायदा हुआ है। वे आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वनडे में भी बदलाव हुए हैं। श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद अफगानिस्तानी स्पिनर राशिद खान वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में 4 विकेट लिए थे।

एडिलेड टेस्ट से कमिंस बाहर, बोलैंड को बुलावा, स्मिथ करेंगे कप्तानी

एडिलेड। पर्थ में लगी चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस एडिलेड में वेस्ट इंडीज के

खिलाफ गुरूवार से होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। पिछले साल एशेज सीरीज में तीन टेस्ट मैचों में 9.55 का औसत रखने वाले स्कॉट बोलैंड को ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है और वह मिचेल स्टार्क, जॉश हेजलवुड और कैमरन ग्रीन के साथ तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। कमिंस ने 40 मिनट तक दौड़ लगाई लेकिन गेंदबाजी नहीं की थी और ऑस्ट्रेलिया की ट्रेनिंग से पहले वह मैच से बाहर हो गए। स्टीवन स्मिथ मैच में कमिंस की जगह कप्तानी संभालेंगे। बयान में कहा गया है, मेडिकल स्टाफ ने एडिलेड में कमिंस की रिकवरी की बात कही थी लेकिन चयनकर्ताओं को लगा कि कमिंस मैच के लिए पूरी तरह से फिट नहीं है। कमिंस के अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ब्रिसबेन में होने वाले पहले टेस्ट में वापसी की उम्मीद है। इसका मतलब है कि स्टीवन स्मिथ इस टेस्ट में टीम की कमान संभालेंगे। स्मिथ ने कहा, इस मैच के लिए तैयारी के लिए अभी अधिक समय है। मैं अपनी तरह से टीम को संभालूंगा, मैं कुछ अलग करने की कोशिश नहीं कर सकता। जब कुछ इस तरह से होता है तो हमारे पास प्लान होते हैं, मैं बहुत शांत हूं, मैंने पिछले साल भी ऐसी स्थिति में कप्तानी की थी और यह बहुत अच्छा गया था। टेस्ट कार्यक्रम की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया को पांच सप्ताह के अंदर ही पांच मैच खेलने हैं, और तेज गेंदबाजों को संभालना चयनकर्ताओं की जिम्मेदारी होगी। फरवरी में ऑस्ट्रेलिया को भारत का भी दौरा करना है जहां पर वे चार टेस्ट खेलेंगे। स्मिथ ने कहा, मुझे नहीं लगता कि कमिंस को दिक्कत होगी। आगे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बड़ी सीरीज है और बाद में भारत का दौरा भी है। बोलैंड को अभी भी तीनों प्रारूपों में पदार्पण करना बाकी है लेकिन ऐसा विश्वास है कि वह एडिलेड में पिंक बॉल टेस्ट में अच्छा करेंगे। बोलैंड का टेस्ट डेब्यू कमाल का रहा था जहां उन्होंने सात रन देते हुए छह विकेट लिए थे। नाथन लियोन ने कहा, एडिलेड का यह विकेट पिछले साल की तरह ही है। यह एमसीजी विकेट की तरह है। मुझे नहीं लगता कि चीजें बदलेंगी। बोलैंड का आत्मविश्वास ऊपर है और यह होना भी चाहिए। वह मजे के लिए मेरे पैड पर गेंद मारता था जब मैं उसके साथ राज्य क्रिकेट खेलता था। लेकिन अब मुझे लगता है कि स्कॉट के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी हुई है।

बांग्लादेश में लगातार दूसरी बार सीरीज हारा भारत

आखिरी दो गेंद पर दो छक्कों की थी जरूरत, रोहित 1 ही जमा सके

मीरपुर।

टीम इंडिया को बांग्लादेश दौरे पर एक और करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। मेजबान टीम ने उसे तीन वनडे मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में 5 रनों से हराया। हालांकि चोटिल कप्तान रोहित शर्मा ने टीम को जिताने के भरसक प्रयास किए। उन्होंने 9वें नंबर पर आकर नाबाद 51 रनों की पारी खेली। एक समय टीम को 18 बॉल पर 40 रनों की जरूरत थी, लेकिन मोहम्मद सिराज 47वां ओवर मेडन खेल गए। मीरपुर के मैदान पर मंगलवार को 272 रनों के टारगेट को चेज करने उतरी टीम इंडिया तय 50 ओवर में 266/9 रन ही बना सकी। उसकी ओर से श्रेयस अय्यर ने सबसे ज्यादा 82 रन बनाए। जबकि अक्षर पटेल ने 55 रनों का योगदान दिया। बांग्लादेश की ओर से इबादत हुसैन ने 3 विकेट झटके। मेहदी हसन और शाकिब अल हसन ने एक समान 2-2 विकेट मिले। जबकि मुस्ताफिजुर रहमान के हिस्से में एक विकेट आया। टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरे बांग्लादेश ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 271 रन बनाए। मेहदी हसन मिराज (100) उसकी ओर से टॉप स्कोरर रहे। जबकि महमूदुल्लाह ने 77 रन बनाए। भारत की ओर से वाशिंगटन सुंदर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। जबकि उमरान मलिक और मोहम्मद सिराज को 2-2 सफलताएं मिलीं।

अय्यर-पटेल के बीच शतकीय साझेदारी - विराट कोहली की जगह नंबर-3 पर खेलने आए श्रेयस अय्यर और चौथे नंबर पर उतरे अक्षर पटेल ने 5वें विकेट के लिए 101 गेंदों पर 107 रनों की पार्टनरशिप की। दोनों ने अर्धशतक जमाए। पहले श्रेयस ने 69

बॉलों पर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 102 बॉल पर 82 रन बनाए। इस पारी में 6 चौके और 3 छक्के शामिल हैं। यह अय्यर का 14वां वनडे अर्धशतक है। अय्यर ने इस फॉर्मेट के पिछले 11 मैचों में 6 अर्धशतक और एक शतक जमाया है। श्रेयस के बाद अक्षर ने 50 बॉल में अपना तीसरा वनडे अर्धशतक पूरा किया। वे 56 रन बनाकर आउट हुए।

ओपनर्स ने बनाए 13 रन - भारत की ओपनिंग जोड़ी 13 रन के टीम स्कोर पर पवेलियन लौट गई। विराट कोहली 5 रन बनाकर आउट हुए तो शिखर धवन ने 8 रन बनाए। कोहली लगातार दूसरे मुकाबले में दहाई के स्कोर तक नहीं पहुंच पाए। पिछले मैच में वे 9 रन ही बना सके थे। वे कप्तान रोहित शर्मा की जगह उतरे थे। रेगुलर ओपनर रोहित फील्डिंग के वक्त चोटिल हो गए थे। वे ओपनिंग के लिए नहीं आए।

कैसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

विराट कोहली : इबादत हुसैन ने बोल्ड कर दिया। शिखर धवन : रहमान ने मेहदी हसन मिराज के हाथों कैच कराया। वाशिंगटन सुंदर : शाकिब ने लिटन दास के हाथों कैच कराया। केएल राहुल : मेहदी हसन ने स्लोअर बॉल डाली, राहुल विकेट के सामने की बॉल चूके और आउट हो गए। श्रेयस अय्यर : मेहदी हसन की गेंद पर बड़ा शॉट खेलना चाहते थे। डीप मिडविकेट पर अफीफ के हाथों कैच हुए। अक्षर पटेल : इबादत हुसैन की बॉल पर एक्सट्रा कवर में शाकिब को कैच दे बैठे। शार्दूल ठाकुर : शाकिब अल हसन की बॉल पर स्टंप के पीछे मुशफिकुर रहीम ने कैच किया। दीपक चाहर : इबादत हुसैन की बॉल पर नजमुल हुसैन को कैच दे बैठे। बांग्लादेश की ओर से भारत के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी महमूदुल्लाह 77 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें उमरान मलिक ने विकेट के पीछे केएल राहुल के हाथों कैच कराया। उमरान ने 148 रनों की साझेदारी तोड़ी। यह बांग्लादेश की ओर से भारत के खिलाफ वनडे में किसी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। पिछला रिकॉर्ड 133 रन का था। अनामुल हक और मुशफिकुर रहीम ने 2014 में वह पार्टनरशिप की थी। टीम इंडिया के लिए फिर मुसीबत बने मेहदी हसन मेहदी हसन एक बार फिर टीम इंडिया के लिए मुसीबत बने। उन्होंने शतक जमाया। पिछले मुकाबले में 187 के टारगेट का पीछा कर रही बांग्लादेश ने 128 पर छह विकेट गंवा दिए थे। उसके बाद खेलने आए मेहदी हसन ने 38 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम की डूबती नैया पार लगाई थी। उन्होंने अफीफ हुसैन, इबादत हुसैन और हसन महमूद के साथ उपयोगी साझेदारियां कीं। वाशिंगटन सुंदर ने 2 बॉल पर 2 विकेट लिए। उन्होंने 19वें ओवर की 5वीं बॉल पर मुशफिकुर रहीम (12) को धवन के हाथों कैच कराया और आखिरी बॉल पर अफीफ हुसैन (0) को बोल्ड कर दिया। हालांकि सुंदर अपनी हैट्रिक पूरी नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने 3 विकेट लिए।

वे ऑब्जर्वेशन में हैं। टीम इंडिया ने प्लेइंग में 2 बदलाव किए हैं। जबकि बांग्लादेश में एक चेंज है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने तेज गेंदबाज कुलदीप सेन की जगह उमरान मलिक और शाहबाज अहमद की जगह अक्षर पटेल को मौका दिया है। वहीं, बांग्लादेश में हसन महमूद की जगह नजमुल हसन प्लेइंग में शामिल किए गए हैं।

दोनो टीमें

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, उमरान, शार्दूल ठाकुर, दीपक चाहर और मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेशः नजमुल हुसैन शान्तो, लिटन दास (कप्तान), अनामुल हक, शाकिब अल हसन, मुशफिकुर रहीम, महमूदुल्लाह, अफीफ हुसैन, मेहदी हसन मिराज, इबादत हुसैन, नसूम अहमद, मुस्ताफिजुर रहमान।

लेग स्पिनर अरूब शाह आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के पहले सीजन में पाक की करेंगी कप्तानी

लाहौर।

लेग स्पिनर अरूब शाह को अगले साल दक्षिण अफ्रीका में 14 से 29 जनवरी तक होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के पहले सीजन के लिए पाकिस्तान का कप्तान बनाया गया। मुख्य चयनकर्ता अस्माविया इकबाल द्वारा टीम चुनी गई। 18 वर्षीय अरूब ने पाकिस्तान की सीनियर महिला टीम के लिए दो एकदिवसीय और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टीम में दाएं हाथ की बल्लेबाज एयमन फातिमा और शवाल जुल्फिकार भी शामिल हैं।

वह स्पिन आक्रमण का भी हिस्सा होंगी, जिसमें रिदा असलम (बाएं हाथ की स्पिनर), कुरतुलैन अहसेन (लेग स्पिनर), अनोशा नासिर (आफ स्पिनर) और महनूर आफताब (आफ स्पिनर) शामिल हैं। टीम में चार तेज गेंदबाज अरीशा नूर, हलीमा अजीम डार, हनिया अहमर और जैब-उन-निसा को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा, मैं उन 15 खिलाड़ियों को बधाई देना चाहती हूं जिन्होंने पहले अंडर-19 इवेंट के लिए टीम में जगह बनाई है। मुझे विश्वास है कि इस टीम में मेगा इवेंट में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है। उन्होंने आगे कहा, इन खिलाड़ियों को एक कठोर और मजबूत प्रक्रिया के बाद चुना गया था और मैं उन कोचों को बधाई देना चाहती हूं जिन्होंने खिलाड़ियों के कौशल पर कड़ी मेहनत की है ताकि उन्हें इस आयोजन के लिए तैयार किया जा सके।

असमाविया ने एक आधिकारिक बयान में कहा, टूर्नामेंट हमें अपने खिलाड़ियों के पूल को बढ़ाने में भी मदद करेगा, जो अंततः वरिष्ठ स्तर पर एक मजबूत और अधिक प्रतिस्पर्धी टीम बनाने में मदद करेगा।

मुरीदके के लाहौर कंट्री क्लब में 13 से 22 अगस्त तक आयोजित महिला अंडर-19 टी20 टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन के बाद 15 खिलाड़ियों वाली टीम और पांच रिजर्व खिलाड़ियों का चयन किया गया।

बाद में, छह-टीम टूर्नामेंट के शीर्ष खिलाड़ियों ने सितंबर में इंजमाम-उल-हक हाई परफॉर्मेंस सेंटर, मुल्तान में और बाद में नवंबर में हनीफ मोहम्मद हाई परफॉर्मेंस सेंटर, कराची में दो कौशल और प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया था।

अपनी फिटनेस और कौशल का और आकलन करने के लिए, अंडर19 खिलाड़ियों ने 26 नवंबर से 2 दिसंबर तक लाहौर के एलसीसीए ग्राउंड में आयोजित टी20 महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले चरण में भी भाग लिया था।

60 साल का इंतजार खत्म, क्यूबा सरकार ने महिला बॉक्सिंग से प्रतिबंध हटाया

हवाना।

बॉक्सिंग का दबदबा कहे जाने वाले क्यूबा की महिलाओं का बॉक्सिंग टूर्नामेंटों में हिस्सा लेने का लंबा इंतजार खत्म हो गया। 60 वर्षों में पहली बार क्यूबा की महिलाएं प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में हिस्सा ले सकेंगी। क्यूबा के अधिकारियों ने महिला मुक्केबाजों को 60 वर्षों के प्रतिबंध के बाद प्रतिस्पर्धी मुकाबले खेलने की स्वीकृति देने की घोषणा की। क्यूबा के राष्ट्रीय खेल संस्थान (आईएनडीईआर) के उपाध्यक्ष एरियल सैंज ने कहा कि क्यूबा में महिलाएं भी बॉक्सिंग करेंगी। महिलाएं क्यूबा का नाम पदक तालिका में आगे लेकर जाएंगी। हमारा एक कानून है। अब पुरुष और महिला के बीच समानता रहेगी।

42 महिलाओं के बीच होगी प्रतिस्पर्धा

आईएनडीईआर ने घोषणा की कि वे इस महीने 42 महिला मुक्केबाजों के बीच प्रतिस्पर्धा कराएंगे जिसके बाद 12 सदस्यीय महिला टीम का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह टीम अल सल्वाडोर में मध्य अमेरिकी और कैरेबियाई खेलों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण करेगी। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि क्यूबा में महिलाओं का बॉक्सिंग में प्रतिबंध क्यों लगा था, जबकि यहां महिलाओं को कुश्ती,

भारोत्तोलन, कराटे, ताइकवांडो और जूडो में हिस्सा लेने की अनुमति है।

प्रतिस्पर्धी मुक्केबाजी में शिरकत की स्वीकृति मिलने के बाद से लेगनिस काला मासो जैसी बॉक्सर बेहद खुश हैं जिन्हें सात साल पहले मुक्केबाजी शुरू करने के बाद से इस दिन का इंतजार था। काला मासो जैसी महिला मुक्केबाजों ने इस स्वीकृति को हासिल करने के लिए वर्षों से काफी संघर्ष किया है। काला मासो ने कहा, 'हमेशा से कहा जाता था कि मुक्केबाजी क्यूबा की महिलाओं के लिए नहीं है, यह हमेशा से समस्या रही थी। अब देखिए हम कहां हैं, हमने कभी नहीं सोचा था कि हम यहां पहुंचेंगे। क्यूबा को दुनिया भर में मुक्केबाजी के लिए जाना जाता है। उसने फेलिक्स सेवोन, टियोफिलो स्टीवसन और जूलियो सीजर ला क्रूज जैसे महान मुक्केबाज दुनिया को दिए और उसके पास ओलंपिक में दर्जनों पदक हैं।

ब्लाइंड क्रिकेट वर्ल्ड-कप में भारत-पाक मैच रद्दः भारतीय टीम गुड़गांव के होटल में, पाक टीम विदेश मंत्रालय की मंजूरी का इंतजार करती रही

मुंबई। ब्लाइंड क्रिकेट टी-20 वर्ल्ड-कप में भारत-पाक का मैच रद्द कर दिया गया है। पाकिस्तानी टीम वीजा के लिए विदेश मंत्रालय से क्लीयरेंस नहीं मिल पाने की वजह से नहीं आ पाई। वर्ल्ड कप की शुरुआत 5 दिसंबर से हो चुकी है। फाइनल 17 दिसंबर को खेला जाएगा। इस वर्ल्ड कप में भारत, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, साउथ अफ्रीका बांग्लादेश सहित पाकिस्तान टीम को भी भाग लेना था। पाकिस्तान को 7 दिसंबर को दिल्ली के श्रीफोर्ट में भारत के साथ मैच खेलना था। पाकिस्तानी टीम नहीं आ सकी, जिसकी वजह से मैच को रद्द कर दिया गया। ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी जॉन डेविड ने बताया कि पाकिस्तान टीम को गृहमंत्रालय से क्लीयरेंस मिल गया, पर विदेश मंत्रालय से अभी तक क्लीयरेंस नहीं मिला है।

हमारी टीम में विश्वास मुख्य कारक है: हरमनप्रीत कौर

मुंबई।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुंबई में 9 दिसंबर से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि मौजूदा महिला टीम में विश्वास एक इकाई के रूप में उनकी सबसे बड़ी ताकत है। डीवाई पाटिल स्टेडियम (पहले दो मैच) और ब्रेबॉर्न स्टेडियम (अगले तीन मैच) में आस्ट्रेलिया के खिलाफ घर में होने वाली सीरीज से हरमनप्रीत की टीम की आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की तैयारी फिर से शुरू हो जाएगी, जिसका आयोजन दक्षिण अफ्रीका में 10-26 फरवरी तक होना है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सबसे सकारात्मक बात यह है कि वे मेरे सामने खुल रहे हैं क्योंकि अगर वे खुलकर बातें नहीं करते हैं, तो मैं भी

उनकी मदद नहीं कर पाऊंगी। वे मुझ पर, मेरी योजनाओं और मेरी शक्तियों और सभी पर भरोसा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि हमें टीम के अन्य सदस्यों से जो समर्थन मिल रहा है और टीम जो प्रयास कर रही है, वह इन सकारात्मक परिणामों को प्राप्त करने का कारण है क्योंकि अगर आपको अपनी टीम पर भरोसा है, तो आप मैदान पर कहीं भी पीछे नहीं रह सकते। हरमनप्रीत ने कहा, तो, यह विश्वास कारक है जो हमारी टीम के भीतर है, यही वह ताकत है जो अभी हमारे पास है। जिस कारण से हम एक टीम के रूप में सुधार कर रहे हैं और हर टूर्नामेंट में परिणाम देने में सक्षम हैं। वह विश्वास कारक है, जो हमारी मदद कर रहा है।

मौजूदा टी20 विश्व कप चैंपियन आस्ट्रेलिया पिछली बार 2018 में भारत आया था, जहां उसने वनडे सीरीज 3-0 से जीती थी और त्रिकोणीय सीरीज जीती थी जिसमें इंग्लैंड तीसरी टीम थी। हरमनप्रीत का मानना है कि सभी खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देने और उन्हें अपने विचार साझा करने से भी उन्हें मैदान पर एक बेहतर लीडर बनने में मदद मिली है।

उन्होंने कहा, मेरे लिए, सभी खिलाड़ियों को एक साथ रखना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि मेरे अनुसार, सभी को अपने विचार साझा करने और समान महत्व के साथ व्यवहार करने में सक्षम होना चाहिए।

रोनाल्डो की जगह खेलने वाले रामोस पुर्तगाल के लिए वर्ल्ड कप डेब्यू मैच में ही लगा दी हैट्रिक

दोहा।

फीफा वर्ल्ड कप का बुखार फैन्स के सिर चढ़कर बोल रहा है। राउंड ऑफ-16 यानी प्री-क्वार्टरफाइनल के सभी मुकाबले खेले जा चुके हैं और टूर्नामेंट को अपने अंतिम आठ टीमें मिल चुकी हैं। अर्जेंटीना, नीदरलैंड, क्रोएशिया, ब्राजील, फ्रांस, इंग्लैंड, मोरक्को और पुर्तगाल की टीमें क्वार्टरफाइनल में पहुंच चुकी हैं। पुर्तगाल ने राउंड ऑफ-16 के आखिरी मुकाबले में स्विटजरलैंड को 6-1 से हराया। पुर्तगाल की जीत में गोंकालो रामोस का अहम किरदार रहा। रामोस ने तीन गोल दागे। यह फीफा वर्ल्ड कप 2022 की पहली हैट्रिक रही।

चार गोल में रामोस का योगदान रहा - 21 साल के रामोस ने पुर्तगाल की जीत में तीन गोल दागने के साथ एक असिस्ट भी किया। उन्हें लिवरपूल के स्टार स्ट्राइकर डियोगो जोटा की जगह वर्ल्ड कप स्क्वॉड में शामिल किया गया। हालांकि, तब किसी ने सोचा नहीं था कि यह युवा इतना बड़ा रिकॉर्ड बना जाएगा। उनका यह फीफा वर्ल्ड कप में डेब्यू मैच था। साथ ही उन्हें क्रिस्टियानो रोनाल्डो की जगह स्टार्टिंग प्लेइंग-

11 में शामिल किया गया था। इसका भी दबाव उन पर था, लेकिन रामोस ने इस भरोसे को कायम रखा और पुर्तगाल की जीत तय की।

क्लोज के बाद दूसरे खिलाड़ी बने रामोस - रामोस ने 17वें, 51वें और 67वें मिनट में गोल दागा। रामोस के अलावा पेपे ने 33वें मिनट, राफेल गुरेरो ने 55वें मिनट और राफेल लियाओ ने 90+2वें मिनट में गोल किया। रामोस वर्ल्ड कप डेब्यू मैच में हैट्रिक गोल दागने वाले पिछले 20 साल में सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बने। उनसे पहले 2002 में जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोज ने 2002 वर्ल्ड कप में ऐसा किया था। यह सिर्फ उनका चौथा मैच था। चार मैच में वह चार गोल कर चुके हैं। पिछला गोल उन्होंने इसी साल नवंबर में नाइजीरिया के खिलाफ फ्रेंडली मैच में किया था। रामोस ने वर्ल्ड कप नॉकआउट स्टेज में रोनाल्डो से ज्यादा गोल किए हैं। रोनाल्डो ने वर्ल्ड कप नॉकआउट स्टेज में एक भी गोल नहीं किया है।

कौन हैं गोंकालो रामोस - रामोस को ग्रुप स्टेज के दौरान मौका नहीं दिया गया था। न ही सब्सटिट्यूट के तौर पर वह मैदान में आए थे। पुर्तगाल की टीम रोनाल्डो के साथ ही मैदान पर उतर रही थी। हालांकि, राउंड ऑफ-16 में रोनाल्डो की जगह रामोस को स्टार्टिंग लाइन अप में जगह मिली और उन्होंने कमाल कर दिया। रामोस को स्ट्रैटजी के तहत मैदान पर उतारा गया था। दरअसल, पुर्तगाल का टीम मैनेजमेंट चाहता था कि अगर मैच पेनल्टी शूटआउट में जाए तो वहां रोनाल्डो जैसे अनुभव मौजूद हो। इस वजह से गोंकालो रामोस को भेजा गया। यह स्ट्रैटजी पुर्तगाल के काम आ गई। रामोस ने मिले मौके का भरपूर फायदा उठाया।

चोटिल पीवी सिंधु टूर्नामेंट से बाहर, दिग्गजों को चुनौती देने उतरेंगे प्रणय

बैंकॉक। स्टार भारतीय शटलर एचएस प्रणय शुरू हो रहे विश्व टूर फाइनल्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। पीवी सिंधु चोट की वजह से टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी। इसलिए भारतीय उम्मीदों का भार सिर्फ प्रणय के कंधों पर है। यह टूर्नामेंट पहले ग्वांग्झू, चीन में होना था, लेकिन कोविड-19 संक्रमण की वजह से यहां पर स्थानांतरित हुआ है। ग्रुप ए में प्रणय का सामना ओलंपिक चैंपियन डेनमार्क के विक्टर एक्सलसन, जापान के कोडाई नराओका और चीन के लू ग्वांग्झू से होगा। हाल ही में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित हुए प्रणय ने कहा, मैं वर्ष के अंतिम और अपने पहले विश्व टूर फाइनल्स टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हूं। प्रणय को कठिन ड्रॉ मिला है।

फैशन की यह दीवानगी पड़ सकती है सेहत पर भारी

हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जहां आपका फैशन शब्दों से ज्यादा बोलते हैं। हर जगह आपकी पहचान आपके कपड़ों से होती है। हालांकि यह फैशनेबल अंदाज आपके लुक को निखारने का काम करता है, लेकिन बिना सोचे समझे किया गया फैशन आपके लिए खतरनाक हो सकता है। लड़कियां हाई हील्स में घूमती हैं और लड़के बालों को स्पाइक करवाकर घूमते हैं। ऐसे कई हालात हैं जिसमें फैशन के प्रति दीवानगी आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। और इनसे बचने के लिए आपको कुछ हेल्थ टिप्स।

पेंटीहोज

जी, शेपवेयर और पेंटीहोज पहनने से बेशक आपकी बॉडी शानदार नजर आती है। लेकिन यह फैशन का स्टाइल आपकी सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है। अगर रोज इसे पहना जाए तो इससे बेहद परेशान करने वाला यीस्ट इंफेक्शन हो सकता है।

स्टाइलिश हैंडबैग

बेकार के सामान से भरे और भारी हैंडबैग से आपके कंधों और पीठ में गंभीर दर्द हो सकता है। शोधों में यह बात साबित हुई है कि भारी बैग टांगने से कंधों में समस्या हो सकती है। इससे कंधों में सूजन और कंधे के रोटेटर कफ में भी चोट लग सकती है।

हाई हील्स

हाई हील्स महिलाओं पर बहुत क्लासी लगती हैं। लेकिन इसके साथ ही इससे एक बुरी खबर भी जुड़ी है। इससे आपके पैरों में दर्द हो सकता है। रोजाना हाई हील पहनने से अचिलेस टेंडोनिटिस हो सकता है। इस समस्या में पिंडली से लेकर एड़ी तक झुनझुनी होती रहती है। यह समस्या आगे चलकर बेहद गंभीर बन सकती है। रोजाना हाई हील्स पहनने से पिंडली की मांसपेशियां छोटी हो जाती हैं।

फ्लिप फ्लॉप

आप तो यही मानते और समझते होंगे कि फ्लिप फ्लॉप आरामदेह और सेहतमंद होते हैं, लेकिन आपको अपनी यह सोच बदलने की जरूरत है। ये सपाट चप्पलें पहनने से आपको फेस्किटिस जैसी समस्या हो सकती है। इस परिस्थिति में आपको काफी दर्द होता है। इसमें आपके पैरों की एड़ी और सोल में बहुत दर्द होता है। रोजाना ऐसी चप्पलें पहनने से पैरों में सूजन, एड़ी में पीड़ा और अन्य समस्यायें हो सकती हैं।

जंक ज्वैलरी

भारी भरकम जंक ज्वैलरी पहनना सबसे बुरे फैशन ट्रैंड्स में है। महिलाओं के लिए इस तरह की जंक ज्वैलरी पहनना नुकसानदेह हो सकता है क्योंकि इससे उनकी गर्दन पर काफी जोर पड़ता है। इससे लोअर सर्वाइकल में दर्द हो सकता है।

कोरसेट्स

कोरसेट्स को कई बरसों से इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसे पहनने से आपका पेट भीतर रहता है। लेकिन इसके साथ ही एक सच्चाई और जुड़ी है और वह यह कि इससे फेफड़ों पर भी प्रेशर पड़ता है। यह फेफड़ों को दबा देती है। इससे ऑक्सीजन की कमी हो सकती है नौजिया और चक्कर आने जैसी समस्यायें हो सकती हैं। इतना ही नहीं इससे आंखों के सामने अंधेरा भी छा सकता है।

प्रियरसिंग का शौक

अगर आपको प्रियरसिंग का शौक है, तो आप अपनी स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। एक से ज्यादा या लगातार प्रियरसिंग करवाते रहने से आपको त्वचा फटने, संक्रमण, स्कारिंग और यहां तक कि नर्व डैमेज तक की समस्या हो सकती है।

टैटू

टैटू से संक्रमण, स्किन एलर्जी, केलॉयड स्कारिंग आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं जो टैटू के कारण हो सकती हैं। इनसे बचने का सबसे आसान तरीका यही है कि आप टैटू से पूरी तरह दूर ही रहें।

महिलाओं में आम बीमारी 'खून की कमी'

यह सत्य है कि कुछ लोगों में और विशेषकर महिलाओं में रक्त की कमी होती है। मगर आजकल यह आधुनिक फैशन सा हो गया है कि जिसे देखिये वह रक्त की कमी की शिकायत करता रहता है और इसके लिए कुछ न कुछ विटामिन या खनिज की गोलियां खाता रहता है । यह भी आम जनता में धारणा है कि शरीर में कुछ भी तकलीफ जिसके लिए वे कुछ कारण नहीं ढूंढ़ पाते उसे वे रक्त की कमी या 'अनिमिया' की संज्ञा देते हैं। रक्त की कमी शरीर में कई कारणों से हो सकती है इससे पहले यह बताना आवश्यक है कि रक्त क्या होता है ? उसके कार्य क्या हैं?

रक्त क्या है..?

हमारे शरीर में हर मिनट हृदय के द्वारा 5 लीटर लाल रंग का द्रव्य रक्त प्रवाहित होता रहता है । इसके द्वारा शरीर को ऑक्सीजन और खुराक पहुंचती है रक्त में लाल कण सफेद कण और सूक्ष्म 'प्लेटलेट्स' होते हैं । लाल कण और एक पदार्थ हीमोग्लोबिन होता है जिसके कि कारण इसे लाल रंग मिलता है और यह ऑक्सीजन आगे संचार का माध्यम बनती है जब रक्त में लाल रंग प्रदान करने वाले इस पदार्थ की कमी हो जाती है तब उसको हम रक्त की कमी यानी 'अनिमिया' कहते हैं। महिलाओं में खून की कमी 'रक्त की कमी क्यों- जिस तरह से एक फैक्ट्री में कच्चा माल नहीं होगा तो उत्पादन नहीं होगा । उसी तरह अगर रक्त बनने के लिए जिस पदार्थ की आवश्यकता होती है, जैसे लौह, प्रोटीन, विटामिन आदि तो शरीर में रक्त की कमी होती है । दूसरे अगर फैक्ट्री में कच्चा माल मशीनों तक नहीं पहुंचे तब भी उत्पादन नहीं होगा उसी तरह अगर हमारी पाचन क्रिया में गड़बड़ी के कारण यह आवश्यक पदार्थ रक्त बनने के स्थान तक नहीं पहुंचे तो भी रक्त की कमी होगी । तीसरे फैक्ट्री में अगर मशीनें ठीक से काम नहीं करें और उसी तरह अगर शरीर में रक्त बनने वाले अवयव खराब हो तब भी यह शिकायत होगी ।

रक्त की कमी क्यों

उसका दूसरा पहलू है कि अगर किसी कारण से या कुछ अवयवों में खराबी से अगर लाल रक्त कण ज्यादा टूटते हैं तो भी रक्त की कमी होगी । ऐसा भी होता है कि अगर यह लाल रक्त कण असामान्य हो तो शरीर के अवयव उनको जल्दी नष्ट कर देते हैं और ऐसी अवस्थाओं में 'अनिमिया' होना निश्चित है। बहुत सारी दवाइयां जो कि आजकल हम काम में लाते है। जैसे कि मिर्गी में काम आने वाली दवाइयां, कुछ एंटीबायोटिक्स, कुछ दर्द कम करने वाली गोलियां, कुछ भारी धातु वाली दवाइयां आदि जिनके कि निरंतर और लंबे अर्से तक सेवन के कारण रक्त की कमी हो जाती है । रक्तस्त्रव एक महत्वपूर्ण कारण है रक्त की कमी का । चाहे वह आमाशय में घाव, आंतों में कीड़े या टी.बी. के कारण हो या चोट लगने के कारण हो । स्त्रियों में जब मासिक धर्म की अनियमितता के कारण अधिक रक्तस्त्रव होता है तब भी रक्त की कमी हो जाती है । दुनिया में खुराक की कमी के कारण पैदा होने वाली रक्त की कमी सबसे ज्यादा पाई जाती है और यह 80 से 85 प्रतिशत इस रोग का कारण है । औरतों में रक्त की कमी ज्यादा है।

आपके सिंपल लुक को ग्लैमर बना देगी सिर्फ ये एक रिंग

पार्टी सीज़न की शुरूआत हो गई है, ऐसे में कपड़ों से लेकर फुटवेयर और जूलरी तक, सब कुछ परफेक्ट होना चाहिए। अगर आपने अपने लिए कपड़े चुन लिए हैं तो अब वक्त है जूलरी का। कॉकटेल रिंग्स इन दिनों काफी ट्रेंड में हैं। ये रिंग्स काफी बड़ी होती है और इसके बाद आपको अपने हाथों को खूबसूरत दिखाने के लिए और कोई जूलरी पहनने की ज़रूरत नहीं है।

अगर आपको जूलरी को ज़्यादा शौक नहीं है तो आप सिर्फ कॉकटेल रिंग पहनकर इंस्टेंट स्टाइल पा सकती हैं। हम आपको दिखाते हैं कुछ ऐसी रिंग्स जिन्हें आप वेस्टर्न और इंडियन दोनों ही आउटफिट्स के साथ कैरी कर सकती हैं।

ये खूबसूरत मिरर रिंग आपके लुक में चार चांद लगा देगी। ये एथनिक वेयर के साथ बेहद शानदार लगेगी।

टू-राउंड स्टोन्ड

टू-राउंड रिंगये टू-राउंड स्टोन्ड रिंग आपको क्लासी लुक देने के लिए काफी है। इसके बाद अगर आप कोई जूलरी नहीं पहनेंगी तो भी आपका लुक कम्प्लीट ही लगेगा।

स्टोन रिंग

बड़े स्टोन का इन दिनों काफी ट्रेंड है। आप भी बड़े स्टोन्स वाली ये कॉकटेल रिंग्स कैरी करें। इन्हें आप इंडियन और वेस्टर्न दोनों लुक के साथ पहन सकती हैं।

एक स्टोन वाली रिंग्स

ये मेटल के साथ एक स्टोन वाली रिंग्स आपके हर आउटफिट के साथ फिट बैठेगी।

पांच पर्ल रिंग

बोहो शीक लुक के लिए ये पांच पर्ल वाली मेटल रिंग पहनें।

कॉकटेल रिंग

इस फ्लोरल कॉकटेल रिंग को आप नॉर्मल हैंगआउट के लिए कैरी कर सकती हैं।

धनिया का फेसपैक चेहरे की कई समस्याओं को करे दूर

वैसे तो हरे धनिया का इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है लेकिन इससे बने फेस पैक से चेहरे की कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण चेहरे की एक्ने, पिंपल्स और झुर्रियां जैसी परेशानियों को दूर करते है। आइए जानते है धनिए से बने फेस पैक जिससे आप चेहरे की कई प्रॉब्लम को दूर कर सकते है।

टमाटर- धनिया पत्तों को धो कर अच्छी तरह पीस लें। अब इसमें टमाटर का रस, नींबू का रस और मुल्तानी मिट्टी मिक्स करके चेहरे पर 15 मिनट तक लगाएं। इससे कुछ ही दिनों में आपका चेहरा निखर जाएगा।

एग व्हाइट- इसके पत्तों को पीस कर इसमें एग व्हाइट और ओट्स पाउडर डालकर इसे स्क्रब की तरह चेहरे पर इस्तेमाल करें। हफ्ते में दो बार इसे करने से आपके ब्लैक हेड्स और वाइट हेड्स पोर्स निकल जाएंगे ।

दही- 1/2 कटोरी में पीसी धनिया, दही और एलोवेरा जेल को मिक्स करें। इसके बाद इसमें 1 टीस्पून काओलोनाइट क्ले, रोजवॉटर या कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाए। इसे हफ्ते में दो बार लगाने से आपके चेहरे पर नेचुरल निखार आएगा।

तिरुपति पर्यटन - पवित्र शहर

तिरुपति आंध्रप्रदेश के चित्तूर जिले के पूर्वी घाटों की तलहटी में स्थित तथा सांस्कृतिक रूप से भारत के सबसे अधिक समृद्ध शहरों में से एक है। तिरुपति मंदिर के पास स्थित होने के कारण यह पर्यटकों के साथ साथ तीर्थयात्रियों में भी लोकप्रिय है। यद्यपि तिरुपति शब्द का उद्भव कहाँ से हुआ इस विषय में कोई स्पष्टता नहीं है, फिर भी ऐसा माना जाता है कि यह दो शब्दों थिरु और पति से मिलकर बना है। जहाँ तमिल में थिरु का अर्थ है सम्मानजनक और पति का अर्थ है पति। अत- इस शब्द का शाब्दिक अर्थ है सम्मानीय पति । शहर के केंद्र के पास स्थित तिरुमलाई पहाड़ियों को विश्व की सबसे पुराने चट्टानी पहाड़ियों में स्थान प्राप्त है। इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि तिरुपति मंदिर का निर्माण किसने किया परन्तु ईसा पश्चात 4 थी शताब्दी में इस पर कई शासकों ने नियंत्रण किया और इसका पुनर्निर्माण किया। हालाँकि 14 वीं और 15 वीं शताब्दी में इस मंदिर ने मुस्लिम आक्रमणों का सफलतापूर्वक सामना किया।

तिरुपति ब्रिटिश आक्रमण से भी बचा और आज तक यह विश्व के सबसे सुरक्षित धर्म स्थानों में से एक है। मद्रास विधानसभा ने 1933 में एक अधिनियम पारित किया जिसके अनुसार तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम समिति को मद्रास सरकार द्वारा नियुक्त आयुक्त के माध्यम से प्रबंधन और नियंत्रण का अधिकार दिया गया। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बनाया गया जो तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की संपत्ति का प्रबंधन करता है।

धार्मिक मुद्दों पर धार्मिक सलाहकार परिषद तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को सलाह देती है। तिरुपति शहर कोडुरु के पास स्थित है जिसे वर्तमान में के टी रोड़ कहा जाता है। बाद में इसे गोविंदराजा मंदिर के निकट स्थानांतरित कर दिया गया। आज इस शहर का विस्तार पड़ोसी क्षेत्रों तक है।

तिरुपति तथा इसके आसपास पर्यटन स्थल

तिरुपति में प्रसिद्ध बालाजी मंदिर या वेंकटेश्वर मंदिर के अलावा वराहस्वामी मंदिर, देवी पद्मावती का तिरुचानुर मंदिर, गोविंदराजा मंदिर, श्रीनिवासा मंगपुरम, अवनाक्षम्मा मंदिर, तिरुपति, इस्कॉन का भगवान कृष्ण का मंदिर आदि हैं। कपिला तीर्थम पूजा का स्थान है जो भगवान शिव को समर्पित है, गुड़ीमल्लम में स्थित परशुरामेश्वर मंदिर, कोदंडा राम स्वामी मंदिर आदि तिरुपति के पास स्थित रोचक स्थान है।

तिरुपति बालाजी के दर्शन

हिंदू धर्मावलंबी तिरुपति बालाजी के दर्शन को अपने जीवन का ऐसा महत्वपूर्ण पल मानते हैं, जो जीवन को सकारात्मक दिशा देता है। देश-विदेश के हिंदू भक्त और श्रद्धालुगण यहां आकर दान करते हैं, जो धन, हीरे, सोने-चांदी के आभूषणों के रूप में होता है। इस दान के पीछे भी प्राचीन मान्यताएं जुड़ी हैं। जिसके अनुसार भगवान से जो कुछ भी मांगा जाता है, वह कामना पूरी हो जाती है। एक मान्यता के अनुसार भगवान बालाजी से मांगी मुराद पूरी होने पर श्रद्धालु तिरुपति के इस बालाजी मंदिर में श्रद्धा और आस्था के साथ अपने सिर के बालों को कटवाते हैं।

मेलों और त्योहारों का शहर

तिरुपति केवल धार्मिक केंद्र नहीं है; यह एक समृद्ध सांस्कृतिक केंद्र भी है। यह अपने त्योहारों और मेलों के लिए प्रसिद्ध है। एक प्रसिद्ध त्योहार गंगम्मा जत्रा है जो मई के महीने में आयोजित की जाती है। यह अपनी असामान्य परंपरा के लिए जानी जाती है। त्योहार के दौरान भक्त मंदिर के आसपास सड़कों पर चलते हैं तथा ऐसा मानते हैं कि इससे बुरी शक्तियां दूर होती हैं। इसके बाद वे चंदन का उबटन लगाते है तथा अपने सिर को मोगरे की फूलों की माला से ढंककर मंदिर के परिसर में प्रवेश करते हैं। यह जत्रा देवी की मिट्टी की मूर्ति को तोड़कर समाप्त होती है। ब्रह्मोत्सवम तिरुपति का सबसे अधिक प्रसिद्ध और बड़ा त्योहार है जिसके लिए दूर और पास से बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। मंदिरों के इस शहर के अन्य प्रमुख त्योहार विजयनगर त्योहार, चंद्रगिरी किले पर मनाया जाने वाला त्योहार और रायलसीमा नृत्य और फूड फेस्टीवल हैं।

तिरुपति का मौसम

तिरुपति की सैर के लिए सबसे उत्तम समय ठंड के मौसम में दिसंबर से फरवरी तक का होता है। गर्मियां बहुत अधिक गर्म और असुविधाजनक होती हैं अत इस समय यहाँ की यात्रा नहीं करने की सलाह दी जाती है। मानसून का मौसम गर्मी से राहत दिलाता है और हल्का मानसून का मौसम तिरुपति की सुन्दरता को बड़ा देता है।

रेसिपी

कॉफी मग पिज्जा

सामग्री

मैदा- कप बेकिंग पाउडर-1/8 टीस्पून ,बेकिंग सोडा- 1/16 टीस्पून, नमक- स्वादनुसार, ऑलिव ऑयल- 1 टेबल स्पून ,दूध- 3 टेबलस्पून, पिज्जा सॉस या टोमेटो सॉस- 2 टीस्पून, मोजेरेला चीज- मुट्ठी भर, जैतून- चुटकी भर जलापिनोस- चुटकी भर,चिल्ली फ्लेक्स- चुटकी भर, ओरिगैनो- चुटकी भर

विधि

एक माइक्रोवेव सेफ कॉफी मग लेकर उसमें मैदा,बेकिंग पाउडर, सोडा, नमक, ऑलिव ऑयल और दूध डालकर मिक्स करके सॉफ्ट ढोह बना लें। इसके उपर पिज्जा सॉस या टोमेटो सॉस को डालकर अच्छी तरह फैला लें। इसके बाद इसे मोजेरेला चीज से गार्निश करके जैतून जलापिनोस से डैकोरेट करें। डैकोरेट करने के बाद इस पर चुटकी भर चिल्ली फ्लेक्स और ओरिगैनो को छिड़के। औवन को प्रहीट करके इसे 2 मिनट तक बेक करें। आपका कॉफी मग पिज्जा बन कर तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

मावा केक

सामग्री

3/4 कप मक्खन, 1/2 कप चीनी पाउडर, डेढ़ कप मैदा, 5 पांच बड़े चम्मच मिल्क पाउडर, 2 बड़े चम्मच कॉर्न स्टार्च, 1 छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर, 1/4 चम्मच हरी इलायची पाउडर, 2 बड़े चम्मच दूध, 1/4 कप बटर मिल्क और मावा डेढ़ चम्मच।

विधि

पिसी चीनी और बटर को एक बड़े बाउल में डालकर लकड़ी के चम्मच की सहायत से तब तक फेंटें, जब तक वह अच्छी तरह से मिक्स न हो जाये। मिल्क पाउडर को एक बाउल में छानें। छने हुए पाउडर में मावा डालें और चीनी व बटर से पेस्ट में एक साथ अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब कॉर्न स्टार्च, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोड़ा व इलायची पाउडर डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। मिश्रण को एक साथ चलाएं। यदि मिश्रण ज्यादा गाढ़ा हो जाये तो उसमे थोड़ा-सा दूध डालकर मिलाएं। अब तैयार मिश्रण को चिकनाई लगे मोल्ड्स या पेपर कप में डालें और अच्छी तरह से ढक कर ओवन में 170 डिग्री पर बेक करें। पक जाने के बाद पेपर कप्स को हटा दें और मावा केक को प्लेट में सजा दे। तैयार है टेस्टी एगलेस मावा केक। आप चाहें तो इन्हें मेहमानों को गरमागरम या ठंडा होने के बाद, दोनों तरह से सर्व कर सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**